■ डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मुद्दों की जांच के लिए केंद्र ने गठित की उच्चस्तरीय समिति - 7

■ वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल बोले- भारत अमेरिका व्यापार समझौते के करीब- 10

■ ट्रंप का रुख बदला, अब बोले- ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुकीं - 11

■ लक्ष्य सेन इंडिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत व प्रणय बाहर- 12

आज का मौसम
17.0° अधिकतम तापमान
6.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.05
सूर्यास्त 05.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 16 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 53, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रयागराज : मकर संक्रांति पर संगम में आस्था की डुबकी लगाते श्रद्धालु। ● एजेंसी

संगम में एक करोड़ से अधिक ने लगाई डुबकी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● प्रदेश में उल्लास से मनाया गया मकर संक्रांति–खिचड़ी महापर्व
● सीएम योगी ने बाबा गोरखनाथ को अर्पित की खिचड़ी

अमृत विचार : सामाजिक समरसता और सनातन आस्था का महापर्व मकर संक्रांति–खिचड़ी उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। गोरखनाथ से लेकर संगम तक आस्था का महासैलाब उमड़ पड़ा। प्रयागराज में संगम के तट पर एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई।

गोरखपुर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्म मुहूर्त में गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर महायोगी गुरु गोरखनाथ को विधिविधान से खिचड़ी अर्पित की और लोकमंगल, सुख-समृद्धि की कामना की। उधर, प्रयागराज संगम में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने हर-हर गंगे के जयघोष के साथ आस्था की डुबकी लगाई। काशी, अयोध्या, मथुरा समेत पूरे यूपी में महास्नान हुआ।

कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बावजूद प्रयागराज के संगम तट पर आस्था का महाकुंभ देखने को मिला। 'हर-हर गंगे' के जयघोष के साथ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में पुण्य स्नान किया। सुरक्षा के लिए एटीएस कमांडो, पुलिस बल और एआई कैमरों की कड़ी निगरानी रही। कल्पवासियों की साधना और हठयोगियों के तप ने माघ मेले को अलौकिक स्वरूप दिया।

काशी, अयोध्या, मथुरा, चित्रकूट और नैमिषारण्य में उमड़े लाखों श्रद्धालु

वाराणसी में गंगा घाटों पर, अयोध्या में सरयू तट पर, मथुरा में यमुना घाटों पर, वृंदावन में यमुना किनारे, चित्रकूट में मंदाकिनी तट पर और नैमिषारण्य में गोमती नदी के किनारे श्रद्धालुओं ने पुण्य स्नान किया। इसके अलावा बस्ती, बलिया, गाजीपुर, फर्रुखाबाद और कानपुर जैसे जिलों में भी गंगा, सरयू, गोमती और यमुना तटों पर आस्था का जनसैलाब देखने को मिला।

माघ मेले में चर्चा में रहे सतुआ बाबा

माघ मेले में जगतगुरु संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा भी सुर्खियों में रहे। बुलडोजर पर सवारी करते हुए उनका मेला भ्रमण चर्चा का विषय बना। उन्होंने श्रद्धालुओं से 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के महास्नान में बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली : लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े दो शार्पशूटर पकड़े गए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े बाइक सवार दो शार्पशूटरों को पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्तियों पर राष्ट्रीय राजधानी में हाल ही में हुई गोलीबारी की दो घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। आरोपियों ने सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात दो अलग–अलग जगहों पर गोलीबारी की थी। पकड़े गए आरोपियों में से एक व्यक्ति नाबालिग है और दूसरे की पहचान दीपक के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उत्तरी दिल्ली में एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद दोनों को पकड़ा गया।

जम्मू कश्मीर पुलिस ने पुंछ में आतंकी सरगना की संपत्ति कुर्क की

मेंढर/पुंछ। जम्मू कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को पुंछ जिले में, पाकिस्तान में मौजूद एक आतंकी सरगना की अचल संपत्ति कुर्क कर दी। मंडी पुलिस थाने में दर्ज एक मामले के संबंध में अदालत के निर्देशों के बाद यह कार्रवाई की गई। कुर्क की गई संपत्ति मंडी तहसील में स्थित 10 कनाल और 14 मरला (लगभग 58,261.5 वर्ग फुट) जमीन है, जिसका अनुमानित मूल्य 22.05 लाख रुपये है। यह जमीन चैंबर कनारी निवासी अब्दुल अजीज की है। वह वर्तमान में पाकिस्तान में आतंकी सरगना के रूप में सक्रिय है।

ईडी अधिकारियों पर दर्ज प्राथमिकी पर सुप्रीम रोक, ममता को नोटिस

शीर्ष कोर्ट बोली- एजेंसी के काम में रुकावट न डालें, अन्य अधिकारियों से भी मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने ईडी के इस आरोप को गुरुवार को बेहद गंभीर बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उसकी जांच में बाधा पैदा की। कोर्ट ने इस बात की समीक्षा करने पर सहमति जताई कि क्या किसी राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियां किसी गंभीर अपराध के मामले में केंद्रीय एजेंसी की जांच में हस्तक्षेप कर सकती हैं। कोर्ट ने बंगाल में उन ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक लगा दी है जिन्होंने आठ जनवरी को आई-पैक कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारा था।

उसने राज्य पुलिस को छापेमारी की कार्रवाई की सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने मुख्यमंत्री बनर्जी, पश्चिम बंगाल सरकार, डीजीपी राजीव कुमार और शीर्ष पुलिस अधिकारियों को ईडी की उन याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है, जिनमें आई-पैक परिसर में छापेमारी में बाधा डालने के आरोप में उनके खिलाफ सीबीआई की जांच का अनुरोध किया गया है। पीठ ने कहा, हमें लगता है कि देश में कानून के शासन का पालन सुनिश्चित करने और प्रत्येक अंग को स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अनुमति देने के लिए इस मुद्दे की समीक्षा करना आवश्यक है ताकि अपराधियों को किसी विशेष राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की छत्रछाया में संरक्षण न मिल सके। उसने कहा, इसमें बड़े सवाल शामिल हैं और उठाए गए हैं, जिन्हें अगर अनसुलझा छोड़ दिया जाए तो स्थिति और बिगड़ जाएगी तथा अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग संगठनों के शासन को देखते हुए किसी न किसी राज्य में अराजकता की स्थिति बनी रहेगी। कहा कि किसी राजनीतिक दल के चुनावी काम में हस्तक्षेप करने की शक्ति किसी केंद्रीय एजेंसी के पास नहीं है लेकिन साथ ही यदि केंद्रीय एजेंसियां किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए सद्भावना से काम कर रही हैं, तो सवाल उठता है कि क्या दलगत गतिविधि की आड़ में एजेंसियों को अपने कर्तव्य निभाने से रोका जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन फरवरी की तारीख तय की गई है।

आई-पैक छापेमारी मामला

हाईकोर्ट में भीड़ के उमड़ने पर शीर्ष कोर्ट ने जताई चिंता, कहा- जैसे कि यह जंतर-मंतर हो

नई दिल्ली। कलकत्ता हाईकोर्ट में नौ जनवरी को अनियंत्रित भीड़ के कारण हुई अव्यवस्था और हंगामे पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चिंता जताई। ईडी द्वारा आई–पैक के कार्यालय में की गई तलाशी और जब्ती से संबंधित मामलों की निर्धारित सुनवाई हंगामे के कारण स्थगित करनी पड़ी थी। ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि तृणमूल कांग्रेस के कानूनी प्रकोष्ठ ने व्हाट्सएप संदेश प्रसारित किए थे, जिसमें लोगों से अदालत में इकट्ठा होने के लिए कहा गया था। मेहता ने कहा, कृपया इस मामले में जो हुआ उसे देखें। हमने उच्च न्यायालय का रुख किया। यही होता है जब भीड़तंत्र लोकतंत्र की जगह ले लेता है। उच्च न्यायालय में यही चीज हुई। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में वकील और अन्य लोग अदालत कक्ष में घुस आए और हंगामा किया।

ममता बोलीं-आई-पैक परिसर में सीएम के तौर पर नहीं, बल्कि तृणमूल अध्यक्ष के तौर पर गई थी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शीर्ष कोर्ट से कहा कि वह तृणमूल कांग्रेस के चुनावी कार्य का जिम्मा संभाल रहे प्रतीक जैन के कार्यालय में कुछ अनधिकृत व्यक्तियों के घुसने की सूचना मिलने के बाद आई–पैक परिसर गईं थीं। बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से कहा कि उनकी मुवक्किल आई–पैक के परिसर में मुख्यमंत्री की हैसियत से नहीं, बल्कि तृणमूल की अध्यक्ष के रूप में गई थीं। आई–पैक पश्चिम बंगाल में चुनावों का काम देखता है। पार्टी ने 2021 में आई–पैक के साथ एक औपचारिक अनुबंध किया था। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि ईडी को इसके बारे में पता है। आई–पैक के पास डेटा की एक श्रृंखला रखी है।

भारत में लोकतंत्र सफल है क्योंकि शासन के केंद्र में जनता है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

● कहा- भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बनाया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बनाया है और दुनिया को दिखाया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं उसके विकास को स्थिरता, गति तथा स्तर (स्केल) प्रदान करते हैं। राष्ट्रमंडल देशों की संसद के अध्यक्षों व पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह भी कहा कि भारत में लोकतंत्र सफल है क्योंकि शासन के केंद्र में देश की जनता है।

भारतीय लोकतंत्र एक बड़े पेड़ की तरह है जिसकी जड़ें गहरी हैं। मोदी ने कहा, भारत में, लोकतंत्र का मतलब है अंतिम पायदान तक सेवाओं की पहुंच। उन्होंने कहा कि जन कल्याण की भावना के साथ उठाए गए सरकार के कल्याणकारी कदम बिना भेदभाव के सभी लोगों तक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा, इस भावना की वजह से 25 करोड़ लोग पिछले कुछ साल में गरीबी से बाहर आए हैं। भारत में लोकतंत्र सफल है। प्रधानमंत्री ने कहा, जब भारत को आजादी मिली, तो कई लोगों को संदेह था कि देश की इतनी अधिक विविधता के बीच लोकतंत्र टिक पाएगा या नहीं। हालांकि, यही विविधता भारतीय लोकतंत्र की शक्ति बन गई। प्रधानमंत्री ने कहा, यह भी संशय था कि लोकतंत्र ने जड़ें जमा भी लीं, तो भी भारत को आगे बढ़ने में मुश्किल होगी।

भारत दूसरा सबसे बड़ा इस्पात निर्माता

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात निर्माता भी है और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम है। मोदी ने कहा कि देश में तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार, चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है। यह सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा धान उत्पादक देश भी है।

ईरान से भारतीयों को एयरलिफ्ट करेगी सरकार, आज विमान पहुंचेगा दिल्ली

नई दिल्ली। ईरान में नाजुक हालात के मद्देनजर भारत वहां से भारतीयों को निकालने की तैयारी में जुट गया है। 'ऑपरेशन स्वदेश' के तहत केंद्र सरकार भारतीयों को एयरलिफ्ट करेगी।

पहली विशेष फ्लाइट शुक्रवार को तेहरान से नई दिल्ली पहुंचेगी। ईरान में इस समय करीब 10 हजार भारतीय नागरिक मौजूद हैं। इसमें से 2500-3000 स्टूडेंट हैं, जो मेडिकल की पढ़ाई के लिए वहां गए थे। जम्मू और कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने कहा कि सभी छात्रों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। भारतीय दूतावास ने उनकी पर्सनल डिटेल और पासपोर्ट इकट्ठा कर लिए हैं। पहले बैच को शुक्रवार सुबह 8 बजे तक तैयार रहने की जानकारी दे दी गई है। पहले बैच में गोलेस्तान यूनिवर्सिटी, शाहिद बहेश्ती यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज और तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के कुछ स्टूडेंट्स शामिल हैं।

कंटेनर से टकराया एआई का विमान, इंजन क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

● पार्किंग के लिए ले जाते समय कोहरे के कारण हुआ हादसा, यात्री-क्रू सुरक्षित

दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को सुबह घने कोहरे के बीच, कार्गो कंटेनर से टकराकर एअर इंडिया का ए350 विमान का दाहिना इंजन क्षतिग्रस्त हो गया। एयरलाइन ने कहा कि विमान को विस्तृत जांच के लिए उड़ान सेवा से अस्थायी रूप से हटा दिया गया है और ए350 विमान की उड़ान वाले कुछ मार्गों पर संभवतः व्यवधान आ सकता है।

एयरलाइन ने कहा, दिल्ली से न्यूयॉर्क (जेएफके) जाने वाली उड़ान एआई101 को ईरान के हवाई क्षेत्र के अप्रत्याशित रूप से बंद होने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद, दिल्ली लौटना पड़ा, जिससे उसका निर्धारित मार्ग प्रभावित हुआ। दिल्ली में उतरने पर, घने कोहरे के बीच, विमान को टर्मिनल तक ले जाने के दौरान यह एक वस्तु से टकरा गया, जिसके परिणामस्वरूप उसके दाहिने इंजन को नुकसान पहुंचा। विमान को निर्धारित पार्किंग स्थल पर सुरक्षित रूप से खड़ा कर दिया गया, जिससे विमान में सवार सभी यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शॉर्ट सर्किट से अफरा तफरी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की गुरुवार को प्रेसवार्ता समाप्त होने के ठीक पहले अचानक शॉर्ट सर्किट से हो गई। हॉल में धुआं फैल गया, जिससे कुछ क्षणों के लिए मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

हालांकि मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत स्थिति संभाल ली। अग्नि सुरक्षा उपकरणों का तत्काल उपयोग किया गया, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। सुरक्षाकर्मियों ने घेरा बनाकर मायावती को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को तकनीकी खराबी से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना के बाद कुछ देर के लिए कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई।

एग्जिट पोल में बीजेपी–शिंदे सेना का बीएमसी पर कब्जा

● उद्धव और राज ठाकरे रहेंगे विपक्ष में, शाम साढ़े पांच बजे तक 50 प्रतिशत हुआ मतदान

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में गुरुवार को वोटिंग खत्म हो गई है। मतदान के बाद आए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के 3 एग्जिट पोल में भाजपा गठबंधन को बहुमत मिलने का अनुमान है। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 130 से 150 सीटें मिल सकती हैं।

बहुमत के लिए 114 की जरूरत है। वहीं, कांग्रेस गठबंधन को 60 सीटें मिलने का अनुमान है। अन्य के खाते में 5 से 7 सीटें आ सकती हैं। नतीजे शुक्रवार को आएंगे। स्टेट इलेक्शमन कमिश्नर दिनेश वाघमारे ने कहा कि सभी नगर निगम में शाम 5:30 वोटिंग खत्म हुई। करीब 50% मतदान का अनुमान है हालांकि अंतिम आंकड़े बाद में जारी होंगे।

उंगली की स्याही मिटाने का वीडियो वायरल, जांच शुरू

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने कहा कि बीएमसी चुनाव में मतदान के दौरान उंगलियों पर लगाई गई स्याही लोगों द्वारा मिटाए जाने के वायरल वीडियो की जांच चल रही है और झूठा विमर्श फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर आम मतदाताओं, नेताओं के ऐसे कई वीडियो सामने आये, जिनमें वे मतदान के बाद अपनी उंगलियों पर लगी पक्की स्याही को एसीटोन से मिटाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वाघमारे ने कहा कि स्याही को सूखने में समय लगता है और इसे मिटाना नहीं चाहिए।

(विस्तृत पेज-7)

पहल

योगी सरकार ने किसानों को बीमा सुरक्षा के दायरे में लाने के दिए निर्देश, 2025–26 में बीमा, प्रशिक्षण व आईटी पर होगा खर्च

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 96.92 करोड़ स्वीकृत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा देने और फसल नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। शासन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 96.92 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को मजबूती मिलेगी और अधिक से अधिक किसानों को बीमा सुरक्षा के दायरे में लाया जा सकेगा।

वर्तमान रबी सीजन (2025-26) में किसानों के बीच इस योजना के प्रति भारी उत्साह है। प्रदेश के नौ लाख से अधिक हेक्टेयर क्षेत्र को इस बीमा के दायरे में लाया जा चुका है। योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि रबी फसलों के लिए किसानों को कुल प्रीमियम का मात्र 1.5 प्रतिशत हिस्सा देना होता है, जबकि शेष बड़ी धनराशि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर वहन करती है। कृषि विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार धनराशि का सबसे बड़ा हिस्सा 93.88 करोड़ रुपये सब्सिडी मद के लिए निर्धारित किया गया है। इससे किसानों के बीमा प्रीमियम का भार कम होगा और बीमा कवरेज का दायरा बढ़ेगा। सरकार का मानना है कि प्रीमियम सब्सिडी मिलने से अधिक किसान योजना से जुड़ेंगे और प्राकृतिक आपदाओं के समय उन्हें समय पर राहत मिल सकेगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सुचारु संचालन के लिए प्रशासनिक और तकनीकी मदों में भी खर्च का प्रावधान किया गया है। इसके तहत यात्रा व्यय के लिए 32 लाख, कार्यालय व्यय 40 लाख, फॉर्म व सामग्री की छपाई पर 40 लाख, फर्नीचर एवं उपकरणों पर 32 लाख, वाहनों के अनुरक्षण एवं पेट्रोल पर 40 लाख, प्रशिक्षण व्यय पर आठ लाख और कंप्यूटर हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर समेत उनके अनुरक्षण पर 40-40 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इससे जिला और राज्य स्तर पर योजना के क्रियान्वयन, निगरानी और प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

8.5 साल में 5679 करोड़ की क्षतिपूर्ति

आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2016–17 से लेकर 2024–25 तक प्रदेश के 73.79 लाख किसानों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाया गया है। इन वर्षों में कुल 5679.26 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के अनुसार, चालू वर्ष 2025–26 के खरीफ सीजन में भी अब तक 2.70 लाख किसानों को 215.40 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। 31 दिसंबर आवेदन की अंतिम तिथि तय थी।

कड़े वित्तीय अनुशासन के निर्देश

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित मदों में ही किया जाएगा। राशि का आहरण आवश्यकता के अनुसार चरणबद्ध होगा, एकमुश्त निकासी की अनुमति नहीं होगी। किसी भी स्थिति में अनधिकृत या अतिरिक्त व्यय नहीं किया जाएगा। योजना के अंतर्गत व्यय की शुद्धता और जवाबदेही कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश की होगी।

योगी ने सीटी बजाकर गुरु गोरखनाथ को किया प्रणाम

बाबा का खप्पर भरने श्रद्धा की अंजुरी में खिचड़ी लेकर नेपाल-बिहार से लेकर देशभर से पहुंचे लाखों श्रद्धालु

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर आस्था, परंपरा और लोकमंगल की विराट चेतना का साक्षी बना। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में गर्भगृह में भूमि पर बैठकर, सीटी बजाकर गुरु गोरखनाथ को प्रणाम किया। विधिविधान से श्रीनाथ जी का पूजन कर गोरक्षपीठ की ओर से खिचड़ी का भोग अर्पित किया। योगी द्वारा भोग अर्पण के बाद मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। बाबा का खप्पर भरने श्रद्धा की अंजुरी में खिचड़ी लेकर लाखों श्रद्धालु उमड़े। पूरे दिन कतारें लगी रही।

गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा के समक्ष खिचड़ी का भोग अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी।

सीटी बजाकर गुरु गोरखनाथ को प्रणाम करते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ को नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार पहले आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। इसके बाद उन्होंने मंदिर में विराजमान अन्य देव विग्रहों का पूजन किया तथा योगिराज बाबा गंभीरनाथ, दादागुरु महंत दिग्विजयनाथ, गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ और अन्य नाथ योगियों की प्रतिमाओं के समक्ष शीश नवाकर भोग अर्पित किया।

योगी द्वारा भोग अर्पण के बाद मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इसके साथ ही बाबा का खप्पर भरने की त्रेतायुगीन परंपरा का अनुपालन करते हुए श्रद्धालु श्रद्धा की अंजुरी में खिचड़ी लेकर नतमस्तक होते रहे। उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों और पड़ोसी देश नेपाल से आए लाखों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर महायोगी गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाई। नेपाल राजपरिवार की ओर से भेजी गई खिचड़ी भी श्रद्धापूर्वक अर्पित की गई। मकर संक्रांति पर मंदिर परिसर में खिचड़ी सहभोज का आयोजन हुआ, जहां जाति, वर्ग और हैसियत का भेद मिटाकर सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

पूरे दिन नहीं टूटी कतारें जयकारों से गूंजा परिसर

खिचड़ी चढ़ाने का सिलसिला पूरे दिन अहर्निश चलता रहा। भोर तीन बजे ही मंदिर परिसर से बाहर तक लंबी कतारें लग गई थीं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर मंदिर एवं जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं पूरे दिन व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे।

योगी ने पूछा क्या चाहिए मासूम बोला 'चिप्स'

गोरखनाथ मंदिर से जुड़े एक वायरल वीडियो में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक नन्हे बच्चे को प्यार से बुलाकर पूछते हैं कि क्या चाहिए। वह योगी के कान में मासूमियत से कहता है, 'चिप्स'। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुस्कुरा उठते हैं। योगी तुरंत अधिकारियों से बच्चे के लिए चिप्स मंगवाने को कहते हैं।

भाजपा की बैठक में 2027 चुनाव के लक्ष्य तय

पार्टी की विचारधारा हर वर्ग तक पहुंचाने में विभागों-प्रकोष्ठों की निर्णायक भूमिका: पंकज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय पर गुरुवार को पार्टी के मोर्चों, प्रकोष्ठों और विभागों के अध्यक्षों, महामंत्रियों व संयोजकों की बैठक में पंचायत चुनाव से लेकर विधानसभा चुनाव-2027 के लक्ष्य तय किए गए।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि विभागों और प्रकोष्ठों में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका संगठन में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। संगठन में कोई भी दायित्व छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि हर जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। कार्यकर्ता अपने परिश्रम, समर्पण और संगठनात्मक कौशल के बल पर पार्टी और समाज में विशिष्ट पहचान बनाता है। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने में विभागों और प्रकोष्ठों की निर्णायक भूमिका होती है, जिससे संगठन निरंतर मजबूत होता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प के साथ देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं, प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून-व्यवस्था, सुशासन, बुनियादी ढांचे और गरीब कल्याण में नए मानक स्थापित हुए हैं।

पंकज चौधरी ने 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी पर जोर देते हुए कहा कि पार्टी को 2017 से भी बड़ी और ऐतिहासिक विजय के लक्ष्य के साथ अभी से जुटना होगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं है और भाजपा का जागरूक कार्यकर्ता झूठ व दुष्प्रचार का तथ्य और सच्चाई से जवाब देगा।

प्रदेश भाजपा मुख्यालय में मोर्चा और प्रकोष्ठों की बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, साथ में अन्य।

संगठन का संदेश जन-जन पहुंचाएं कार्यकर्ता : धर्मपाल

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता-आधारित और विचारधारा-प्रधान संगठन है। मोर्चा, विभाग और प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता पार्टी और समाज के बीच सेतु का कार्य करते हैं। सरकार की योजनाओं और संगठन का संदेश जन-जन तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। इससे संगठन और समाज के बीच विश्वास और अधिक मजबूत होगा। बैठक का संचालन विभाग-प्रकोष्ठों के प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने किया।

5.51 करोड़ रुद्राक्ष से बना दिव्य शिवलिंग रहा आकर्षण का केंद्र

प्रयागराज माघ मेला: मौनी महाराज के शिविर में महाअनुष्ठान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

अमृत विचार: माघ मेला 2026 में संगम तट पर मौनी महाराज के शिविर में स्थापित भव्य आध्यात्मिक परिसर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है। यहां 5 करोड़ 51 लाख रुद्राक्षों से निर्मित 11 फीट ऊंचा भव्य शिवलिंग आकर्षण का केंद्र है, जिसे देखने और पूजन के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

इस महाअनुष्ठान के अंतर्गत काशी और मथुरा में प्रस्तावित भव्य मंदिर निर्माण की कामना के साथ 12 करोड़ 51 लाख पंचाक्षर मंत्रों तथा ऋग्वेद के मंत्रों का जाप किया जाएगा। साधना और प्रकाश के इस महायज्ञ में प्रतिदिन 33 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जा रहे हैं, जबकि पूरे आयोजन में 11.25 लाख दीपों के प्रज्ज्वलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही प्रतिदिन 151 थालों से महाआरती आयोजित हो रही है।

वहीं 'मंकी मैन' नाम से चर्चित दो युवक थार गाड़ी पर चढ़कर माघ मेले में पहुंचे, जिसे देखकर संगम क्षेत्र में मौजूद श्रद्धालु ठिठक गए। देखते ही देखते 'मंकी मैन' की यह एंट्री चर्चा का विषय बन गई और लोग मोबाइल कैमरों में इस दृश्य को कैद करने लगे।

प्रयागराज में मकर संक्रांति पर पूजन-अर्चन के साथ संगम स्नान करते साधु-संत।

कठिन दंडवत परिक्रमा से भक्ति की पराकाष्ठा

मकर संक्रांति के पावन पर्व पर अमेठी के सगरा पीठाधीश्वर स्वामी अभय चैतन्य ब्रह्मचारी 'मौनी महाराज' ने अपनी साधना की चरम अवस्था का प्रदर्शन किया। अमेठी के सगरा पीठाधीश्वर मौनी महाराज ने अपने शिविर से संगम घाट तक करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी दंडवत परिक्रमा करते हुए तय की। यह उनकी 1664वीं चक्रवर्ती परिक्रमा बताई जा रही है। परिक्रमा के पश्चात उन्होंने संगम में स्नान किया और जल में खड़े होकर शिवलिंग का अभिषेक किया। स्नान और अभिषेक के बाद मौनी महाराज ने राष्ट्र रक्षा, विश्व शांति और लोक कल्याण की कामना के साथ हवन और आरती संपन्न कराई। इस अद्भुत दृश्य को देखने के लिए संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही।

फार्मर रजिस्ट्री अभियान में बस्ती गाजियाबाद और रामपुर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीतापुर, प्रतापगढ़, बिजनौर जौनपुर जिले टॉप-10 में शामिल

अमृत विचार: फार्मर रजिस्ट्री में बस्ती जिला प्रदेश में पहले स्थान पर है, जहां 81.49 प्रतिशत किसानों का पंजीकरण पूरा हो गया है। इसके बाद गाजियाबाद (80.34%) और रामपुर (80.32%) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। इन तीनों जिलों में 80 प्रतिशत से अधिक रजिस्ट्रेशन पूरा होना प्रशासनिक सक्रियता और निगरानी का परिणाम माना जा रहा है। प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री (किसान पंजीकरण) को लेकर चल रहा अभियान निर्णायक चरण में पहुंच गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेशभर में पंजीकरण की रफ्तार तेज कर दी गई है। राज्य में कुल 2,88,70,495 किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके सापेक्ष अब तक 60 प्रतिशत से अधिक (1,75,30,760 किसान) की फार्मर रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है।

ये जिले भी टॉप-10 में शामिल : फार्मर रजिस्ट्री में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य जिलों में सीतापुर (79.73%), फिरोजाबाद (79.59%), प्रतापगढ़ (75.65%), बिजनौर (74.98%), जौनपुर (72.84%), पीलीभीत (72.04%) और औरैया (71.45%) शामिल हैं। इन जिलों में भी अभियान को और तेज कर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

पीएम किसान सत्यापन अभियान को भी बड़ी सफलता : इसी क्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत चलाए गए विशेष सत्यापन अभियान को भी उत्तर प्रदेश में उल्लेखनीय सफलता मिली है। अब तक प्रदेश में 2,48,30,499 पीएम किसान लाभार्थियों का सत्यापन किया जा चुका है। अम्बेडकर नगर, प्रतापगढ़, फर्रुखाबाद, बागपत, महराजगंज, मिर्जापुर, हरदोई, अयोध्या, बलिया, भदोही और सिद्धार्थनगर सहित कई जिलों को जिला स्तरीय वेरिफिकेशन सर्टिफिकेट प्रदान किए गए हैं।

90 दिनों में शत प्रतिशत का लक्ष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आगामी 90 दिनों में प्रदेशभर में शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभार्थियों की फार्मर आईडी 15 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से बनाई जाए। इसके लिए जिलाधिकारियों को प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करने और आवश्यक कार्ययोजना बनाकर अभियान को गति देने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने दोहराया है कि शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रत्येक किसान का फार्मर आईडी होना अनिवार्य है।

बसपा सरकार ने घोषणाओं को जमीन पर उतारा था

बसपा प्रमुख मायावती ने अपने जन्मदिन पर प्रेस कांफ्रेंस कर गिनाईं उपलब्धियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को अपना जन्मदिन पूरे देश में 'जनकल्याणकारी दिवस' के रूप में मनाए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बीएसपी की चार बार की सरकार ने उत्तर प्रदेश में केवल घोषणाएं नहीं कीं, बल्कि जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतारकर दिखाया, जिससे सर्वसमाज खासकर दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और गरीब वर्ग की स्थिति में वास्तविक सुधार हुआ।

माल एवन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉफ्रेंस को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि बीएसपी सरकार द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं की नकल आज केंद्र व राज्य सरकारें नाम और स्वरूप बदलकर कर रही हैं, लेकिन नीयत सही न होने के कारण आमजन को पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।

बसपा प्रमुख मायावती को उनके जन्मदिन पर पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई देते पार्टी नेता आकाश आनंद, साथ में सतीशचंद्र मिश्रा।

मायावती दीर्घायु हों : योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बसपा प्रमुख मायावती को जन्मदिन का बधाई दी और उनकी लंबी आयु की कामना की। सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को उन्होंने लिखा कि बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उप्र. की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को जन्मदिन की हार्दिक बधाई, प्रभु श्री राम से आपके लिए दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना है।

प्रेस कांफ्रेंस में धुआं गंभीर मामला : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बसपा सुप्रीमो मायावती को उनके 70 वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से जारी अपने संदेश में उनके स्वस्थ, स्वतंत्र और सक्रिय जीवन की कामना की। सपा प्रमुख ने मायावती की जन्मदिन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुए धुएं के घटनाक्रम को गंभीर मामला बताया है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण की हर पहलू से जांच कराने की मांग की है। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में अचानक धुएं की घटना होना चिंताजनक है और इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

फैसला | टैगिंग को लेकर सरकार ने लगाया प्रतिबंध, यूरिया पर अनुदान पाने वाली कंपनियों को आदेश जारी

यूरिया कंपनी अब नहीं बेच पाएंगी अन्य उर्वरक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में अनुदान पाकर यूरिया बेचने वाली कंपनियां अन्य गैर अनुदानित उर्वरकों की बिक्री नहीं करेंगी। सरकार ने यूरिया के साथ जबरन टैगिंग को लेकर विक्रय प्राधिकार-पत्र में अंकित अन्य गैर अनुदानित उर्वरकों की बिक्री और आपूर्ति पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है। कृषि निदेशालय ने सभी जिलों को यह आदेश जारी कर दिया है।

दरअसल, विक्रय प्राधिकार-पत्र में अनुमति के अनुसार नामित कंपनियां यूरिया व डीएपी का उत्पादन और उनकी बिक्री करती हैं। ये किसानों को अनुदान काटकर उर्वरक बेचती हैं और अनुदान की राशि सीधे सरकार से लेती हैं। इसके अलावा कंपनियां विक्रय प्राधिकार-पत्र के अनुमति में अंकित अन्य गैर अनुदानित उर्वरक जैसे जिंक, सल्फर, सिंगल सुपरफॉस्फेट, पोटाश आदि का उत्पादन करती हैं और इन्हें अनुदानित यूरिया व डीएपी के साथ किसानों को टैगिंग यानी जबरन बेचकर मुनाफा कमाती हैं। इससे किसानों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। सबसे ज्यादा टैगिंग यूरिया में की जाती है। हर जिले में तमाम शिकायतें मिलने पर छापेमारी के दौरान टैगिंग के मामले पकड़े गए हैं। इधर, रबी फसल में यूरिया की मांग पर टैगिंग की शिकायतें बढ़ी हैं। इसका संज्ञान लेकर सरकार ने अनुदान पर यूरिया उपलब्ध कराने वाली कंपनियों के अन्य गैर अनुदानित उर्वरकों की बिक्री और आपूर्ति पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। चर्चा यह भी है कि इसी तरह डीएपी बेचने वाली कंपनियों की अन्य उर्वरक और उत्पाद की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित कर दी जाएगी। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया कि जिले में संबंधित अधिकारी और फर्मों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

स्टॉल पर कंपनियां बेचेंगी जायद के बीज

अमृत विचार, लखनऊ : जायद फसल की तैयारी कृषि विभाग ने अभी से शुरू कर दी है। खेती को बढ़ावा देने के लिए कंपनियां प्रतिभाग करेंगी, जो स्टॉल लगाकर किसानों को राष्ट्रीय बीज निगम के दरों पर बीज बचेंगी। कृषि विभाग त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम एवं संकर बीजों के उपयोग को बढ़ावा देने की योजना के अंतर्गत स्टॉल लगवाकर किसानों को बिक्री करेगा। इसके लिए कंपनियां नामित की जाएंगी, जो संकर मक्का एवं बाजरा के बीजों का प्रदर्शन कर बिक्री करेंगी। संकर मक्का एचटी-17169 संसूचित विक्रय दर 46 हजार रुपये क्विंटल और संकर बाजरा एचटी-4252 संसूचित विक्रय दर 53100 रुपये निर्धारित है। कंपनियों का चयन टेंडर के माध्यम से किया जाएगा। कृषि निदेशालय ने सभी जिलों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, लखनऊ के दो गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आजमगढ़ जिले की साइबर थाने की पुलिस टीम ने किया खुलासा

अमृत विचार: आजमगढ़ के साइबर थाने की टीम ने अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का खुलासा किया है। टीम ने टेलीग्राम के जरिए चीनी साइबर अपराधियों के लिए काम कर रहे दो आरोपियों को लखनऊ से बुधवार रात को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 6.32 लाख रुपये नकद, 11 मोबाइल फोन, 12 एटीएम कार्ड, चेकबुक, कैश काउंटिंग मशीन, एक विदेशी सिम कार्ड और एक स्कॉर्पियो वाहन बरामद किया गया है। इससे पहले इसी गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में लखनऊ के जानकीपुरम का अभिषेक गुप्ता और इंदिरानगर संजय गांधीपुरम का शाश्वत अवस्थी निवासी इंदिरा नगर, लखनऊ शामिल है।

18 सितंबर 2025 को थाना रौनापार क्षेत्र निवासी भूपेन्द्रनाथ यादव ने साइबर थाना आजमगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पुत्र को टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से वूकॉमर्स नामक कंपनी के लिए ऑनलाइन काम का झांसा दिया गया। अधिक मुनाफे का लालच देकर विभिन्न बैंक खातों में 12.64 लाख रुपये जमा कराए गए और साइबर ठगी की गई। शिकायत पर साइबर थाना में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना में सामने आया कि अभियुक्त टेलीग्राम आईडी के जरिए चीनी साइबर अपराधियों के संपर्क में रहते थे। ठगी की रकम भारतीय बैंक खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी, जिसे बाद में एटीएम और चेक के जरिए नकद निकालकर यूएसडीटी क्रिप्टो करेंसी में बदलकर चीनी हैंडलरों को भेज दिया जाता था।

न्यूज ब्रीफ

सपा सरकार बनने पर महिलाओं को हर साल मिलेंगे 40 हजार रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही बुलडोजर का पता नहीं चलेगा। यूपी की जनता भाजपा को डिटेंशन सेंटर में भेज देगी। 2027 में सपा सरकार बनने पर किसानों, नौजवानों, गरीबों, महिलाओं के हित में काम होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार कर विकास होगा। गरीबों का मुफ्त इलाज होगा। महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिया जायेगा। सपा जो वादा करती है, उसे पूरा करती है। सपा प्रमुख पार्टी मुख्यालय पर गुरुवार को विभिन्न जिलों से आये नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा जब कमजोर होती है तो और सांप्रदायिक हो जाती है। भाजपा नेता 'आरोप जीवी' हैं। इन लोगों का काम सिर्फ सपा पर आरोप लगाना है। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार में महिलाओं को पेंशन दी गई थी। छात्राओं को कन्या विद्या धन दिया गया था। बहन बेटियों की सुरक्षा के लिए 1090 वूमेन पावर लाइन शुरू की गई थी। 102 और 108 एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई थी।

सघन टीबी रोगी खोज अभियान फरवरी से

अमृत विचार, लखनऊ : फरवरी से प्रदेशभर में 100 दिवसीय विशेष सघन टीबी रोगी खोज अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए सांसदों से लेकर पार्षदों तक को जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य महानिदेशक ने इस संबंध में सभी अपर निदेशकों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। स्वास्थ्य सचिव डॉ. पिंकी जोवल ने गुरुवार को बताया कि प्रदेश में सघन टीबी खोज अभियान वर्ष 2024 से चलाया जा रहा है, वर्ष 2015 की तुलना में प्रति एक लाख आबादी पर टीबी मरीजों की संख्या में 17 प्रतिशत और टीबी से होने वाली मृत्यु दर में भी 17 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसी सफलता को आगे बढ़ाने के लिए फरवरी से नया विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. आरपी सिंह सुमन ने कहा कि सभी सीएमओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे आगामी दो माह में सांसदों के साथ जिला स्तरीय समीक्षा बैठकें करें और उन्हें नि:क्षय शिविरों सहित जनजागरूकता कार्यक्रमों में शामिल करें।

नई नीति में डिस्टिलरी प्लांट को बढ़ावा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई गति देने और राजस्व संसाधनों को मजबूत करने की दिशा में प्रदेश सरकार एक और अहम कदम उठाने जा रही है। आबकारी विभाग द्वारा नई आबकारी नीति 2026-27 को लेकर व्यापक मंथन किया जा रहा है। प्रस्तावित नीति के तहत प्रदेश में डिस्टिलरी प्लांट्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ स्पिरिट, अल्कोहल एवं इससे जुड़े उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने की तैयारी की जा रही है। प्रदेश सरकार ने पहले ही आबकारी विभाग को राजस्व बढ़ाने और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के निर्देश दिए थे। इन्हीं निर्देशों के अनुपालन में नई नीति का प्रारूप तैयार किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि मजबूत आबकारी नीति से जहां एक ओर राजस्व में वृद्धि होगी, वहीं दूसरी ओर औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन को भी बल मिलेगा। नई आबकारी नीति में लाइसेंस प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

डंपर की टक्कर से दो छात्रों की मौत

हरदोई, एजेंसी : जिले के शहर कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार को तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से ई-रिक्शा में सवार दो छात्रों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के सधई बेहटा के पास तेज रफ्तार डंपर की जोरदार टक्कर से ई-रिक्शा सवार तीन छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। उसने बताया कि उन्हें हरदोई मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने हर्ष शर्मा (20) और अरशद (21) को मृत घोषित कर दिया।

40 लाख की चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

फिरोजाबाद, एजेंसी : जिले में रसूलपुर पुलिस और एएनटीएफ आगरा ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए दो अंतर्राष्ट्रीय गिरोह के चरस तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच किलो 753 ग्राम चरस बरामद की। बरामद मादक पदार्थ की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 40 लाख रुपये आंकी गयी है।

जालौन में नहर में बहती मिलीं दवाएं, जांच शुरू

जालौन, एजेंसी : जालौन जिले के कदौरा कस्बे में गुरुवार को एक नहर में भारी मात्रा में दवाएं बहती पाई गईं जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी देवेंद्र भिटौरिया ने बताया कि गुरुवार को कदौरा थाना क्षेत्र के कदौरा कस्बे में एक छोटी नहर में बड़ी मात्रा में दवाएं बहती हुई मिलीं। इसे देखकर ग्रामीणों ने फोन पर सूचना दी। उन्होंने बताया कि सूचना पाकर तत्काल एक टीम गठित कर मौके पर भेजी गई, जिसने वहां से दवाएं एकत्र कीं। दवाओं के लेबल पर दर्ज बैच नंबर के आधार पर यह पता लगाया जा रहा है कि ये दवाएं किस स्वास्थ्य केंद्र को आवंटित की गई थीं।

तेंदुआ के मुंह में पानी की बोतल ठूंसकर बचाई जान

खेत की रखवाली कर रहा किसान तेंदुआ के हमले में घायल

संवाददाता, मझगईं (खीरी)

अमृत विचार: खेत की रखवाली कर रहे एक किसान पर गुरुवार सुबह तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। संकट की घड़ी में किसान ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय दिया और तेंदुए के मुंह में पानी की बोतल ठूंस दी, जिससे तेंदुआ पीछे हट गया। इससे किसान की जान बच सकी। हालांकि पंजे लगने से किसान घायल हो गया। उसे उपचार के लिए निघासन सीएचसी भेजा गया है।

मझगईं वन रेंज के गांव बौधिया कलां निवासी गांव निवासी अशोक जायसवाल अपने खेत में मचान बनाकर फसल की रखवाली करता है। गुरुवार सुबह वह मचान से उतरकर शौच के लिए जा रहे थे।

घायल किसान अशोक जायसवाल।

तभी घात लगाए बैठे तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। हमले में अशोक जायसवाल घायल हो गए। उस समय उनके हाथ में पानी की बोतल थी, जिसे उन्होंने आत्मरक्षा में तेंदुए के मुंह में घुसेड़ दिया। इससे तेंदुआ घबरा गया और पीछे हट गया।

अशोक के चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी जिलेदार और ताज सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की बढ़ती भीड़ को देखकर तेंदुआ खेतों की ओर भाग निकला। घटना के बाद दहशत व्याप्त हो गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण व परिजन मौके पर पहुंच गए। परिजन घायल अशोक जायसवाल को निघासन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी। मझगईं वन क्षेत्र में तेंदुआ की लगातार खेतों से लेकर गांवों तक चहलकदमी बनी हुई है। नौ जनवरी को पिरथीपुरवा और बम्हनपुर के बीच बम्हनपुर निवासी किसान शोभित अवस्थी अपने खेत की रखवाली कर रहे थे। तभी तेंदुआ सामने आ गया था। उसी दिन दोपहर करीब दो बजे तेंदुआ पिरथीपुरवा-बुद्धापुरवा के बीच गन्ने के खेत में घुसते देखा गया।

किसान को खींच ले गया तेंदुआ

अमरोहा, अमृत विचार : शौच के लिए खेत पर गए किसान को तेंदुए ने दबोच लिया । तेंदुआ किसान को मुंह में दबाकर खींचता हुआ गन्ने के खेत में ले गया। पुलिस और वनकर्मियों ने ढूंढा तो किसान का अधखाया शव गन्ने के खेत में पड़ा मिला। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल की और वन विभाग को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

यह मामला थाना नौगांवा सादात क्षेत्र के गांव अलीपुरा कला का है। दरअसल गांव में 48 वर्षीय किसान कैलाश का परिवार रहता है। बुधवार की रात को कैलाश शौच के लिए गांव के ही पास गन्ने खेत में गया। इस दौरान तेंदुआ ने अचानक हमला कर दिया। तेंदुआ किसान को मुंह में दबाकर घसीटते हुए पास के गन्ने के खेत में ले गया।

ग्रामीणों ने शोर मचाया, लेकिन तब तक तेंदुआ गन्ने के घने खेत में ओझल हो चुका था। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और खोजा तो किसान का शव मिला।

नागा साधु

श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के नागा साधु गुरुवार को संगम में माघ मेला उत्सव के दौरान पूजा करने और गंगा नदी में पवित्र डुबकी लगाने के लिए जाते हुए। ● एजेंसी

करंट से झुलसा मजदूर

शाहबाद, अमृत विचार : सैफनी थाना क्षेत्र के गांव चौकोनी में टावर की लाइन पर काम करते समय एक मजदूर अचानक बिजली की चपेट में आ गया। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

आग में जिंदा जलकर दो महिलाओं की गई जान

- संभल और मुरादाबाद में हुईं आग लगने की घटनाएं
- झोपड़ी में वृद्धा जली, हीटर से लगी आग में महिला की मौत

संवाददाता, संभल/ मुरादाबाद

अमृत विचार : संभल और मुरादाबाद में आग से दो महिलाओं की जिंदा जलकर मौत हो गई। संभल में संदिग्ध परिस्थितियों में झोपड़ी में आग लगने से वृद्धा की मौत हो गई। वहीं] मुरादाबाद में हीटर से लगी आग में मशहूर शायर मंसूर उस्मानी की बेटी की जान चली गई।

धनारी थाना क्षेत्र के खलीलपुर गांव में राममूर्ति (70) पत्नी स्वर्गीय रामलाल अपने घेर में बनी झोपड़ी में अकेली सो रही थी। बृहस्पतिवार की शाम अचानक झोपड़ी से लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। वृद्धा को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और झुलसकर मौत हो गई। क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने मौका मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम ने आग लगने के कारणों की जांच के लिए मौके से साक्ष्य एकत्र किए। वहीं मुरादाबाद के बारादरी क्षेत्र की हम्माम वाली गली में घर के ऊपर वाले कमरे में बुधवार की रात मशहूर शायर मंसूर उस्मानी की बेटी 40 वर्षीय हुमा उस्मानी हीटर जलाकर सो रही थी। रात करीब तीन बजे हीटर में शॉर्ट सर्किट से कमरे में आग लग गई। कमरा अंदर से बंद था। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी ज्ञान प्रकाश शर्मा दो फायर टैंकर लेकर पहुंचे और एक घंटे की कोशिश के बाद आग को बुझाया जा सक। तब तक हुमा उस्मानी की जलकर मौत हो गई। सीओ सिटी सुनीता दहिया और कोतवाली प्रभारी राजेश सिंह ने मौका मुआयना किया।

महिला से दुष्कर्म कर वीडियो डालने वाला युवक गिरफ्तार

बलिया, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के बैरिया क्षेत्र में पुलिस ने एक महिला को झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर उससे दुष्कर्म करने और उसका अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने के आरोप में उसके देवर को गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के दोकटी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 29 वर्षीय महिला बैरिया थाना क्षेत्र के एक कस्बे में किराये के मकान में रहती है।

महिला के रिश्ते के देवर मनोज यादव (40) ने पिछले साल फरवरी माह में उसके किराये के मकान में आकर फांसी का फंदा लगाकर महिला के परिवार को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी और उसका भयादोहन करके उससे कई बार दुष्कर्म किया। मनोज ने इसका वीडियो भी बना लिया।

इंडियन ऑयल के अधिकारी की कार पर फायरिंग

संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित गंगापुर आवास विकास कॉलोनी में बुधवार रात करीब 11 बजे इंडियन ऑयल कंपनी के फील्ड ऑफिसर अनिल कुमार कार पर अज्ञात हमलावरों ने आधी रात को छह राउंड फायरिंग कर दी। घटना के समय फील्ड ऑफिसर अनिल कुमार अपने घर में सो रहे थे और उनकी कार घर के सामने खड़ी थी। पीड़ित ने आरोपियों के बारे में पूरी तरह से अनभिज्ञता जताई है।

- रामपुर के सिविल लाइंस क्षेत्र में 6 राउंड गोलियां चलाईं

गुरुवार सुबह जब अनिल कुमार ऑफिस जाने के लिए बाहर निकले तो उन्होंने अपनी कार पर कई गोलियों के निशान देखे। कार के आसपास गोलियों के कई खाली खोखे भी पड़े थे। इसके बाद उन्होंने तत्काल सिविल लाइंस थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर संजीव कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। मूल रूप से अलीगढ़ निवासी अनिल कुमार पिछले पांच वर्षों से रामपुर में तैनात हैं और जिस आवास पर यह घटना हुई। वहां वह करीब तीन वर्षों से रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि रात में उन्हें तेज आवाजें सुनाई दी थीं, लेकिन उन्हें लगा कि किसी ने पटाखे फोड़े होंगे, इसलिए उन्होंने उस पर ध्यान नहीं दिया। किसने फायरिंग की और क्यों की इसके बारे में वह नहीं जानते हैं।

विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपयों की ठगी

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार : विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से डेढ़ लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। नगर के मोहल्ला निजामगंज निवासी शोएब ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसके एक रिश्तेदार ने उसे विश्वास में लेकर विदेश भेजने का लालच दिया। आरोपी ने दावा किया कि उसकी दिल्ली में अच्छी पहचान है और वह उसे रूस भेजकर अच्छी नौकरी लगवा देगा। इसी भरोसे में लेकर वीजा व अन्य कागजी कार्यवाही के नाम पर दो बार में डेढ़ लाख रुपये ले लिए। पीड़ित के अनुसार, आरोपी रिश्तेदार ने दो बार मेडिकल चेकअप भी कराया और बीती 23 नवंबर 2025 को

- युवक ने पुलिस को तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग

व्हाट्सएप के माध्यम से रूस की राजधानी मास्को जाने का एयर टिकट भी भेजा।आरोपी पीड़ित को अपने साथ दिल्ली ले गया जहां उसे यह कहकर गुमराह किया गया कि जिस एजेंट के माध्यम से काम कराया जा रहा था वह फरार हो गया है। इसके बाद रिश्तेदार युवक ने पीड़ित को दिल्ली से तिलहर वापस ले आया।

जब पीड़ित ने अपने रुपए वापस मांगे तो आरोपी टालमटोल करता रहा और बाद में साफ तौर पर रुपये लौटाने से इंकार कर दिया।

पीड़ित का आरोप है कि आरोपी रिश्तेदार उसे लगातार फोन कर धमकी दे रहा है। कोतवाल जुगल किशोर पाल बताया कि घटना मेरे संज्ञान में नहीं है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

खाद उतारते युवक की करंट से मौत

कार्यालय संवाददाता,संभल/ बहजोई

अमृत विचार: बहजोई के गांव में खाद के बोरे उतारते समय बिजली का करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

मृतक हरिओम।

बहजोई क्षेत्र के गांव बिसारु में हरिओम (25) पुत्र मदनलाल गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे ई-रिक्शा से खाद के बोरे उतार रहा था। इसी दौरान पास लगे बिजली के खंभे से नीचे लटक रहे तार से उसका हाथ छू गया। तार में कई जगह कट लगे होने के कारण उसमें करंट उतर रहा था। करंट लगते ही हरिओम झुलसकर जमीन पर गिर पड़ा। ग्रामीणों की

गांव बिसारु में युवक की मौत के बाद मौके पर इकट्ठा लोग। ● अमृत विचार

- ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

सूचना पर परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पुलिस भी गांव पहुंची और पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पिता मदनलाल ने बताया कि बिजली के तार काफी समय से नीचे लटक रहे थे और कई बार शिकायत के बावजूद उन्हें ठीक नहीं कराया गया। उन्होंने बिजली विभाग की लापरवाही बताते हुए थाना पुलिस को तहरीर दी है। मदनलाल ने बताया कि हरिओम की शादी तीन साल पहले बाजपुर के गांव हल्लापुर निवासी प्रवेश से हुई थी।

मृतक अपने पीछे दो छोटे बेटे प्रियांशु (ढाई वर्ष) और मनीष (छह माह) को छोड़ गया है। थाना प्रभारी संत कुमार ने बताया कि करंट लगने से युवक की मौत हुई है। शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रामनगर में युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : रामनगर में बुधवार शाम से लापता एक युवक का गुरुवार सुबह खून से लथपथ हालत में शव मिलने से सनसनी फैल गई। दिल दहलाने वाली इस घटना में युवक की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, समीर उर्फ लक्की (18) पुत्र छिद्दन निवासी आदर्श नगर कॉलोनी, रामनगर बुधवार शाम करीब सात बजे घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा था। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, मगर कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार सुबह रामनगर के मोहल्ला गूलरघट्टी के पास भगवान दास की चक्की के पीछे, सिंचाई नहर के किनारे एक युवक का खून से

- बुधवार से था लापता, गूलरघट्टी क्षेत्र में सनसनीखेज वारदात

लथपथ शव पड़े होने की सूचना स्थानीय लोगों ने कोतवाली पुलिस को दी। रामनगर कोतवाल सुशील कुमार मौके पर पहुंचे। शव की शिनाख्त लापता समीर के रूप में की गई। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक समीर के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। समीर के बड़े भाई इमरान ने आरोप लगाया कि उसके भाई की अज्ञात लोगों ने बेरहमी से हत्या की है। दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि, युवक के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। फॉरेंसिक टीम ने मौके से कई साक्ष्य एकत्रित किए हैं। प्रारंभिक जांच में यह आपसी विवाद का मामला माना जा रहा है।

16 विशेष न्यायालयों में 144 पद सृजित

देहरादून, अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में गुरुवार को राज्य सचिवालय में आयोजित हुई कैबिनेट की बैठक में किसान, कर्मचारी, न्याय, पर्यटन, पर्यावरण और संस्कृति से जुड़े कई जनहितकारी निर्णय लिए गए।

मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर कहा कि, निश्चित तौर पर यह निर्णय प्रदेश के समग्र विकास और सुशासन को और मजबूत करेंगे। बैठक में 19 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें अहम निर्णयों में राज्य में 16 विशेष न्यायालयों में 144 पद सृजित होंगे तो उपनल में समान कार्य के लिए समान वेतन को भी स्वीकृति दी है।

वहीं, उत्तराखंड पर्यटन, यात्रा व्यवसाय, होम स्टे एवं बेड-एंड ब्रेकफास्ट पंजीकरण नियमावली-2026 का प्रख्यापन करने का निर्णय हुआ है, जिसके तहत अब होम स्टे योजना का लाभ राज्य के स्थायी निवासी ही ले सकेंगे।

दुविधा

वैज्ञानिकों का हौसला और दृढ़ इच्छाशक्ति पर निर्भर होगा जीवन

आसान नहीं मंगल पर जीवन बसाने की राह

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मंगल ही एकमात्र हमारा नजदीकी ग्रह है, जहां खगोल वैज्ञानिक जीवन बसाने का सपना संजोए हुए हैं मगर इस वीरान भूमि में जीवन की राह आसान नहीं है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह ऐसी चुनौती है जो वैज्ञानिकों के बुलंद हौसले और दृश्य इच्छाशक्ति पर निर्भर करता है।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार, मंगल ग्रह का वातावरण अत्यंत कठोर है। वहां जीवन सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक बेहद जरूरी है। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगल

नासा द्वारा जारी मंगल ग्रह की तस्वीर।

पर वातावरण पृथ्वी की तुलना में सौ गुना पतला है, जो सांस लेने के लायक नहीं है। कम दबाव के कारण खून गर्म होने लगेगा और कुछ ही मिनटों में दम घुट जाएगा। घातक विकिरण (रेडिएशन) एक बड़ी बाधा है। इसका पतला वातावरण कॉस्मिक किरणों और सौर विकिरण से बहुत कम सुरक्षा दे पाता है जिस कारण कैंसर और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। अत्यधिक ठंडा तापमान भी बड़ी समस्या है। शीतकाल में औसत तापमान लगभग माइनस 63 से 100 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है।

जहरीली धूल और बारीक तूफान, धूल में जहरीले रसायन होते हैं। धूल भरे तूफान महीनों तक चल सकते हैं, जो सूर्य की रोशनी तक रोक देते हैं। मंगल पर कम गुरुत्वाकर्षण भी एक बड़ा कारण है, जो जीवन की राह मुश्किल बनाता है। मंगल पर गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी का केवल 38 प्रतिशत है। जिससे लंबे समय में हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर होना, दिल की समस्याएं और प्रजनन जैसी समस्या उत्पन्न करता है। इन परिस्थितियों में जीवन आसान नहीं है।

मंगल की परिस्थितियों को आसान बनाने में जुटा नासा

नैनीताल : वैज्ञानिक डॉ. पांडे कहते हैं कि मंगल की चुनौतियों से पार पाने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के वैज्ञानिक जुटे हुए हैं। इसके लिए नासा ने आर्टेमिस मिशन बनाया है। मिशन में मंगल ग्रह की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कई वर्षों से मिशन की तैयारियां चल रही हैं। आर्टेमिस पहला मानव मिशन होगा, जो मानव को मंगल की धरती पर पहुंचाएगा।

मांग : कुंभ से पहले हरिद्वार में गैर हिंदू प्रवेश निषेध हो

हरिद्वार, अमृत विचार: हरिद्वार में आगामी कुंभ मेले से पहले कुंभ क्षेत्र और हर की पौड़ी सहित गंगा घाटों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की मांग तेज हो गई है।

श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने इस संबंध में गुरुवार को कहा कि गैर हिंदू प्रवेश निषेध की मांग किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सनातन परंपरा, मां गंगा की धार्मिक अस्मिता और हर की पौड़ी की पवित्र व्यवस्था से जुड़ा विषय है। गौतम ने कहा कि कुंभ क्षेत्र, हर की पौड़ी और आसपास के घाटों में किसी भी गैर-हिंदू व्यक्ति का प्रवेश नहीं होना चाहिए, चाहे वह सरकारी विभाग का कर्मचारी हो, किसी संस्था से जुड़ा हो या मीडिया कर्मी ही क्यों न हो।

5 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई सरयू में डुबकी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: मकर संक्रांति पर्व पर सरयू में लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। मंदिरों में दर्शन पूजन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं के लिए नागरिक सुविधाओं के साथ प्रशासनिक और पुलिस की तैनाती की गई थी।

धार्मिक मान्यता है कि मकर संक्रांति पर सरयू में स्नान, दान और पूजन से सभी पापों का क्षय होजा ता है। भगवान सूर्य की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इसी आस्था के साथ श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ मकर स्नान के लिए अयोध्या पहुंची थी। भगवान सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ उत्तरायण होने के इस महत्वपूर्ण पर्व पर अयोध्या आस्था और श्रद्धा का अदुभुत संगम दिखा। अनुमान के मुताबिक लगभग पांच

मकर संक्रांति पर्व पर सरयू में आस्था की डुबकी लगाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू में स्नान किया।

श्रध्दालुओं की भीड़ अल सुबह से ही अयोध्या में जय सियाराम और जै श्रीराम के साथ हर-हर महादेव के जयकारे के साथ सड़क पर दिखने लगी थी। ब्रह्म मुहूर्त से सरयू के घाटों पर भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। अयोध्या के साथ आसपास के जिलों अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, गोंडा, बस्ती के साथ देश और प्रदेश के बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे थे। वह भोर का इंतजार कर रहे थे। चार बजने के साथ ही स्नान का सिलसिला शुरू हो गया। पछुवा हवा और कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। स्नान के बाद खिचड़ी दान के साथ श्रद्धालुओं ने खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया।

न्यूज ब्रीफ

घर में बंधी भैंस ले गए चोर, चार पर रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव से रात के समय घर में बंधी भैंस तथा उसका बच्चा चोरी करके ले गए। भैंस चोरी करके ले जाते समय किसी ने देख लिया। महिला ने चार लोगों के खिलाफ कैंट थाने में भैंस चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के गांव परगवां निवासी मीरा पत्नी इतवारी लाल ने बताया, कि 12 जनवरी को शाम करीब 7 बजे भैंस तथा 15 दिन का भैंस का बच्चा बांधा था। रात 3 बजे भैंस को चारा डालने के लिए जब महिला उठी, तो वहां भैंस तथा उसका बच्चा दोनों नहीं थे। महिला ने भैंस चोरी के मामले में अपने देवर महेंद्र का हाथ बताया है। महिला की तहरीर पर कैंट पुलिस ने चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कॉलेज गई छात्रा को ले गया युवक, रिपोर्ट दर्ज

हाफिजगंज, अमृत विचार : कॉलेज पढ़ने गई एक छात्रा को रास्ते से बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। छात्रा के पिता की तहरीर पर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर छात्रा को बरामद कर मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। थाना हाफिजगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पुत्री बीए की छात्रा है। सोमवार को वह अपनी सहेली के साथ कॉलेज पढ़ने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। तलाश करने पर जानकारी मिली कि फार्म हाउस पर काम करने वाला युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इसके बाद पिता ने मोनू निवासी विकन्नापुर थाना क्योलाडिया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना प्रभारी हाफिजगंज प्रवीन सोलंकी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने छात्रा को बरामद कर लिया है और उसे मेडिकल परीक्षण के लिए बरेली भेजा गया है।

अवैध तमंचा-कारतूस के साथ गिरफ्तार

शीशगढ़, अमृत विचार : थाना पुलिस ने रात्रि गस्त के दौरान फजलू पुत्र बादुल्ला निवासी जाफरपुर को अबैध 315 बोर का एक तमंचा व एक जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उपरोक्त के खिलाफ शीशगढ़ व शेरगढ़ थाने में आर्म्स एक्ट, गिरोह बन्द समाज विरोधी क्रिया कलाप व गौ वध अधिनियम के लगभग आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं।

प्रधान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, चार अफसरों को नोटिस

सीडीओ के निर्देश पर उप निदेशक मंडी, बीडीओ, पशु चिकित्सक और वीडीओ को कारण बताओ नोटिस, अब शुरू हुआ उपचार

संवाददाता, राजपुर कलां/अलीगंज

अमृत विचार : मझगवां ब्लाक में गौशाला में एक दर्जन से ज्यादा गोवंश की मौत की जानकारी के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है। घटना के दूसरे दिन सीडीओ केनिर्देश पर जिले में गोशाला के नोडल अधिकारी उप निदेशक मंडी, सहित चार लोगों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विडीयो ने प्रधान और प्रधान पति के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इस बीच गोशाला के संचालन की जिम्मेदारी नए संचालक को सौंपने की कार्यवाही शुरु कर दी गई है। प्रधान और प्रधान पति के गांव से लापता होने और गोशाला को लावारिस छोड़ने से रात में ही नए संचालक ने अनुरुद्धपुर पहुंचकर पहले गोशाला की सफाई कराई है। गदंगी इतनी ज्यादा थी कि दोपहर तक भी सफाई कार्य जारी था। एसडीएम विदुषी सिंह ने दूसरे दिन भी गोशाला पहुंचकर वहां की व्यवस्था का जायजा लिया है।

विकास खंड मझगवां क्षेत्र के अनुरुद्धपुर गांव स्थित गौशाला में भारी अनियमिताएं मिली हैं। गोशाला से जुड़े स्टॉक रजिस्टर गायब होने की चर्चा है। अभी तक गोशाला का संचालन कर रहे प्रधान बुधवार से लापता हैं

गोशाला में काफी दिनों बाद गोवंशो को मिला चारा। ● अमृत विचार

दूसरे दिन गोशाला पहुंचीं एसडीएम ने व्यवस्था का जायजा लिया। ● अमृत विचार

- **गोशाला संचालन के लिए नए संचालक रात में पहुंचे अनुरुद्धपुर गोशाला, गंदगी साफ कराई**
- **सिक वार्ड बनाकर पशु चिकित्सक कर रहे बीमार गोवंश का उपचार**

ऐसे में गोशाला संचालन श्री खाटू श्याम गौ सेवा समिति से कराने का सहयोग लिया गया है और उसे ही जिम्मेदारी सौंपने की बात कार्यवाही शुरु कर दी गई है।

गोशाला में बरती गई गंभीर लापरवाही और भ्रष्टाचार को लेकर ग्राम सचिव शिप्रा सिंह ने ग्राम प्रधान रचना देवी, प्रधान पति दिनेश कुमार व उनके सहयोगियों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में गायों की मृत्यु की संख्या चार बताई गई है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने 25 से 30 गायों के मरने की बात कही थी। गौशाला मे एक दर्जन से अधिक गायों की मृत्यु हो चुकी है, लेकिन उनका समुचित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। इससे आशंका जताई जा रही है कि सरकारी धन के दुरुपयोग और गौवंश संरक्षण में लापरवाही बरती गई है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मनमोहन पांडे ने बताया वह बुधवार की शाम गौशाला पहुंचे थे। यहां पर बजरंग दल कार्यकर्ता तथा ग्रामीणों के भारी हंगामा के कारण गौशाला के केयरटेकर और ग्राम प्रधान पति गौशाला से गायब हो गए। ऐसी हालत में उन्होंने इस गौशाला के संचालन में सहयोग के लिए श्री खाटू श्याम गौ सेवा समिति सहयोग लिया है।

समिति संचालक विनोद कुमार रात में ही अनुरुद्धपुर गोशाला पहुंचकर सफाई कार्य शुरू कर दिया जो सुबह तक चला। गौशाला में गदंगी इतनी ज्यादा थी कि उसे साफ करने में दोपहर तक समय लगा। अब इसी समिति को इस गौशाला के संचालन की जिम्मेदारी सौंपे जाने की प्रक्रिया चल रही है। सीवीओ ने बताया कि पशुओं को ठंड से बचाव के लिए गोवंश पर टाट तथा हवा रोकने को त्रिपाल लगाया गया है। बीमार पशुओं के लिए अलग से सिक वार्ड बनाया गया है। संचालक विनोद कुमार ने गायों के लिए हरा चारा का इंतजाम और चोकर का इंतजाम कर लिया है। संचालक ने बताया कि चार दिन में सारी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएगी। बीमार गायों के उपचार में पशु चिकित्सा अधिकारी संजय वर्मा जुटे हैं। चार गायों के रात में ड्रिप लगाई गई थी और शेष का इलाज चल रहा है।

ग्राम प्रधान संघ ब्लॉक अध्यक्ष रविंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि अनिरुद्धपुर गौशाला में हुई गायों की मृत्यु के मामले में प्रशासन ने ग्राम विकास अधिकारी के माध्यम से ग्राम प्रधान रचना देवी तथा उनके पति दिनेश कुमार तथा केयरटेकर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर एक तरफा कार्रवाई की है। इसका ग्राम प्रधान संघ विरोध करेगा और शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी से मिलेगा।

इन्हें मिले कारण बताओ नोटिस

सीडीओ के निर्देश पर जिले में गोशाला नोडल अधिकारी और उपनिदेशक मंडी डा. विश्वेन्द्र सिंह चौहान, बीडीओ सुनील वर्मा, पशु चिकित्साधिकारी डा. संजय वर्मा और विडीओ शिप्रा सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

मंत्री मना रहे जन्मदिन गोशाला में हो रही गोवंशों की मौत

गोशाला में गोवंशों की मौत के बाद सपा नेता भी अनुरुद्धपुर गौशाला पहुंचे उन्होंने गायों को गुड़ खिलाया और भाजपा सरकार पर तंज कसा। सपा नेता आशीष वर्मा ने कहा कि पशुधन मंत्री अपना जन्मदिन मना रहे हैं और गोशाला में गोवंशों की मौत हो रही है। कहा कि मंत्री के क्षेत्र की गोशाला का पूरा मामला राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने रखेंगे और इस मामले को सदन में मामले को उठाएंगे।

पूर्व मझगवा ब्लाक प्रमुख सपा नेता डॉ जीराज सिंह यादव ने गौशाला में देखरेख के अभाव में गोवंशों की हुई मृत्यु पर चिंता व्यक्त की। कहा कि भाजपा सरकार गलत नीति के कारण हमारी गाय माता तड़प तड़प कर मर रही है। गौशालायों में भी भी गोवंश सुरक्षित नहीं है।

रंजिश में मारपीट युवक का हाथ टूटा, रिपोर्ट दर्ज

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम सरदारनगर में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम सरदारनगर निवासी सचिन पुत्र रामदास ने थाना नवाबगंज में दी तहरीर में बताया कि 12 जनवरी 2026 की शाम करीब चार बजे वह अपने खेत पर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में गांव के ही मुनेन्द्र कुमार पुत्र हरिराम और पंकज पुत्र संतोष ने उसे बेवजह गालियां देनी शुरू कर दीं। विरोध करने पर दोनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

आरोप है कि मुनेन्द्र ने उसे पीछे से पकड़ लिया, जबकि पंकज ने मोटे डंडे से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान सचिन के सीधे हाथ में गंभीर चोट आई, जिससे हाथ की हड्डी टूट गई।

शोर सुनकर सचिन की मां मौके पर पहुंची तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार उसे अभी भी काफी दर्द है और भविष्य में भी जान से मारने की धमकी दी गई है।

पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

शब्बो खान बनीं सपा महिला सभा की विस क्षेत्र अध्यक्ष

देवरनिया, अमृत विचार : महिला सभा की नयी इकाई घोषित की गई है। महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव के अनुमोदन से शब्बो खान को भोजीपुरा विधान सभा से लगातार पाँचवी बार महिला सभा का अध्यक्ष नामित किया गया है। नगर पंचायत देवरनिया निवासी शब्बो खान को महिला सभा की जिलाध्यक्ष स्मिता यादव द्वारा भोजीपुरा विधानसभा का अध्यक्ष बनाया गया है।

बिगड़ैल कुत्ते ने तीन बच्चों को काटा

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : गांव मनकरी में बिगड़ैल कुत्ते के काटने से तीन बच्चों, एक बुर्जुग समेत करीब आधा दर्जन घायल हो गए। जिनमें से एक बच्ची की हालत गंभीर है। परिजनों ने घायल बच्चों को बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

गांव मनकरी में मंदिर पर आयोजित खिचड़ी भोज से लौट रहे लक्ष्मी देवी प्रज्ञा, अभी, कपिल और बुजुर्ग भोले पर रस्ते में एक चौराहे पर एक बिगड़ैल कुत्ता ने एक एक कर हमला कर दिया। कुत्ते ने सभी को एक एक करके अलग अलग समय निशाना बनाया। बच्ची लक्ष्मी को तो नीचे गिरा लिया। उसका सिर, मुंह नोचकर गहरा घाव बना दिया। उसकी हालत नाजुक है। चीख पुकार सुनकर ग्रामीण डंडा लेकर दौड़े तब कुत्ता बच्ची को छोड़कर जंगल में भाग गया। परिजनों ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां लक्ष्मी की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रधान प्रतिनिधि रमेश कुमार ने कुत्ते को पकड़ने के लिए एसडीएम मीरगंज से फोन पर शिकायत करके पकड़वाने की मांग की है।

बहन के साथ मारपीट करने पर मुकदमा दर्ज

भमोरा, अमृत विचार : दबंग के पुत्रों द्वारा किशोरी से मोबाइल नंबर मांगना व भाई के साथ मारपीट करना पड़ा भारी। एएसपी की जांच के बाद तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि गांव के ही रहने वाले एक दबंग के पुत्र द्वारा बहन से रास्ते मे छेड़छाड़ करता है 11 जनवरी को दबंग के पुत्र प्रभात, संजय व विजेंदर ने अपनी कार टेंपो के सामने लगा रास्ता रोक लिया और गालियां दी थीं।

जेवर देने का झांसा देकर महिला को ठगा

संवाददाता, भुता

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बेवल बसंतपुर निवासी एक महिला को फेसबुक आईडी पर अपनी बहन बनाकर ज्वेलरी देने का वादा कर महिला से ठगे लाखों रुपए। पीड़िता ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पीड़िता रजनी सिंह ने बताया कुछ दिन पहले फेसबुक पर विज्ञापन देखा था। इसमें एक व्यक्ति जिसके परिवार में कोई नहीं है और वह अपनी सोने की ज्वैलरी दान करना चाहता है। उसकी शर्त यह थी कि वह गहने उसे ही देगा जो उस व्यक्ति को भाई बना ले।

- **लालच में आई महिला ने 30 हजार रुपये आनलाइन डाले**
- **दो लाख और मांग रहा था ठग महिला ने शक होने पर किया इनकार, दर्ज कराई रिपोर्ट**

पीड़िता रजनी ने इसे गंभीरता से लेते हुए अनजान ठग से संपर्क कर उसके कहने पर उसे अपना आधार और पैन कार्ड व्हाट्सएप कर दिया। उस अनजान ठग ने पीड़िता को मुंबई एयरपोर्ट से बोल रहा हूं, कहकर ज्वेलरी भेजने का किराया कहकर 18000 रुपए की रकम ऑनलाइन अपने पास मंगा ली। अगले दिन पीड़िता के नाम से परमिशन लेटर बनने का बहाना कर 22000 ऑनलाइन फिर मंगवा लिए। पीड़िता ने बताया दिन शनिवार को उस अनजान ठग ने अपनी गाड़ी से एक्सीडेंट का बहाना कर पीड़िता को डरा कर दो लाख अपने अकाउंट में जमा करवा लिए। इसके बाद भी अनजान ठग अलग-अलग नंबर से फोन कर और रुपए की डिमांड कर रहा है। 30 हजार रुपये गंवाने के बाद महिला को अपने साथ ठगी होने का अहसास हुआ।

पीड़िता ने अब इसकी शिकायत थाने में पुलिस से की है। इधर पुलिस ने पीड़िता के तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस मामले की जांच व उस अनजान ठग की तलाश कर रही है।

अमृत विचार Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को | समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D. Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज डायरी

पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बने संतराम

क्योलड़िया, अमृत विचार : पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की ब्लाक भदपुरा का चुनाव का अधिवेशन संघ जिलाध्यक्ष राम लाल कश्यप मण्डल अध्यक्ष रविन्द्र कुमार कश्यप जिला संयोजक आनन्द प्रकाश धानुक भगवान दास की उपस्थिति में हुआ। विकास खण्ड सभागार भदपुरा में चुनाव अधिकारी रनवीर सिंह पटेल, सह चुनाव अधिकारी अजित सिंह यादव की देखरेख में चुनाव संपन्न हुआ। इसमें ब्लाक अध्यक्ष पद पर सन्तराम दिवाकर, ब्लाक महामंत्री के पद पर सूरज पाल बाल्मीकि, ब्लाक कोषाध्यक्ष के पद पर सतीश चन्द्र गंगवार, ब्लाक संगठन मंत्री के पद पर बिहारी लाल सागर ब्लाक संप्रेक्षक के पद पर हरीश कुमार गंगवार ने पर्चा दाखिल किया। सभी को निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

टीचर्स सेल्फ केयर टीम ने शिक्षक को दिया 25 हजार का चेक

शेरगढ़, अमृत विचार, सेल्फ केयर टीम गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय आसपुर विकास क्षेत्र आलमपुर जाफराबाद के शिक्षक सुनील कुमार कश्यप की पत्नी शशि देवी को 25 हजार रुपए का सांकेतिक चेक दिया गया। इस मौके पर शशि देवी ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर टीचर्स सेल्फ केयर टीम जिलाध्यक्ष अनुज वीर गंगवार, सौरभ गुप्ता, नवल किशोर, जिला कन्यादान योजना प्रभारी हरीश गंगवार, विजय कुमार, नरेश गंगवार रहे।

विश्व यूथ दिवस के उपलक्ष्य में जन-जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन

रिठौरा, अमृत विचार : रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की ओर से संचालित रूहेलखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर विश्व यूथ दिवस के मौके पर केंद्र प्रभारी डॉ रश्मि कत्याल के नेतृत्व में विशेष जन-जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में युवाओं को नशे की लत से छुड़ाने, सर्दी के मौसम में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने जैसे महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हुई। इस मौके पर डॉ अभिनव अग्रवाल, डॉ अनिकेत शुक्ला, डॉ सैजनी यादव ने युवाओं को स्वास्थ्य संबंधी विशेष जानकारी दी। इस दौरान डॉ वेदैत्री गुप्ता, डॉ टीनू गोयल, डॉ वाशू गंदर्भ, डॉ मुनीष यादव, डॉ रोहित कुमार, डॉ तान्या खंडूरी, डॉ प्रिया, डॉ सृष्टि, डॉ मोहित, डॉ नासिर, डॉ मोहम्मद उवैस, डॉ फहीम ने भी अपने-अपने विचार रखे। इस मौके पर कासिम हुसैन, कुलदीप गंगवार, पूजा शर्मा, अनिल कुमार, आदि रहे।

भक्त प्रह्लाद की कथा सुनकर भाव विभोर हुए श्रोता

कैंट, अमृत विचार : नकटिया क्षेत्र के पुराना मोहनपुर स्थित पीपल वाले महाराज मन्दिर पर श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन गुरुवार को आचार्य हृदयेश शास्त्री जी ने हिरण्यकश्यपु और भक्त प्रह्लाद की कथा का वचन किया। जिसमे भक्तो को बताया, कि किसी भी परिस्थिति में धर्म और सत्य का त्याग नहीं करना चाहिए। जिस तरह से भक्त प्रह्लाद ने घनघोर मुसीबत का सामना करते हुए भी अपने प्रभु का नाम नहीं छोड़ा। अंत मे अपने भक्त के पास प्रभु को आना पड़ा। उसी तरह से हम सबको भी प्रभु का नाम नही छोड़ना चाहिए। किसी न किसी दिन प्रभु हमारा उद्धार अवश्य करेंगे। इस अवसर पर संस इंडस्ट्रीज की सीईओ सुरचना सक्सेना, चमन लाल, महेश कुमार, सदन पटेल, अरविंद गौतम, आदि ने कथा का आनंद लिया।

सभासद के निधन पर बंद रही सब्जी मंडी

नगर पालिका में शोकसभा करते पालिका कर्मी। ● अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद के वार्ड संख्या 12 की सभासद मंजू गुप्ता के निधन पर गुरुवार को नगर में शोक का माहौल रहा। नगर पालिका परिषद के कार्यालय में शोकसभा आयोजित कर पालिका कर्मियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं शोक में कस्बे की सब्जी मंडी भी बंद रही।

बताया गया कि नगर के प्रमुख व्यापारी आशीष गुप्ता की पत्नी एवं वार्ड 12 की सभासद मंजू गुप्ता का बुधवार को महानगर के एक अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया था। गुरुवार को नगर की शमशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया। नगर पालिका परिषद कार्यालय में आयोजित शोकसभा में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत सभासद के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की। शोकसभा में वरिष्ठ लिपिक धीरेंद्र कुमार, सफाई प्रभारी अमर सिंह, कैलाश यादव, रघुबर यादव, अरुन कुमार, कमल कुमार, चरन सिंह सहित बड़ी संख्या में पालिका कर्मी मौजूद रहे।

महिला सभासद के आकस्मिक निधन से नगर में शोक व्याप्त रहा और इसी क्रम में गुरुवार को कस्बे की सब्जी मंडी बंद रखी गई।

सरस्वती शिशु मंदिर में मना संक्राति पर्व

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार : मकर संक्राति पर सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जनसमूह ने सामूहिक रूप से भोजन मंत्र का उच्चारण किया और फिर प्रसाद ग्रहण किया।।

कार्यक्रम में हरीश कुमार गंगवार, शान्ति पाल गंगवार, गोपाल सिंह यादव, हरीश गंगवार भूपेंद्र गंगवार, मनोज गंगवार, गंगास्वरूप गंगवार, दीपक सक्सेना, सुरेश आर्य, सोमपाल गंगवार, दुष्यंत गंगवार, अनीता गंगवार, कीर्ति गंगवार, गार्गी मिश्रा, जशोदा देवी और प्रीति गंगवार आदि रहे।

रिठौरा में मकरसंक्रांति पर बुधवार को भुमसेन मंदिर, प्राचीन शिवमंदिर सेठ भगवानदास गुप्ता, बन्टू गुप्ता, सुनील गंगवार, अशोक कुमार, सुमित मार्केट में खिचड़ी सहभोज, कंबल वितरण किया गया। विशाल गंगवार, राजकुमार गुप्ता, अजय कुमार गुप्ता, गिरीश, सुनील आदि रहे।

किशोरी को भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

मानपुर, अमृत विचार : माता पिता की गैरमौजूदगी में पांच दिन पूर्व गायब हुई किशोरी के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, दो आरोपी फरार हैं। किशोरी की मां ने तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया था।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पूर्व में NAINSHI नाम था। जो मार्कशीट के अनुसार अब KM NANCY RANA हो गया है। मुझे आगे अब इसी परिवर्तित नए नाम से ही जाना पहचाना जाये। **KM NANCY RANA पुत्री VIRENDRA SINGH (वीरेंद्र सिंह) निवासी ग्राम व पोस्ट छेदिया पश्चिम, तहसील पलिया कलां, जिला खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सुनील कुमार को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **चुन्नी लाल पुत्र हेमराज नि. ग्राम सुजनी थाना दियोरिया कलां तह. बीसलपुर जनपद पीलीभीत**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Balavindar Singh s/o Guradeep Singh से बदलकर Balvinder Singh s/o Gurdeep Singh रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। **बलविन्दर सिंह पुत्र गुरदीप सिंह, निवासी- बाजार गंज, पोस्ट-डुडवा, तहसील - पूरनपुर, जिला- पीलीभीत (यूपी)**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

तहसीलों में आयोजित सामूहिक खिचड़ी सहभोज में जुटे हर वर्ग के लोग

मंदिर, चौराहों में सामूहिक कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : मकर संक्रांति पर्व पर गुरुवार को कस्बा नवाबगंज सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जगह-जगह सामूहिक खिचड़ी सहभोज कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में आम लोगों ने सहभागिता कर पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया।

टेलीफोन एक्सचेंज के सामने भूमि विकास बैंक के पूर्व चेयरमैन मोहन स्वरूप गंगवार के नेतृत्व में, चेतराम गंगवार पार्क के सामने खजांची मुरारी लाल, रामलीला मैदान के निकट रामधुन गुप्ता, होली गेट (नीमगढ़) पर कैप्टन अजय गुप्ता, राधा कृष्ण मंदिर तथा बाबूराम धर्मशाला समेत अन्य स्थानों पर सामूहिक खिचड़ी सहभोज आयोजित किए गए। इसमें सांसद छत्रपाल गंगवार, विधायक डॉ. एमपी आर्य, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. आशुतोष गंगवार, रमेश गंगवार, नीरेंद्र सिंह राठौर, लेखराज गंगवार, गन्ना चेयरमैन निर्भय गंगवार, रविंद्र सिंह राठौर, शिशुपाल सिंह गंगवार, डॉ के पी गंगवार, रोहित गंगवार, पुरुषोत्तम गंगवार, सैंथल चेयरमैन कंबर एजाज़ शानू, मुकेश गंगवार, अनिल गंगवार, बब्लू गंगवार, नत्थू लाल आर्य, टी.आर. गंगवार, नरेश गंगवार, पुष्पराज गंगवार, नफीस अहमद गुड्डू सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नवाबगंज में खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम में शामिल लोग। ● अमृत विचार

क्योलड़िया में सरस्वती विद्या मंदिर में खिचड़ी भोज में शामिल बच्चे।

फतेहगंज पश्चिमी में खिचड़ी का वितरण किया गया। ● अमृत विचार

क्लोलड़िया में शिव मंदिर, बालाजी मंदिर एवं ब्लॉक गेट पर खिलाई गई खिचड़ी

क्योलडिया, कस्बे में शिव मंदिर , बालाजी मंदिर एवं ब्लॉक गेट के पास खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया जिसमें हजारों लोगों ने खिचड़ी सहभोज का आनंद लिया। साथ ही नकटी नारायणपुर के सरस्वती विद्या मंदिर में खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो लोगों ने खिचड़ी सहभोज का आनंद लिया साथ ही क्षेत्र में जगह-जगह खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया इस दौरान प्रधानाचार्य महेश चंद्र गंगवार ग्राम प्रधान देवेश गंगवार ,पीतांबर सिंह हीरालाल गंगवार मोहन स्वरूप गंगवार आदि रहे।

फतेहगंज पश्चिमी में व्यापारियों ने खिचड़ी भोज कराया

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : बृहस्पतिवार को मकर संक्रांति पर्व पर नगर के मुख्य बाजार से लेकर ग्रामीण क्षेत्र खिरका, कुरतरा, रहपुरा, माधोपुर माफी, रूकुमपुर, अगरास आदि गांवों में हर्षोल्लास के साथ खिचड़ी व चाय के साथ कचौड़ी सब्जी का जगह-जगह लोगों ने किया भंडारा नगर में आसपास के क्षेत्र से आए ग्रामीणों ने कस्बा में चल रहे भंडारे में खिचड़ी, चाय, कचौड़ी, सब्जी का स्वाद चखा जिसके बाद कस्बा में लगी साप्ताहिक बाजार में जमकर खरीदारी की। कस्बा में भंडारा का आयोजन करने वालों में सतीश गुप्ता, अखिलेश अग्रवाल, राज कपूर गुप्ता, राकेश महेश्वरी, अमित सिंह, दीपक गोयल, प्रवीन गोयल, अमित गोयल, प्रेमपाल गंगवार, शंशाक अग्रवाल, शुभम् अग्रवाल, प्रशान्त अग्रवाल, दीनानाथ सुमन, जगत सिंह उर्फ सनी, संजीव गोयल, गौतम गोयल, गोविंद गोयल, सुरेश कुमार, सतीश अग्रवाल, अनमोल अग्रवाल, प्रियंक अग्रवाल, सत्य प्रकाश माली, यश सैनी, डॉ मुदित प्रताप सिंह आदि ने मिलकर भंडारें का आयोजन किया ।

खिचड़ी भोज में पहुंचे पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप, भुता: बरेली बीसलपुर मुख्य मार्ग पर शांति पुरम कॉलोनी में खिचड़ी भोज कार्यक्रम में पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप व विथरी चैनपुर ब्लॉक प्रमुख हरेंद्र पटेल ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर प्रदीप सिंन्हा, निशांत सिंन्हा, आदि लोग उपस्थित रहे।

संत महात्माओं को कराया खिचड़ी भोज ,भुता: थाना क्षेत्र के गांव म्योड़ी खुर्द में महा संक्रांति के दिन करन सिंह के तरफ से एक विशाल खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। पहले संत महात्माओं को खिचड़ी भोज व जलपान कराया गया। उसके बाद ग्रामीण लोगों को व्यवस्था अनुसार खिचड़ी भोज कराया गया। आसपास के ग्रामीणों ने भी खिचड़ी भोज प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान करन सिंह, हेमराज, राकेश गुप्ता, विपिन कुमार, रामबाबू, जय सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

मंदिर बजरिया में गन्ने के रस की खीर खिलाई, मानपुर: ग्राम बंजरिया में वीरेंद्र पाल के द्वारा खिचड़ी सहभोज का कार्यक्रम किया गया जिसमें स्कूल के सभी बच्चों ने खिचड़ी सहभोज का आनंद लिया। कार्यक्रम में राजकुमार, हरविंद्र सिंह, धर्मवीर व गौ रक्षा हिन्दू दल जिला महामंत्री ठाकुर विमल सिंह के साथ उनकी टीम के पदाधिकारी बंजरिया अकुल सिंह, अनुज कश्यप आदि रहे। संतोषी माता मंदिर बंजरिया में भी खिचड़ी सहभोज का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें हरनाम सिंह के द्वारा संतोषी माता मंदिर बंजरिया पर गन्ने के रस की खीर व खिचड़ी खिलाई गई। जिसमें मधुर सक्सेना , राधेश्याम , आदि लोग मौजूद रहे ।

हलवा प्रसाद वितरण कार्यक्रम हुआ, सिरौली: मकर संक्रांति के अवसर पर शिवपुरी में आयोजित हलवा-प्रसाद कार्यक्रम में युवाओं की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आचार्य राम निवास महाराज, पीठाधीश्वर जोधपुर (राजस्थान) ने उपस्थित जनसमूह को आशीर्वाद रूपी अमृत वचन प्रदान किए।

विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष नलिन सिंह ने कहा कि देश आज भ्रष्टाचार, अपराध और बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि अब देश के हालात बदलने का समय आ गया है और यह बदलाव युवा राजनीति नेतृत्व से ही संभव है।

मकरसंक्रांति पर खिचड़ी सहभोज के साथ कंबल वितरण, शीशगढ़: मकरसंक्रांति पर कहीं खिचड़ी सहभोज तो कहीं चाय के स्टाल लगाकर लोगों को चाय बितरण की गई।वहीं कुछ लोगों ने कंबल बितरण किए।

मानपुर में मनोहर सिंह राठौर ने दर्जन भर महात्माओं को कंबल के साथ जूते बांटे, वहीं शीशगढ़ में त्रिमल सिंह राठौर ने अपने निवास पर कंबल वितरण किए।ठाकुर शिवकुमार सिंह, लक्ष्मी देवल, जसवंत राठौर, राकेश गुप्ता, धर्मपाल सिंह कठेरिया, राजीव कठेरिया, राजीव गुप्ता लाला बल्ली वाले आदि लोगों ने चाय व खिचड़ी के स्टाल लगाकर लोगों को खिचड़ी सहभोज कराया।

फतेहगंज पूर्वी में गुरुवार को भी हुआ खिचड़ी वितरण: फतेहगंज पूर्वी-में जगह-जगह नगर समेत क्षेत्र में खिचड़ी सहभोज एवं कंबल वितरण के कार्यक्रम आयोजित किए गए । स्टेशन रोड, हाईवे एवं कुठिला, सिमरा समेत तमाम गांव में खिचड़ी सहभोज किया । लोगों ने घरों में दान पुण्य भी किया कन्याओं को भोज कराया और कम्बल वितरण किया । पूनम मिश्रा , अंजली यादव ने जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया । इस दौरान अनुज मिश्रा, रामसेवक शर्मा, पवन राज मिश्रा, अरुण मिश्रा, सक्षम मिश्रा, कामराज मिश्रा, ऋषभमिश्रा, अंशू , अजय गुप्ता , आदि लोगों का विशेष सहयोग रहा ।

सेंथल में खिचड़ी भोज का आयोजन: सेंथल के मोहल्ला चौधरी स्थित शिव पार्वती मौर्य मंदिर में मौर्य समाज के नेतृत्व में खिचड़ी भोज हुआ।

कार्यक्रम में सांसद छत्रपाल गंगवार ने पहुंचकर समाजिक समरसता के पर्व पर प्रकाश डाला। भोज में बच्चे, बुजुर्ग, युवा और बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थीं। सैकड़ों लोगों ने इस खिचड़ी भोज का प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान डॉ. लेखराज मौर्य, सेवाराम मौर्य, मुनीश मौर्य, जगदीश मौर्य, सर्वेश मौर्य, नेमचंद्र मौर्य, मोतीराम मौर्य, सुरेश मौर्य, नितिन मौर्य, श्रीपाल मौर्य, अविनाश मिश्रा, उमाकांत जोशी आदि मौजूद रहे।

शेरगढ़ में खिचड़ी भोज का आयोजन

शेरगढ़,अमृत विचार : मकर संक्रांति आस्था और उत्साह से मनाया गया। इस दौरान क्षेत्र में जगह जगह खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। कस्बा व आस-पास के ग्रामीण अंचलों नगरिया कलां, पनबड़िया, मोहम्मदपुर, मवई काजियान, द बैरमनगर, डेलपुर, नगरिया सोबरनी आदि समेत विभिन्न् स्थानों पर खिचड़ी भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस दौरान श्रद्धालुओं ने खिचड़ी भोज में शामिल हो अपने जीवन को धन्य बनाया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख भूपेंद्र कुर्मी प्रमोद अग्रवाल, भूपराम श्रीवास्तव, चेयरमैन बुद्धसेन मौर्य, बविता सक्सेना, दिनेश शर्मा, कल्याण राय श्रीवास्तव, पप्पू मौर्य, हिमांशी गंगवार, क्रांति दिवाकर, अनिल कुमार, संजय सिंह, विनय कुमार, मुस्कान दिवाकर, भानु प्रताप श्रीवास्तव, डॉ शंकर राय, रीमेंद्र कुमार गंगवार, हरीपाल श्रीवास्तव, सत्यपाल शर्मा, हेमराज राठौर, भगवान दास राठौर, राम बहादुर शर्मा, हरीश कुमार, राजीव वाजपेई, संतोष देवल समेत बड़ी संख्या में नगर एवं क्षेत्रवासियों ने शामिल हो अपने जीवन को धन्य बनाया।

एमएलसी ने किया खिचड़ी का वितरण

फरीदपुर, अमृत विचार : गुरुवार को मकर संक्रांति पर फरीदपुर स्थित एमएलसी महराज सिंह के कैम्प कार्यालय अलावा नगर में विभिन्न स्थानों पर खिचड़ी वितरित का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चन, युवराज सिंह, कुंवर संजय सिंह, दुष्यंत राज सिंह, प्रेमनारायण मिश्रा, देवेन्द्र सिंह, अनिल राणा, अजीत सिंह, अनूप मिश्रा, लवी, सुखदेव, घनश्याम जायसवाल, डिंपल सिंह, सुशील सिंह, अजय मौर्या, आयुष गंगवार आदि उपस्थित रहे।

लाइसेंसी मांस की दुकान की आड़ में अवैध कटान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बारादरी पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

अमृत विचार : मीट लाइसेंस की दुकान की आड़ में युवक घर पर ही पशुओं का कटान करने लगा। इसकी सूचना बारादरी पुलिस को मिली। पुलिस ने घर में ही जानवर का अवैध कटान कर रहे युवक को मांस के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके उसे कोर्ट में पेश किया।

ऑपरेशन सवेरा अभियान के तहत बारादरी पुलिस को गुरुवार की सुबह मोहल्ला कटिकुइयां में घर में अवैध तरीके से भैंस काटने की सूचना प्राप्त हुई। इसके बाद पुलिस ने मौके पर दबिश देकर जुनैद निवासी कटिकुइयां थाना बारादरी को गिरफ्तार कर लिया। बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडे ने बताया कि आरोपी के पास से दो चाकू समेत एक कुंटल भैंस का मांस बरामद हुआ। इसके बाद मांस को पशु चिकित्साधिकारी की देख-रेख में गड्ढे में दबा दिया गया। पूछताछ में मोहसिन का भी नाम सामने आया है।

फैक्ट्री में मांस महंगा होने पर देहात से लाते थे जानवर

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह कक्षा पांच तक पढ़ा हुआ है। उसकी मीट बेचने की लाइसेंसी दुकान कनवर शाह की मजार के पास है। फैक्ट्री में मांस महंगा होने के चलते उसे लाकर बेचने में आय कम होती है। ऐसे में वह डेयरी या देहात से जानवर खरीदकर लाकर घर पर ही उसे काटकर खून नाली में बहा देते थे।

बड़ी बहन की अंत्येष्टि में जा रही महिला को ट्रक ने रौंदा

संवाददाता, मीरगंज

- सिर धड़ से अलग हुआ, एक दिन में दो बहनों की मौत से घर में मचा कोहराम
- बेटे और भांजे के साथ बाइक पर जा रही थी महिला, ट्रक ने मारी थी टक्कर

अमृत विचार : बड़ी बहन की अंत्येष्टि में बेटे और भांजे के साथ जा रही छोटी बहन की बाइक को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे महिला गिर पड़ी और उसके सिर को कुचलते हुए ट्रक चालक भाग गया। उसे पीछा करके पकड़ लिया गया। कंटेनर के पहिये से सिर कुचलने से सिर धड़ से अलग हो गया। परिवार में कोहराम मचा है।

मृतक कौशल्या।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को हाइवे स्थित पेट्रोल पंप के सामने हादसा हो गया।मोटरसाइकल सवार तीन लोगों को ट्रक ने ज़ोरदार टक्कर मार दी जिसमें कौशल्या पत्नी सुंदर लाल, रामसिंह, और अमर पाल मौर्य गिर गए। सड़क पर कौशल्या (50) निवासी वार्ड 11 मोहल्ला ब्राह्मण टोला कस्बा शेरगढ़ की मौके पर ही मौत हो गई। मोटरसाईकिल पर हल्की खरोच आई और हेलमेट भी गिरने से टूट गया। मोटरसाइकिल को मृतका का भांजा रामसिंह निवासी ग्राम पंथरा थाना फतेहगंज पश्चिमी चला रहे थे। उनके पिछले कौशल्या का पुत्र अमर पाल मौर्य बैठा था।सबसे पीछे कौशल्या बैठी थीं। कौशल्या अपनी बड़ी बहन की अंत्येष्टि में शामिल होने गांव सिंगरा लखीमपुर थाना मिलक जा रही थी। कौशल्या के हाइवे पर गिरने से ट्रक का पहिया उनके ऊपर चढ़ गया और सिर धड़ से अलग हो गया उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटनास्थल पर बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

घटना के बाद कंटेनर चालक ट्रक लेकर भाग गया। राहगीरों की मौके पर भीड़ लग गई। राहगीरों ने ट्रक का पीछा किया और फ्लाईओवर के पास उसे पकड़ लिया। सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंच गई। एम्बुलेंस से महिला को पीएम हाउस भेजा गया।मृतका के परिजन मौके पर पहुंच गए।उनका रो रोकर बुरा हाल था। एक ही दिन में दो सगी बहनों से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विवाहिता से की मारपीट पांच के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता, हाफिजगंज

- दहेज के लिए ससुरालियों पर लगाया प्रताड़ना का आरोप,पति सास ससुर के खिलाफ रिपोर्ट

अमृत विचार : दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने, मारपीट करने और जेवरात छीनकर मायके छोड़ने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर थाना हाफिजगंज पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना हाफिजगंज क्षेत्र की चौकी रिठौरा निवासी युवती ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका निकाह 3 फरवरी 2025 को खटीमा के इस्लाम नगर निवासी इकबाल अहमद के साथ हुआ था। निकाह से पूर्व ससुराल वालों को दूसरी शादी है और वह कभी मां नहीं बन सकती है। उसके चार बच्चे है। इन सभी तथ्यों को स्वीकार करते हुए निकाह किया गया था।

पीड़िता का आरोप है कि निकाह के कुछ समय बाद ही दहेज में बाइक, फ्रिज और वाशिंग मशीन की मांग को लेकर उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और नौकरानी की तरह रहने को मजबूर किया गया।पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति इकबाल अहमद, ससुर महबूब अली, सास महरूम निशा, ननद तबस्सुम और देवर रियाज, सभी निवासी खटीमा उत्तराखंड, के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नाम बदलने से गरीबों का कल्याण नहीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- कांग्रेस ने भदपुरा ब्लॉक क्षेत्र में कई जगह मनरेगा बचाओ संवाद चौपाल का किया आयोजन

अमृत विचार : कांग्रेस जिलाध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी के नेतृत्व में गुरुवार को "मनरेगा बचाओ संवाद चौपाल" कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक भदपुरा के बहुआ बाजार, बड़ा गांव व नकटी नारायणपुर में हुआ।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार मूल मुद्दों से ध्यान भटकाकर इधर-उधर के कार्यों में जनता को उलझा रही है, जिससे आम जनता का कोई भला नहीं होने वाला। उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना का नाम बदल देने मात्र से गरीबों का कल्याण नहीं हो सकता। कहा कि यदि भाजपा सरकार वास्तव में गरीब और ग्रामीण जनता का भला चाहती है तो सबसे पहले उन ग्रामीण श्रमिकों का वर्षों से लंबित भुगतान करे। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता पिछले कई दिनों से धरने पर बैठी हैं, सरकार को उनके साथ संवाद कर तत्काल भुगतान सुनिश्चित करना चाहिए। जिलाध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार अपनी तानाशाही और जनविरोधी नीतियां नहीं छोड़ती है तो कांग्रेस आंदोलन तेज करेगी। प्रवक्ता पंडित राज शर्मा, कमरुद्दीन सेफी, इरशाद मंसूरी, सतीश सैनी, सुधीर रस्तोगी, दीक्षा गंगवार, शाहरुख, दाताराम, उमेश गंगवार, अशोक सागर, प्रेमपाल मौर्य, मनोहर लाल, झम्मन लाल, राम अवतार, हेमराज आदि मौजूद रहे।

सेपक टाकरा पदक विजेता टीम का स्टेडियम में हुआ सम्मान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- सेपक टाकरा यूपी महिला और पुरुष टीम ने जीते थे पदक

अमृत विचार : खेलो इंडिया बीच सेपक टाकरा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले यूपी सेपक टाकरा टीम के खिलाड़ियों को गुरुवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम में सम्मानित किया गया। दमन एंड दीप में खेलो इंडिया बीच गेम्स में यूपी की महिला टीम ने सिल्वर, ब्रांज और पुरुष टीम ने ब्रांज मेडल जीता था।

सम्मान समारोह में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा ने महिला एवं पुरुष टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की। उत्तर प्रदेश सेपक टाकरा संघ के महासचिव सुमिल एस सीरिया, ज्वाइंट सेक्रेटरी तानसिंह, भारतीय टीम के कोच बीएस शर्मा और शुभम तिवारी उपस्थित रहे। महिला टीम की तैयारी साईं कोच मीना कुमारी और पुरुष टीम की तैयारी उत्तर प्रदेश संघ के कोच राम कुमार ने कराई थी। दोनों कोच खेलो इंडिया बीच गेम्स में टीम के सपोर्टिंग स्टाफ के रूप में भी साथ रहे। महिला टीम में खुशबू, शिल्पी कुमारी, हीना खान, चंचल, आकांक्षा, सुषमा श्रीवास्तव, सेजल यादव, पूजा यादव, प्रियंका, शालिनी राय, प्रीति यादव और प्रीति मौर्य शामिल रहीं। जबकि पुरुष टीम में लक्की कुमार, उवेश खान, अश्मित कुमार, आर्यन यादव, सिद्धार्थ सिंह, विनय यादव, जतिन सिंह, सतीश कुमार, राहुल, दीपक, तरुण कुमार और प्रियांशु ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।

प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम के खिलाडियों को सम्मानित किया गया।

ईमानदारी से हासिल की जा सकती है सफलता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आरके इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन

अमृत विचार: आरके इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में वर्ष 2025-26 की बीएससी नर्सिंग, एएनएम एवं पैरामेडिकल बैच के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्ष 2020-21 की बीएससी नर्सिंग बैच का दीक्षांत समारोह भी हुआ। मुख्य अतिथि मेयर डॉ. उमेश गौतम और विशिष्ट अतिथि जीनियस अबेकस सिडनी ऑस्ट्रेलिया की निदेशक डॉ. स्मिता शर्मा रहीं।

मुख्य अतिथि मेयर डॉ. उमेश गौतम ने कहा कि चिकित्सा और नर्सिंग क्षेत्र में सेवा का मार्ग चुनना समाज के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने छात्रों को समर्पण, मेहनत और ईमानदारी से सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि जीनियस अबेकस सिडनी ऑस्ट्रेलिया की निदेशक डॉ. स्मिता शर्मा ने कहा कि ज्ञान के साथ धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास ही पेशेवर जीवन में सफलता की कुंजी हैं। संस्थान के चेयरमैन डॉ. रवि मेहरा ने कहा कि हर चुनौती को अवसर में बदलना ही आधुनिक चिकित्सा और नर्सिंग पेशे का सबसे बड़ा गुण है।

दीक्षांत समारोह में मौजूद मेयर व फैकल्टी के छात्र व शिक्षक। ● अमृत विचार

दीक्षांत समारोह में बीएससी नर्सिंग बैच 2020-21 के विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पण के लिए प्रमाण पत्र और मेडल वितरित किए गए। डायरेक्टर डॉ. शिव शंकर त्यागी ने भी विचार रखे। वाइस प्रिंसिपल ऋचा गंगवार, कॉलेज ऑफ फार्मेसी के डायरेक्टर डॉ. अजीत यादव, रजिस्ट्रार थॉमस कुरियन, रोहित सिंह, रजनी, नीतू, मुकेश, मंथन, खुशबू, डॉली, दीपशिखा, सुमन, जयवीर, शीतल, अश्वनी, हिमांशु आदि शिक्षक मौजूद रहे।

कृषि प्रसार में नवाचार व डिजिटल रूपांतरण जरूरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की ओर से आयोजित 21-दिवसीय शीतकालीन विद्यालय का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को आईवीआरआई में हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. अजीत सिंह यादव, सहायक महानिदेशक (ईक्यूएआर), कृषि शिक्षा प्रभाग, आईसीएआर ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा से संबंधित विभिन्न आईसीएआर नीतियों पर प्रकाश डाला।

अध्यक्षता करते हुए निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त ने सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए कृषि प्रसार में नवाचार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संस्थान की 136 वर्षों की सेवा और पशुपालन क्षेत्र में योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म, और चैटबॉट्स के माध्यम से किसानों और उद्यमियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी।

बरेली-अलीगढ़ पैसेंजर से गिरे यात्री का पैर कटा

बबराला,अमृत विचार : बरेली जनपद के आंवला निवासी अनिल (55 वर्ष) पुत्र राम अवतार बरेली-अलीगढ़ पैसेंजर ट्रेन से यात्रा कर रहा था। गुरुवार दोपहर ट्रेन भकरोली हाल्ट से कुछ आगे बढ़ी, तभी अचानक वह संतुलन बिगड़ने से ट्रेन से नीचे गिर गया। अनिल का पैर का निचला हिस्सा ट्रेन के नीचे आने से कट गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची आपातकालीन एंबुलेंस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुन्नौर पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है।

सप्तम पुण्यतिथि

इस जहाँ में कभी न मिट सकेगी अमिट छाप आपकी।
भीगी पलकों में सदा बसी रहेगी याद आपकी।।

आपका स्वर्गवास 16.01.2019 को हो गया था, तब से परिवार के सभी लोग आपकी स्मृति हृदय से बनाये हुए हैं। आज 7 वर्ष उपरान्त भी आप सबकी स्मृति में हैं। आज परिवार के सभी लोग आपको याद कर रहे हैं तथा परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आप जहाँ भी हों सुखी हों।

शोकाकुल परिवार

अनिल सक्सेना (पति), अरूण कुमार-मधु (देवर-देवरानी), मृदुल शंकर, पारूल, राहुल, शंकर-रोली (पुत्र-पुत्रवधू) रूचि-सौरभ (पुत्री-दामाद), अंकित-मनीषा (भतीजा-वधू) अनुरिता - अभिषेक (भतीजी-दामाद), श्रेय सात्विक, स्वीटी, गार्गी, अर्शी, आयुष (नाती-नातिन) मो. 7983141405

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटेन ने नागरिकों को इजरायल की यात्रा न करने की सलाह दी

लंदन, एजेंसी : ब्रिटेन ने अपने नागरिकों को इज़रायल की यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। ब्रिटिश सरकार ने बुधवार को बहुत ज़रूरी यात्र को छोड़कर सभी यात्राओं को लेकर चेतावनी जारी की। सरकार ने इसके पीछे क्षेत्र में बढ़ते तनाव का हवाला दिया है, जिससे यात्रा में रुकावट और दूसरे अप्रत्याशित असर हो सकते हैं।

जापान के होक्काइडो में 5.5 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग, एजेंसी : जापान के होक्काइडो में बुधवार को 5 .5 तीव्रता का भूकंप आया। जान-माल के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है। जर्मन भूविज्ञानशोध केंद्र ने यह जानकारी दी है। शुरू में भूकंप का केंद्र 10 किमी की गहराई पर 42 .81 डिग्री उत्तरी अक्षांश पर था।

कट-ऑफ कम होने से निजी मेडिकल कॉलेजों को सीधा फायदा

नीट पीजी- 2025 की कट-ऑफ घटाने पर डॉक्टरों के बीच मतभेद

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार : नीट पीजी 2025 के तहत एमडी, एमएस और डीएनबी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कट-ऑफ में भारी कटौती को लेकर प्रदेश के अनुभवी डॉक्टरों और चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच तीखी बहस छिड़ गई है। कई चिकित्सकों ने इसे स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर सीधा प्रहार बताया है, जबकि कुछ का कहना है कि नॉन-क्लीनिकल विषयों में सीटें रिक्त न रह जाएं, इसलिए यह कदम उठाया गया है।

इस वर्ष सामान्य वर्ग के लिए कट-ऑफ 50 पर्सेंटाइल से घटाकर 7 पर्सेंटाइल, जबकि ओबीसी, एससी-एसटी एवं अन्य वर्गों के लिए 40 पर्सेंटाइल से घटाकर शून्य और माइनस 40 पर्सेंटाइल तय किया गया है। इस फैसले को लेकर चिकित्सा जगत में गहरा असंतोष देखा जा रहा है। नेशनल यूनाइटेड फ्रंट ऑफ डॉक्टर्स के संस्थापक प्रो. (डॉ.) अनिल नौसरान ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में मेरिट से समझौता देश के स्वास्थ्य तंत्र के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा कोई सामान्य शिक्षा का विषय नहीं है। यहां तैयार होने वाले विशेषज्ञ सीधे मानव जीवन से जुड़े होते हैं। इतनी कम कट-ऑफ भविष्य में अयोग्य विशेषज्ञों की पीढ़ी तैयार करने का जोखिम पैदा करती है।

- **निजी मेडिकल कॉलेजों को लाभ पहुंचाने का आरोप**

वहीं, केजीएमयू के पूर्व शिक्षक और वर्तमान में हिंद मेडिकल कॉलेज के प्रवक्ता डॉ. नरसिंह वर्मा का कहना है कि कट-ऑफ मुख्य रूप से नॉन-क्लीनिकल सीटों के लिए घटाई गई है। निजी मेडिकल कॉलेजों में इन विषयों की फीस अधिक होने के कारण सीटें खाली रह जाती हैं। उन्होंने कहा कि जीरो पर्सेंटाइल का अर्थ माइनस अंक नहीं है। सभी आवेदक एमबीबीएस उत्तीर्ण हैं, इसलिए योग्यता पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने बताया कि पूर्व में बिना परीक्षा के पीजी में प्रवेश मिल जाता था, अभ्यर्थी बढ़ने पर और आरक्षित वर्ग को प्रवेश दिलाने के लिए प्रवेश परीक्षा और मानक निर्धारित किए गए हैं। बरेली के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल अग्रवाल ने कट-ऑफ नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि पर्सेंटाइल के बजाय न्यूनतम प्रतिशत तय किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निजी मेडिकल कॉलेजों में अत्यधिक शुल्क, बांड की शर्तें और प्रमाणपत्र रोके जाने जैसी समस्याओं के कारण सीटें खाली रहती हैं। ऐसे में मानक गिराने के बजाय सीटें खाली रहने देना बेहतर है।

गोसेवा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में गुरुवार को मकर संक्रांति के अवसर पर गायों को चारा खिलाते हुए। • अमृत विचार

खबरें www.amrit vichar.com पर भी पढ़ें

पहाड़ों की बर्फबारी पर ला नीना का साया

नैनीताल, अमृत विचार: नैनीताल सहित आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में इस शीतकाल में बारिश और बर्फबारी न होने से वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ गई है। मौसम में आए इस असामान्य बदलाव को विशेषज्ञ पर्यावरण और जलस्रोतों के लिए गंभीर संकेत मान रहे हैं।

आर्यभट्ट प्रशिक्षण संस्थान से जुड़े मौसम वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह के अनुसार मध्य हिमालयी क्षेत्र में ला नीना का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, जिसके चलते इस बार अपेक्षित वर्षा और हिमपात नहीं हो पाया। उन्होंने बताया कि यह स्थिति केवल मौसमी चक्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

डॉ. नरेंद्र सिंह का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ मानवीय हस्तक्षेप भी बर्फबारी के स्वरूप को प्रभावित कर रहा है। पहाड़ों में लगातार हो रहा निर्माण कार्य, वनों पर बढ़ता दबाव और प्राकृतिक संतुलन में हो रहे बदलाव भविष्य के लिए गंभीर चेतावनी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि लंबे समय तक बारिश और बर्फबारी नहीं हुई तो इसका सीधा असर जलस्रोतों, पर्यावरण और पर्यटन गतिविधियों पर पड़ेगा। झीलों और प्राकृतिक जलधाराओं के जलस्तर में गिरावट आने की आशंका भी जताई जा रही है।

पत्नी और बेटी पर धारदार हथियार से हमला कर भागा सिपाही, बेटी की मौत

बांदा, एजेंसी

जिले में पीआरवी पुलिस वाहन के जीप चालक सिपाही ने घरेलू विवाद के चलते बुधवार रात कथित रूप से धारदार हथियार से अपनी पत्नी और बेटी पर जानलेवा हमला कर दिया। इलाज के दौरान बेटी की मौत हो गई।

बबेरू क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) सौरभ सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि मर्का थाना क्षेत्र में पीआरवी संख्या-5478 (डायल-112) में जीप चालक पद पर कार्यरत सिपाही गौरव कुमार (35) ने घरेलू विवाद के दौरान बुधवार की रात करीब नौ बजे कथित रूप से धारदार हथियार (कुल्हाड़ी) से अपनी पत्नी शिवानी (32) और तीन साल की बेटी परी पर जानलेवा हमला कर दिया और बाहर से दरवाजा बंद कर भाग गया। उन्होंने बताया कि मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल मां-बेटी को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज बांदा में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान बेटी परी की मौत हो गई और बेहतर इलाज के लिए शिवानी को कानपुर भेजा गया है।

- **पीआरवी पुलिस वाहन की जीप का चालक है सौरभ**

सिपाही गौरव मर्का में किराए का कमरा लेकर पत्नी और बेटी के साथ रह रहा था।

सीओ ने बताया कि देर रात खोजबीन के दौरान यमुना नदी के किनारे सिपाही गौरव कुमार का मोबाइल फोन और उसकी कुछ जरूरी वस्तुएं पाई गई हैं, लेकिन अभी तक उसका पता नहीं चला है।

मुक्तेश्वर से ज्यादा ठंडा हल्द्वानी, न्यूनतम पारा पहुंचा 0.5 डिग्री

हल्द्वानी, अमृत विचार : राज्य के मैदानी इलाकों में रात के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हल्द्वानी में भी यही हाल बना हुआ है। दोपहर के समय निकल रही धूप से राहत है लेकिन रात के समय पारे में भारी गिरावट आ रही है।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार हल्द्वानी में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री दर्ज किया गया है जो सामान्य से पांच डिग्री कम है। जनवरी माह में दर्ज किया गया अभी तक का सबसे कम तापमान है। सर्दियों के मौसम में इस बार दूसरी बार ऐसा हुआ है कि रात को पारा एक डिग्री से नीचे पहुंचा है। दिन के समय धूप निकलने से लोगों को राहत मिल रही है। अधिकतम तापमान 11.4 डिग्री के आसपास है। रात और दिन के तापमान में करीब 10 डिग्री का अंतर दर्ज किया जा रहा है। मैदानी इलाकों में यह हाल हैं कि यहां पर पहाड़ों से भी कम न्यूनतम तापमान दर्ज हो रहा है। यहां सुबह और शाम के समय कोहरा भी छा रहा है।

प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आवंला बरेली।

नीलामी–सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस संस्थान मे विभिन्न प्रजातियो के 32 पेंडो/वृक्षो जहाँ है जिस स्थिति मे है जैसे है, की सार्वजनिक नीलामी संस्थान के प्रांगण मे दिनांक–22 जनवरी 2026 को अपरान्ह 1:30 बजे निर्धारित शर्तो के अधीन की जायेगी।

इच्छुक केता उक्त तिथि से 2 दिन पूर्व किसी भी कार्य दिवस मे संस्थान मे स्वयं के व्यय पर पधारकर पेंडो/वृक्षो को देख सकते है तथा शर्तो की जानकारी प्राप्त कर सकते है।

पेंडो/वृक्षो की नीलामी मे बोली लगाने से पूर्व (विडर) इच्छुक व्यक्ति को शासकीय बोली हेतु (न्यूनतम रूपये–5000.00) धरोहर/जमानत के रूप मे धनराशि संस्थान के कैशियर के पास नकद जमा कराना होगा। धनराशि जमा कराने के पश्चात ही इच्छुक व्यक्ति नीलामी प्रकिया मे भाग ले सकेगा।

नीलामी मे भाग लेने के लिए बोली इन्छुक व्यक्तियो को एक फोटोयुक्त आई0डी0 की छायाप्रति जोकि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्य हो एवं दो फोटो लाना आवश्यक है(जैसे आधार कार्ड व अन्य),जी0एस0टी0 पंजीकरण प्रमाण–पत्र की छायाप्रति एवं पैन कार्ड की छायाप्रति लाना आवश्यक हैं।

नीलामी हेतु अन्य नियम एवं शर्ते की जानकारी संस्थान के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

दिनांक–

(शिव कुमार शर्मा)
प्रधानाचार्य/अध्यक्ष
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
आवंला बरेली।

UP – 243941 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली निविदा

राष्ट्रपति भारत सरकार की ओर से मण्डल इंजीनियर/यांत्रिक कारखाना वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई–टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं. 01, ई–निविदा सूचना सं० एवं निविदा कार्य का विवरण : DEN-MWS-2026-01- प्रापोज्ड न्यू हाईड्रेन्ट पॉइंट इन मैकेनिकल वर्क शॉप गोरखपुर। (एज पर ड्राइंग नं. G/LT-1117), अनुमानित लागत: रू० – 73,76,978.60, धरोहर राशि : रू० 1,47,500.00, निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय 14.02.2026, 11.00 बजे।

इस ई–निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या www.ireps.gov.in पर देखें।

मुख्य कारखाना प्रबन्धक/ यां०कार०/गोरखपुर
मुजाधि/यांत्रिक – 123

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना
सं. 15 वर्ष 2025–26

अधोलिखित कार्यो के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं:– **कार्यो का विवरण:**– 1. इज्जतनगर मंडल के विभिन्न यार्ड की मॉनीटरिंग हेतु सी.सी.टी.वी. कैमरों का प्रावधान।, **अनुमानित लागत:**– ₹ 2,55,51,407.31, **बयाना राशि:**– ₹ 2,77,800, **कार्य समापन अवधि:**– 6 माह, ई–निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:– दिनाँक 06.02.2026 को 11:00 बजे, • पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

वरि.मंडल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर
मुजाधि/सिग्नल–88 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सं.:
उप मु.इं.-निर्माण-एलजेएन-11-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:–

क्रम सं.-1, खुली निविदा संख्याः उप मु.इं.-नि.-एलजेएन-11-2025, दिनांक 13-01-2026, कार्य का नामः सीतापुर-मैलानी खण्ड में झरेखापुर हाल्ट को 3 लाइन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तन तथा देवकली हाल्ट को 3 लाइन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तन के साथ लाइन सं.-3 पर गुड्स प्लेटफार्म का कार्य। अनुमानित निविदा मूल्यः ₹ 36,41,58,217.18, बयाना राशिः ₹ 19,70,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः -निल-, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 12 (बारह) माह।

• क्रम सं.-1, ई-टेण्डर डालने की अन्तिम तिथि 06-02-2026 समय 15:00 बजे तक है तथा उसी दिन 15:30 बजे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर के कार्यालय में खोली जायेगी। • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट *https://www.ireps.gov.in* अथवा वेबसाइट *www.ner.indianrailways.gov.in* पर भी देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-I,
मुजाधि/डब्लू-416 लखनऊ जं.

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना सं0: DCE-BL-03-04-2026

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई–निविदा आमन्त्रित करते है

क्र0सं0 1:– ई–निविदा सं0– DCE-BL-03-2026, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल पर स्थित पुल सं0–172DN (5x18.3m), 8, 57, 59DN (3X12.20m), 9(3x12.20m) 1UP (3X12.2), 3UP (3X12.20m), 178UP, 82DN, 59UP (3X12.20), 120UP, 125DN, 172UP (5x72.20m), 68UP, 9DN, 17DN, 2, 1DN, 3DN, 39UP, 59UP, 66UP पर साईड पाथवे का प्रावधान। अनुमानित लागत: ₹ 4,80,22,118.21, बयाने की राशि: ₹ 3,90,100.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य – शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि – 18 (अट्ठारह) माह।

क्र0सं0 2:– ई–निविदा सं0– DCE-BL-04-2026, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल पर स्थित पुल सं0–133UP, 149UP, 160UP, 172UP (6x12.2m), 173UP (5x12.2m), 38, 59UP (2X12.20), 61 UP, 171UP (2x18.30m), 97DN, 103DN, 133DN, 32, 56/71, 112DN 173 (5x12.20m), 171DN(2x18.30m), 5, 5UP, 5DN, 9 (1x24.40m), 11, 35/37, 38/41, 48 /59, 65, 16 पर साईड पाथवे का प्रावधान। अनुमानित लागत: ₹ 4,72,89,559.93, बयाने की राशि: ₹ 3,86,500.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य – शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि – 18 (अट्ठारह) माह।

ई–निविदा खुलने की तिथि दिनांक 06.02.2026 को 11.00 बजे। ई–निविदा की प्राप्ती की तिथि दिनांक 06.02.2026 को 10.59 बजे। ई–निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण बेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन
मुजाधि/डब्लू–417 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालयः–प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र मंझरा, लखीमपुर–खीरी।

पत्र सं0– 963 /जई कटाई–मड़ाई/भूसा बनायी ठेका पत्रा0/मंझरा/2025–26/दिनांक–02.01.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र मंझरा लखीमपुर–खीरी जो कि लखीमपुर शरदानगर मार्ग पर 09 किमी0 की दूरी पर स्थित है, पर वर्ष 2025–26 में बोई गयी रबी जई बीज फसलों की कटाई–मड़ाई एवं यथा निर्दिष्ट स्थान पर आनाज पहुंचाने तथा गिराने के कार्य एवं रीपर मशीन द्वारा भूसा बनायी व सम्पूर्ण भूसा डेयरी गोदाम के अन्दर तक पहुँचाना/रखना प्रति ट्राली क्षमता 10.00 कुं0 के कार्य हेतु निविदाऐं बन्द लिफाफे में आमन्त्रित की जाती है। प्रत्येक वस्तु के लिए अलग–अलग टेण्डर खरीदने होंगे। निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0–500.00 तथा जी0एस0टी0 नियमानुसार अलग से देय होगा, जो वापस नही होगा। अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय से निविदा प्रपत्र दिनांक–23.01.2026 से दिनांक–30.01.2026 को दिन के 12:00 बजे तक कार्यालय कार्य दिवस में क्रय किया जा सकता है। जो दिनांक–30.01.2026 को दिन के 1:00 बजे तक सील बन्द लिफाफे में अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के निविदा बाक्स में जमा करना होगा। टेण्डर के साथ अलग–अलग निर्धारित जमानत धनराशि रू0–50000.00 (रू0 पचास हजार मात्र) नगद तथा एफ0डी0आर0 के रूप में जो प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर–खीरी के नाम देय हो, जमा कराना होगा। बिना अमानत धनराशि जमा किये टेण्डर स्वीकार नही होंगे। सर्व प्रथम दिनांक–30.01.2026 को ही दिन में 02:00 बजे मण्डलीय क्रय–विक्रय परिषद के समक्ष खुली बोली करायी जायेंगी, उसके उपरान्त निविदा (टेण्डर), उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जायेगी एंव खुली बोली/निविदा में प्राप्त धनराशि का मिलान किया जायेगा। जिसमें सबसे कम/उचित दर प्राप्त होगा, उसी निविदा दाता को कार्य का ठेका देने हेतु क्रय–विक्रय परिषद द्वारा संस्तुति पर विचार किया जायेगा। मण्डलीय क्रय विक्रय परिषद को यह अधिकार सुरक्षित होगा कि वह बिना कारण बताये किसी एक या सभी निविदाओं को निरस्त कर सकता है। खुली बोली/टेण्डर सम्बन्धी कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर ज्ञात किया जा सकता है। नियम व शर्तें टेण्डर फार्म के साथ उपलब्ध करायी जायेंगी। खुली बोली में वही व्यक्ति भाग लेगा, जिसके द्वारा कार्यालय में टेण्डर फार्म क्रय कर अमानत की धनराशि नगद तथा एफ0डी0आर0 के रूप में जमा कर दी गयी होगी। सभी टेण्डर दाताओं की उपस्थिति टेण्डर खोलने के समय अनिवार्य होगी। टेण्डर दाताओं की बाद में कोई आपत्ति मान्य नही होगी। प्रत्येक फर्म से केवल एक ही व्यापारी अथवा उसके द्वारा नामित प्रतिनिधि नीलामी प्रक्रिया में प्रतिभाग करेगा। रू०–10.00 के स्टाम्प पेपर पर प्रतिनिधि नामित किये जाने का प्राधिकार पत्र नामित व्यक्ति के आधार कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति सहित निविदा के समय कार्यालय में जमा करना होगा। सशर्त कोई निविदा मान्य नहीं होगी। किसी विषम परिस्थितियों में टेण्डर खोलने की तिथि व समय बिना किसी पूर्व सूचना के परिवर्तित किया जा सकता है।
नोटः–विस्तृत जानकारी व अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में आकर ज्ञात की जा सकती है।

क्रम सं0	वस्तु का नाम	अमानत राशि (रू0में)	क्षेत्रफल (हे0 में)
01	जई फसल की कटाई–मड़ाई गोदाम तक आनाज पहुंचाना	50000.00	105.00 हे0
02	रीपर से भूसा बनाई व सम्पूर्ण भूसा डेरी गोदाम के अन्दर तक पहुंचाना/रखना (प्रति ट्राली क्षमता 10 कुं0)	50000.00	105.00 हे0

(जितेन्द्र कुमार)
प्रक्षेत्र प्रबन्धक,
राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र,
मंझरा, लखीमपुर–खीरी।

UP – 243985 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 270/141सी0(ई0टेण्डर)–3/25–26 दिनांक: 09.01.2026

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 17.01.2026 से दिनांक 24.01.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 24.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	एल0बी0 मार्ग से सिमरिया सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर	46.90	4.35	2725.00	02 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
2	उदयपुर कटैया मार्ग से अम्बेडकर पार्क तक मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)		46.10	4.31	2725.00	02 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP – 243942 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

बीएनपी नेता ने चुनावों में गड़बड़ी के लगाए गंभीर आरोप

ढाका, एजेंसी: बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने गुरुवार को चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी पर चिंता जताते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। अहमद ने ढाका में चुनाव आयोग कार्यालय में चुनाव आयोग सचिव के साथ बैठक के बाद कहा कि बैठक में चुनाव के कानूनी पहलुओं और आचार संहिता के पालन पर ध्यान केंद्रित किया गया।

अहमद ने सोशल मीडिया पर चल रहे वीडियो और तस्वीरों का ज़िक्र करते हुए दावा किया कि बड़ी संख्या में पोस्टल बैलेट रिहायशी घरों में पाये गये थे। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में अलग-अलग घरों में 200 से 300 के बीच बैलेट पाए गए। कुछ इलाकों में बैलेट ज़ब्त कर लिए गए हैं। ऐसे भी मामले हैं जहां एक व्यक्ति के नाम पर भेजे गए बैलेट किसी और को मिल रहे हैं। बीएनपी नेता ने कहा कि इस मोड़ पर ये मुद्दे चुनाव प्रक्रिया पर संदेह पैदा करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमने साफ जवाब मांगा है। बीएनपी नेता की यह बात ऐसे समय में आई है, जब विपक्षी पार्टियां बार-बार चेतावनी दे रही हैं कि मतदान प्रक्रिया में कोई भी कमी चुनावों की विश्वसनीयता से समझौता कर सकती है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

पत्रांक : 20/ई0–टेण्डर/4ए दिनांक: 05.01.2026

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 22.01.2026 से दिनांक 30.01.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 30.01.2026 को ही अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	निविदा की जमानत धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (टेण्डर फीस + स्टेशनरी चार्ज+जी0एस0टी0)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों का आवश्यक पंजीकरण
1	2	3	4	5	6	7
1	गुल्लाह सम्पर्क मार्ग के किमी0–1 में पड़ने वाले सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	20.85	2.09	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
2	एम0एफ0 मार्ग से गंगौरा सम्पक मार्ग पर सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	16.15	1.62	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
3	मदनापुर कलान गढ़िया छवि बदायूँ बार्डर मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग सं0–104सी) के किमी0–35 में सोत नदी पर पड़ने वाले सेतु के सुरक्षात्मक कार्य।	29.75	2.98	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
4	एम0एफ0 मार्ग से लक्ष्मणपुर में सोत नदी पर पड़ने वाले आर0सी0सी0 सेतु एवं पहुँच मार्ग पर सुरक्षात्मक कार्य एवं स्टोन पिचिंग मरम्मत का कार्य।	30.00	3.00	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
5	पुवायाँ निगोही तिलहर जैतीपुर दातागंज बदायूँ मार्ग (राज्य मार्ग सं0–126) बहगुल नदी पर पडने वाले पुल की मरम्मत का कार्य।	11.60	1.16	856.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
6	डरी से बरूआ मार्ग के बीच सुकन्ना नदी पर आर0सी0सी0 पुलिया/लघु सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	23.30	2.33	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
7	खजुरी गढ़ी रासो नगरिया से कुठला ब्रहमनगला होते हुये बम्हनी चौकी सम्पर्क मार्ग पर सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	18.25	1.83	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.inपर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP-243929 दिनांक 14.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर

सेक्शन–1

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल बरेली।

पताः– निकट डी0एम0 कम्पाउन्ड, स्टेशन रोड, बरेली।

–:: ई–प्रक्योरमेन्ट सूचना ::–

पत्रांकः–1133/ग्रा0अ0वि0/निविदा–पत्रा0 शाहजहाँपुर/ई–निविदा/2025–26/दिनांकः– 05.01.2026

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–बरेली के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में ए, बी एवं सी श्रेणी भवन में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं। बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वांटिटी की अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित हैं। जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा। निविदादाता निम्न कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है। निविदादाता से अपेक्षा की जाती है कि निविदा डालने से पूर्व निविदा प्रपत्र में अंकित एस0बी0डी0 के अन्तर्गत न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में शर्तो का भलिभाँति अध्यन कर लें।
2. कार्यो से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कुल अनुमानित लागत (लाख रू0 में) जी0एस0टी0 रहित	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र मूल्य + स्टेशनरी + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	शाहजहाँपुर	जनपद–शाहजहाँपुर की तहसील तिलहर में अग्निशमन केन्द्र के प्रशासनिक भवन (अनावासीय भवन) का नव-निर्माण कार्य।	299.11	5.99	2714.00	12 माह	श्रेणी–ए (भवन)
2	शाहजहाँपुर	कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, शाहजहाँपुर के प्रांगण में रिकार्ड रूम, सर्व शिक्षा अभियान कार्यालय तथा कैण्टीन भवन का निर्माण कार्य।	63.58	1.28	2354.00	06 माह	श्रेणी–ए, बी एवं सी (भवन)

3. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि :– 17.01.2026
4. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि एवं समय :– 17.01.2026
5. प्रीबिड मीटिंग की तिथि एवं समय :– 28.01.2026 समय अपराह्न 12:00 बजे
   बैठक हेतु स्थल :– कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल बरेली।
6. बिड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड प्रारम्भ करने की तिथि एवं समय :– 27.01.2026, प्रातः 10:00 बजे
7. ई–निविदा के माध्यम से ई–निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि :– 27.01.2026, प्रातः 10:00 बजे
8. ई–निविदा के माध्यम से ई–निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय :– 16.02.2026, सांयः 04:00 बजे तक
9. ई–निविदा के माध्यम से प्राप्त निविदा निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 16.02.2026, सांयः 04:30 बजे
10. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
11. ई–निविदा ऑनलाईन बेवसाइट *http://etender.up.nic.in* पर उपलब्ध होगी एवं इसी साइट पर डाली जाएगी।
12. निविदा आमंत्रणकर्ता को आई0टी0बी0 के क्लॉज–10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

(राजेश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
परिमण्डल–बरेली।

UP – 243936 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

तुर्की ने पाकिस्तान सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौतों पर चर्चा की

अंकारा, एजेंसी: तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने गुरुवार को कहा कि तुर्की ने पाकिस्तान और सऊदी अरब के साथ एक संभावित रक्षा समझौते पर चर्चा की है, लेकिन अभी तक किसी समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार फिदान से इस्तांबुल में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान जब पूछा गया कि क्या तुर्की एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौते में शामिल हो सकता है तो उन्होंने इस बात की पुष्टि कर दी कि इस संबंध में बातचीत हुई है।

फिदान ने हालांकि इन खबरों को लेकर जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष नहीं निकालने की भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई भी संरचना क्षेत्रीय स्तर पर गहरे विश्वास एवं सहयोग पर निर्भर करेगी। गौरतलब है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बीते साल रियाद यात्रा के दौरान हुए समझौते के अनुसार पाकिस्तान या सऊदी अरब पर होने वाले किसी भी हमले को दोनों देशों के खिलाफ आक्रामक कृत्य माना जाएगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान और तुर्की के बीच दशकों पुराने रक्षा संबंध हैं। तुर्की पाकिस्तानी नौसेना के लिए युद्धपोत बना रहा है। उसने पाकिस्तानी वायु सेना के कई एफ-16 लड़ाकू विमानों को उन्नत बनाने में मदद की है। साथ ही तुर्की ने पाकिस्तान को ड्रोन तकनीक हस्तांतरित भी की है। पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के खिलाफ तुर्की के ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। खबरों के अनुसार, पाकिस्तान ने पिछले वर्ष आठ और नौ मई की रातों में 36 जिलों में तुर्की के 400 सोंगर ड्रोन तैनात किए थे।

डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मुद्दों की जांच के लिए केंद्र ने गठित की उच्चस्तरीय समिति

गृह मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी, समिति में कई केंद्रीय मंत्रालय और एजेंसियों के उच्चाधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि उसने 'डिजिटल अरेस्ट' मामलों से जुड़े मुद्दों की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की है। पिछले साल दिसंबर में सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपती की शिकायत का स्वतः संज्ञान लेते हुए सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट के मामलों की देशव्यापी एकीकृत जांच करने का निर्देश दिया था। साथ ही कोर्ट ने साइबर अपराध के मामलों से निपटने के तरीकों पर गृह मंत्रालय समेत विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों से भी राय मांगी थी।

गृह मंत्रालय ने शीर्ष कोर्ट को बताया कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों की व्यापक जांच के लिए विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय अंतर विभागीय समिति का गठन किया गया है। समिति को सौंपे गए कार्यों में प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा सामना किए जाने वाले 'रियल टाइम' मुद्दों की जांच करना, न्याय मित्र की सिफारिशों और अदालत के निर्देशों पर विचार करना, संबद्ध कानूनों, नियमों, परिपत्रों और कार्यान्वयन की कमियों की पहचान करना, सुधारात्मक उपायों का सुझाव देना शामिल है। समिति के सदस्यों में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक, सीबीआई, एनआईए, दिल्ली पुलिस और आई4सी के अधिकारी शामिल हैं।

गृह मंत्रालय ने कहा कि आई4सी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) समिति के सदस्य-सचिव होंगे। इसमें यह भी कहा गया कि समिति की बैठक हर दो सप्ताह में होगी। समिति ने आगे विचार-विमर्श और सुझावों के लिए न्यायालय से एक महीने का समय मांगा, जिसके बाद मामले की आगे की कार्यवाही 20 जनवरी के लिए तय की गई।

पहली बैठक में सीबीआई ने दिया मौद्रिकसीमा तय करने का सुझाव

मंत्रालय ने बताया कि समिति की पहली बैठक 29 दिसंबर को हुई थी, जब सीबीआई ने मामलों के लिए एक मौद्रिक सीमा निर्धारित करने का सुझाव दिया था। गृह मंत्रालय ने बताया कि आई4सी ने सूचित किया है कि रकम की निकासी को तत्काल रोकने एवं उसे वापस हासिल करने के लिए एसओपी पर अंतिम रूप से विचार किया जा रहा है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और 1930 हेल्पलाइन के पुनर्गठन पर भी सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। समिति ने पीड़ित को मुआवजे के लिए न्याय मित्र के सुझाव पर भी विचार किया और इस बात पर सहमति जताई कि ऐसी राहत तभी दी जा सकती है जब नुकसान लापरवाही के कारण हुआ हो या बैंकों या दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की सेवा में चूक या धोखाधड़ी हुई हो।

सूची से हटाए वोटरों के नाम प्रकाशित करे ईसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को केरल में एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची के मसौदे से हटाए नामों को सार्वजनिक करने का गुरुवार को निर्देश दिया, ताकि प्रभावित मतदाता आपत्ति दर्ज करा सकें। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आयोग से नामों को हटाने के खिलाफ आपत्ति दर्ज करने की समय सीमा को दो सप्ताह तक बढ़ाने पर विचार करने को भी कहा। आयोग के वकील ने दलील दी कि समय सीमा बढ़ाने के मुद्दे पर विचार किया जाएगा। पीठ, केरल में एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं के समूह की सुनवाई कर रही थी। याचिकाओं में कहा गया कि वर्तमान में जिस प्रकार से एसआईआर प्रक्रिया जारी रही है, उसमें तकनीकी त्रुटियों और मजबूत निवारण तंत्र के अभाव से आबादी के बड़े हिस्से के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है।

कोमा में गए बेटे को इच्छामृत्यु पर फैसला सुरक्षित

उच्चतम न्यायालय ने 31-वर्षीय व्यक्ति के पिता की उस याचिका पर गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें 12 साल से अधिक समय से कोमा में गए बेटे के कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरण को हटाकर उसे परोक्ष इच्छामृत्यु देने का अनुरोध किया गया है। याचिका के मुताबिक, हरीश राणा 2013 में इमारत की चौथी मंजिल से गिर गए थे और उनके सिर में गंभीर चोट आईं थी। वह 12 वर्षों से कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र से पेश हुईं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी और याचिकाकर्ता (पिता) अशोक राणा की अधिवक्ता रश्मी नंदकुमार की दलीलें सुनीं।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारतीय जलक्षेत्र में अवैध रूप से घुसी पाकिस्तानी नौका जब्त

अहमदाबाद। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के निकट भारतीय जल क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में एक पाकिस्तानी नौका को जब्त किया है, जिस पर चालक दल के नौ सदस्य सवार थे। गुजरात रक्षा विभाग के पीआरओ विंग कमांडर अभिषेक कुमार तिवारी ने कहा, चौदह जनवरी, 2026 को अरब सागर में गश्त के दौरान भारतीय तटरक्षक बल के एक जहाज ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के निकट भारतीय जलक्षेत्र में मछली पकड़ने वाली एक पाकिस्तानी नाव को देखा जिसने चुनौती दिए जाने पर पाकिस्तानी सीमा की ओर भागने का प्रयास किया। आईसीजी के जहाज ने भारतीय जलक्षेत्र में नाव को रोका और तलाशी लेने के बाद जब्त कर लिया।

एसआईआर के विरोध में प्रदर्शन, सरकारी कार्यालय में तोड़फोड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में एसआईआर को लेकर बृहस्पतिवार को हुए विरोध प्रदर्शनों के उग्र होने पर एक सरकारी कार्यालय में तोड़फोड़ की गई जिसमें एक पुलिस निरीक्षक घायल हो गया। घटना के बाद, निर्वाचन आयोग ने राज्य के जिला प्रशासन को कड़े निर्देश जारी किए हैं। मुर्शिदाबाद के फरक्का से इसी तरह की घटना की रिपोर्ट आने के एक दिन बाद चाकुलिया में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) के कार्यालय में हिंसा भड़क उठी, जो विधानसभा चुनावों से पहले एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बढ़ते राजनीतिक तनाव की ओर इशारा कर रही है। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों जिनमें से अधिकांश को एसआईआर की सुनवाई के लिए नोटिस मिले थे, ने काहता में राज्य राजमार्ग को सुबह से ही अवरुद्ध कर दिया।

मनरेगा जॉब कार्ड नई योजना में भी चलेंगे

नई दिल्ली। मनरेगा जॉब कार्ड वाले श्रमिक नयी ग्रामीण रोजगार योजना 'विकसित भारत-जी राम जी' के लागू होने पर इसके तहत काम प्राप्त कर सकेंगे। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, 'वीबी-जी राम जी' योजना केंद्र द्वारा नियम बनाने और उन्हें अधिसूचित करने के बाद आगामी वित्तीय वर्ष में लागू हो जाएगी। कानून के लागू होने की सटीक समयसीमा हालांकि निर्दिष्ट नहीं की गई है।

चुनाव में मिटने वाली स्याही के उपयोग के आरोपों से गरमाई महाराष्ट्र की राजनीति

विपक्ष ने चुनाव आयोग पर लगाए साठगांठ के आरोप, मुख्यमंत्री फडणवीस ने किया खारिज

मुंबई, एजेंसी

- फडणवीस बोले- हार के लिए ये विपक्ष का पहले से तैयार बहाना
- उद्धव ठाकरे ने की राज्य निर्वाचन आयुक्त के निलंबन की मांग

महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 नगर निकायों के लिए मतदान के बीच सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो की बाढ़ आ गई, जिनमें दावा किया गया था कि एसीटोन जैसे रसायनों का उपयोग कर मतदाताओं की उंगली पर लगाई गई स्याही आसानी से मिटाई जा सकती है। विपक्ष के नेताओं ने इस पर गहरी चिंता जताते हुए आरोप लगाने शुरू कर दिए कि राज्य चुनाव आयोग ने सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन से साठगांठ कर चुनावी अखंडता को कमजोर किया है। हालांकि, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ये आरोप हार के लिए पहले से तैयार किया गया बहाना हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने राज्य चुनाव आयुक्त के निलंबन की मांग की है। मनसे नेता राज ठाकरे ने पूछा, लोग बाहर आते हैं, स्याही पोंछते हैं और फिर से वोट डालने के लिए अंदर जाते हैं। फिर वे बाहर आते हैं, इसे फिर पोंछते हैं और दोबारा प्रवेश करते हैं। क्या इसे ही सरकार विकास कहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को लाभ पहुंचाने के लिए प्रणाली का दुरुपयोग किया जा रहा है। राज ठाकरे ने दादर में वोट डालने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए दावा किया कि मतदाताओं की उंगलियों पर लगे निशान को सैनिटाइजर से पोंछा जा सकता है, जिससे दोबारा मतदान संभव हो जाता है। उन्होंने सरकार और चुनाव प्रशासन पर ऐसे वाकयों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने अपना वोट डालने के बाद एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने दिखाया कि उनकी उंगली पर लगाई गई अमिट स्याही को कथित तौर पर 'नेल पॉलिश रिमूवर' का उपयोग करके हटाया जा सकता है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकंपा-एसपी) के रोहित पवार ने तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की और सवाल किया कि क्या निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री की खरीद भ्रष्टाचार या जानबूझकर बनाए गए दबाव का परिणाम थी। एक टीवी चैनल के पत्रकार ने पनवेल से लौटने के तुरंत बाद अपने स्टूडियो में एसीटोन का उपयोग करके स्याही मिटाने का एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने पनवेल में अपना वोट डाला था।

बीएमसी चुनाव के लिए परिवार के साथ मतदान कर निकलते मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस।

स्याही मिटने की घटनाएं कई जिलों में

उपनगरीय मुम्बई के गोरेगांव, अंधेरी, मलाड, पवई और कांदिवली के विभिन्न बूथों के कई मतदाताओं ने आरोप लगाया कि वोट डालने के बाद उंगलियों पर स्याही लगाने के लिए चुनाव अधिकारियों द्वारा साधारण मार्कर पेन का उपयोग किया गया था। केवल सरकार द्वारा निर्मित अमिट स्याही का उपयोग करने की मानक प्रथा से इस तरह के विचलन को लेकर मतदाताओं ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए। मतदाताओं की उंगलियों पर स्याही के निशान आसानी से मिटने की इसी तरह की घटनाएं कोल्हापुर जिले के साथ-साथ पुणे से भी सामने आईं।

राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा- स्याही की गुणवत्ता की जांच कराएंगे

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने बृहस्पतिवार शाम कहा कि वह बीएमसी चुनावों में मतदान के दौरान मार्कर कलम में इस्तेमाल की गई पक्की स्याही की गुणवत्ता की गहन जांच करेगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने यह भी कहा कि विवाद को देखते हुए आयोग आगे जिला परिषद चुनावों में मार्कर पेन का उपयोग नहीं करेगा, बल्कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक स्याही का उपयोग करेगा जिसका उत्पादन कर्नाटक सरकार की कंपनी मैसूर पेंट्स एंड वार्निश लिमिटेड करती है।उन्होंने कहा, दिन भर वायरल किए गए वीडियो की भी जांच की जाएगी ताकि पता लगाया जा सके कि मतदान के दौरान उंगली पर यह स्याही लगाई गई थी या किसी शरारतपूर्ण तरीके से ऐसा किया। वाघमारे ने कहा, स्याही की गुणवत्ता का फार्मूला को निर्वाचन आयोग ने अंतिम रूप दिया है और एक निजी कंपनी ने राज्य चुनाव आयोग को मार्कर पेन की आपूर्ति की है। हम 2011 से सभी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए इन पेन का उपयोग कर रहे हैं। वाघमारे ने यह भी कहा, अगर स्याही सूखने से पहले मिटाई जाती है तो यह मतदाता की गलती है। ऐसे मतदाताओं के खिलाफ आपराधिक मामला भी दर्ज किया जा सकता है।

झारखंड : ईडी अपने कार्यालय पर पुलिस के छापे के बाद कोर्ट पहुंची

रांची, एजेंसी

- अपने काम में दखलंदाजी का आरोप, सीबीआई से जांच कराने का आग्रह

झारखंड पुलिस द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रांची कार्यालय पर छापेमारी के खिलाफ संघीय एजेंसी ने बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालय का रुख किया। ईडी ने झारखंड उच्च न्यायालय में दाखिल याचिका में कार्यालय में छापेमारी की सीबीआई से जांच कराने का अनुरोध किया और पुलिस द्वारा संघीय एजेंसी के कामकाज में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप का आरोप लगाया है।

पुलिस दिन में रांची स्थित ईडी परिसर में दाखिल हुई थी और तलाशी एवं जब्ती अभियान चलाया था। राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (पीएचईडी) के कर्मी संतोष द्वारा दर्ज कराई गयी प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। संतोष ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि एक मामले में पूछताछ के दौरान ईडी के अधिकारियों ने उसे यातनाएं दीं और दुर्व्यवहार किया। प्राथमिकी के आधार पर रांची पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के परिसर पर छापा मारा और उसके अधिकारियों से पूछताछ की। इस मामले की सुनवाई 16 जनवरी को दोबारा होनी है।

ईडी ने अपने अफसर पर रिश्वत का आरोप लगाने वाले को गिरफ्तार किया

कोच्चि/नई दिल्ली। ईडी ने राज्य में तैनात एजेंसी के एक अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाले केरल के एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। कोल्लम निवासी अनीश बाबू को एजेंसी के कोच्चि कार्यालय में पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया और उसके खिलाफ काजू निर्यात से जुड़े धन शोधन मामले में कार्रवाई की गई। ईडी ने आरोप लगाया कि जांच के दौरान बाबू टालमटोल कर रहा था तथा तंजानिया से कच्चे काजू के आयात का झूठा वादा कर व्यापारियों से धन लेने और अपराध की कमाई के इस्तेमाल तथा उसे विदेश में रखने की जानकारी देने में विफल रहने के कारण उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

और साक्ष्य पेश करने हाईकोर्ट पहुंची पीड़िता

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उन्नाव दुष्कर्म मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ कुलदीप सेंगर की ओर से दायर अपील में और तथ्य रिकॉर्ड पर लाने के लिए पीड़िता ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। अर्जी में पीड़िता ने कहा कि वह अदालत के समक्ष ऐसे तथ्य और दस्तावेज पेश करना चाहती है जो हालिया घटनाक्रमों के साथ उसे और परिवार के खतरे को दर्शाते हैं।

अर्जी में यह भी अनुरोध किया गया है कि उसके स्कूल के दो अधिकारियों के बयान दर्ज किए जाएं, ताकि उसकी जन्मतिथि सत्यापित हो सके। पीड़िता ने आरोप लगाया कि सेंगर ने जांच प्रभावित करने के लिए उसकी उम्र से संबंधित फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया, जिन्हें अपील में आधार बनाया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने पाया कि अपील सुनवाई के अंतिम चरण में है और पीड़िता की अर्जी पर विचार के लिए 25 फरवरी की तारीख तय की।

कोलकाता में एक और बीएलओ फंदे पर लटका मिला, बुजुर्ग की भी मौत

कोलकाता। कोलकाता में एक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) ने एसआईआर के कथित दबाव में फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। इसके अलावा मुर्शिदाबाद जिले में एक बुजुर्ग की भी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने बताया कि बीएलओ की पहचान अशोक दास के रूप में हुई है, जो कोलकाता के दक्षिणी भाग में स्थित मुकुंदपुर इलाके में अपने आवास पर फांसी के फंदे से लटका मिला। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हाई स्कूल में सहायक शिक्षक अशोक दास को एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि एसआईआर से संबंधित कार्यों के कारण उनपर अत्यधिक दबाव था। दूसरी घटना में, दूसरी घटना में मुर्शिदाबाद जिले के समसेरगंज में 60 वर्षीय पुतु शेख की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। उनके परिवार ने आरोप लगाया कि एसआईआर सुनवाई नोटिस के दबाव के कारण उनकी मृत्यु हुई।

जल्लीकट्टू शुरू, 32 घायल

मदुरै। मदुरै के अवनियापुरम में सांडों को काबू करने की प्रतियोगिता जल्लीकट्टू के दौरान गुरुवार को 32 लोग घायल हो गए। पोंगल 2026 फसल कटाई उत्सव सत्र में होने वाली सांड काबू करने की तीन प्रमुख पारंपरिक प्रतियोगिताओं में से पहली प्रतियोगिता यहां अवनियापुरम में गुरुवार को शुरू हुई, जिसमें 550 लोग अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। मदुरै में आयोजित तीन दिवसीय जल्लीकट्टू उत्सव में भाग लेने के लिए 1,100 सांडों और सांड काबू करने वालों का पंजीकरण हुआ है। पांचवें दौर के अंत तक 464 सांड छोड़े गए, जिनमें 275 काबू में नहीं आए और 189 सांड पर काबू पा लिया गया। इस दौरान घायल हुए 32 लोगों में एक दर्शक, सांड काबू करने वाले 17 लोग और 14 सांड मालिक हैं। इनमें से पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। नीदरलैंड जापान सहित कुछ अन्य देशों के लोग भी यह प्रतियोगिता देखने पहुंचे।

पायलटों के संगठन ने जांच के संबंध में एएआईबी को कानूनी नोटिस भेजा

मुंबई, एजेंसी

अहमदाबाद विमान दुर्घटना

- मारे गए पायलट सुमित सभरवाल के भाई को तलब करने का मामला

भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) को सुमित सभरवाल के रिश्तेदार को तलब करने के संबंध में कानूनी नोटिस भेजा है। सुमित सभरवाल उन दो पायलट में से एक थे जिनकी पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

दुर्घटना की जांच के सिलसिले में एएआईबी ने दिवंगत सभरवाल के रिश्तेदार और एयर इंडिया के 'नैरो-बॉडी' विमान पायलट कैप्टन वरुण आनंद को तलब किया है। आनंद एफआईपी के सदस्य भी हैं। एफआईपी ने 11 जनवरी को एएआईबी को भेजे गए कानूनी नोटिस में कहा, कैप्टन वरुण आनंद उक्त दुर्घटना के संबंध में न तो तथ्यात्मक गवाह हैं, न ही तकनीकी गवाह और न ही विशेषज्ञ गवाह।

एसोसिएशन ने कहा है कि कैप्टन वरुण आनंद को बुलाने का एकमात्र आधार मृतक पायलट-इन-कमांड के साथ उनका पारिवारिक संबंध प्रतीत होता है, जो कानूनन अस्वीकार्य है और इस प्रकार उन्हें बुलाना मनमाना और निराधार है। एएआईबी ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में कहा कि विमान (दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच) नियम 2025 के अनुसार, जांचकर्ता को जांच से संबंधित किसी भी गवाह को बुलाने और उससे पूछताछ करने का अधिकार है।

प्रेस को डराने के लिए छापे मार रही है पंजाब की आप सरकार

जालंधर, एजेंसी

- पंजाब केसरी समूह ने सीएम मान को पत्र लिखकर लगाया आरोप

पंजाब केसरी अखबार समूह ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि प्रवर्तन अधिकारी लगातार छापेमारी के जरिए उसे निशाना बना रहे हैं। समूह ने यह भी कहा कि यह सिलसिला राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक के खिलाफ विपक्ष के आरोपों पर एक संतुलित और निष्पक्ष रिपोर्ट प्रकाशित होने के साथ शुरू हुआ है।

अखबार समूह ने आरोप लगाया कि उसे और उसके सहयोगियों को प्रेस को डराने के मकसद से निशाना बनाकर ये छापे मारे गए। आम आदमी पार्टी और राज्य सरकार से इन आरोपों पर फिलहाल कोई जवाब नहीं मिल सका। विजय कुमार चोपड़ा, अविनाश चोपड़ा और अमित चोपड़ा द्वारा हस्ताक्षरित पत्र के प्रारंभ में कहा गया, हम हाल के कुछ घटनाक्रमों के संबंध में अपनी गहरी चिंता और पीड़ा व्यक्त करने के लिए लिख रहे हैं, जिनसे यह गंभीर आशंका उत्पन्न होती है कि पंजाब सरकार प्रेस को डराने के लिए किसी बाहरी मकसद से पंजाब केसरी समूह और उसके सहयोगियों को विशेष रूप से निशाना बना रही है। मान से अनुरोध किया गया है कि वह इस मामले की तत्काल जांच करें और जल्द आवश्यक कार्रवाई करें।

पत्र में दावा किया गया है कि घटनाक्रम की शुरुआत 31 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित एक समाचार से हुई, जो पंजाब में सत्तारूढ़ दल के राष्ट्रीय संयोजक के संबंध में विपक्ष के आरोपों पर एक बहुत ही संतुलित और निष्पक्ष रिपोर्ट थी। इसके बाद, 2 नवंबर 2025 से पंजाब सरकार ने पंजाब केसरी समूह को दिए जाने वाले सभी विज्ञापनों पर रोक लगा दी। निष्पक्ष रिपोर्टिंग जारी रखने पर छापे मारने शुरू कर दिए गए।

सिख परंपराओं पर टिप्पणी के लिए अकाल तख्त के समक्ष पेश हुए मुख्यमंत्री मान

अमृतसर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सिख परंपराओं और सिद्धांतों के बारे में कथित टिप्पणियों को लेकर तलब किए जाने के बाद गुरुवार को तख्त सचिवालय के समक्ष पेश हुए। उन्होंने गुरुवार को अकाल तख्त सचिवालय में पेश होने से पहले स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। मान ने बताया कि उन्होंने स्पष्टीकरण अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज्ज को सौंप दिया है। जवाब की विस्तृत जांच की जाएगी, जिसके बाद निर्देश दिए जाएंगे। मान ने कहा कि वह एक धर्मनिष्ठ सिख के रूप में स्पष्टीकरण देने को अकाल तख्त सचिवालय के समक्ष उपस्थित हुए और वह किसी भी निर्देश का पालन करेंगे। जत्थेदार गरगज्ज ने 5 जनवरी को गुरु की गोलक (गुरुद्वारे की दानपेटी) पर टिप्पणी और सिख गुरुओं व आतंकी जरनैल सिंह भिंडरांवाले की तस्वीरों के संबंध में लिप्त पाए जाने के आरोप में तलब किया था।

जन नायकन निर्माता सीबीएफसी मंजूरी को हाईकोर्ट जाएं

नई दिल्ली। विजय-अभिनीत फिल्म जन नायकन की रिलीज टलती जा रही है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्देश देने संबंधी फिल्म निर्माता की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी तथा उन्हें 20 जनवरी को फिर से मद्रास हाईकोर्ट के समक्ष जाने को कहा।

केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी ने मद्रास हाईकोर्ट के उस अंतरिम आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें तमिल फिल्म जन नायकन को प्रमाण-पत्र जारी करने के एकल-न्यायाधीश के निर्देश पर रोक लगा दी गई थी।

सुरक्षा चिंता

पावर इंजीनियर एसोसिएशन ने केंद्र के फैसले पर उठाए सवाल, कड़ी आलोचना की

शांति एक्ट 2025 में सुरक्षा नजरंदाज, निवेश को प्राथमिकता

जालंधर, एजेंसी

केंद्र सरकार की ओर से परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए लाए गए शांति एक्ट 2025 की ऑल इंडिया पावर इंजीनियर एसोसिएशन ने कड़ी आलोचना की है। एसोसिएशन ने कहा है कि एटॉमिक एनर्जी एक्ट 1962 और सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट 2010 की जगह लाया गया यह नया कानून सुरक्षा और जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं से समझौता कर केवल निवेश को प्राथमिकता देता है।

- पुराने कानून की जगह लाए गए एक्ट में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागेदारी को बढ़ावा देने का किया गया है प्रावधान

एसोसिएशन के प्रवक्ता वीके गुप्ता ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार ने इतने गंभीर कानून को बिना किसी सेलेक्ट कमेटी से जांच कराए विपक्ष के विरोध और वॉकआउट के बीच जल्दबाजी में पारित कर दिया है। गुप्ता के अनुसार, नए कानून में सप्लायर की जिम्मेदारी को पूरी तरह हटा दिया गया है और केवल ऑपरेटरों की जवाबदेही तय की गई है, वह भी प्लांट की क्षमता के आधार पर सीमित है न कि दुर्घटना से होने वाले वास्तविक नुकसान के आधार पर।

एसोसिएशन ने कहा कि ऑपरेटर की जिम्मेदारी को 100 करोड़ से 3,000 करोड़ रुपये तक सीमित करना 'पॉल्यूटर पेज प्रिंसिपल' का उल्लंघन है और यह 1984 की भोपाल गैस त्रासदी जैसे कड़वे अनुभवों से सीख न लेने जैसा है। यह एक्ट लोगों की जिंदगी की सुरक्षा के साथ पर्यावरण पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

लाखों जिंदगी के लिए खतरा, जवाबदेही मामूली

एसोसिएशन का कहना है कि यदि किसी बड़े रिएक्टर में दुर्घटना होती है, तो उसके रेडियोएक्टिव प्रभाव से लाखों लोगों की जान जा सकती है और वर्षों तक आर्थिक व कृषि गतिविधियां ठप हो सकती हैं, ऐसी स्थिति में जवाबदेही की यह राशि ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। इसके अतिरिक्त, बिजली कर्मचारियों ने इस एक्ट के तहत निजी न्यूक्लियर प्लांट्स को ''मस्ट-रन'' का दर्जा दिए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। इसका अर्थ यह है कि बाजार में बिजली के सस्ते स्रोत उपलब्ध होने के बावजूद सरकार को इन निजी स्टेशनों से बिजली खरीदना अनिवार्य होगा, जिसका बोझ अंततः जनता पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि सप्लायर की जवाबदेही खत्म होने और कम जुर्माने के प्रावधानों से सार्वजनिक सुरक्षा और पर्यावरण के लिए गंभीर जोखिम पैदा हो सकते हैं।

हम सभी ईश्वर से दया की प्रार्थना करते हैं और वही प्रार्थना हमें दया करना भी सिखाती है।
–विलियम शेक्सपियर, अंग्रेजी साहित्यकार

उल्लेखनीय उपलब्धि

नीति आयोग के लगभग 70 संकेतकों के आधार पर तैयार एक्सपोर्ट प्रीपेयर्डनेस इंडेक्स यानी निर्यात तैयारी सूचकांक में उत्तर प्रदेश का चौथा स्थान ऐतिहासिक उपलब्धि है। परंपरागत रूप से तटीय और औद्योगिक रूप से विकसित राज्यों जैसे महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात की निर्यात क्षमता अधिक होना स्वाभाविक है, लेकिन उत्तर प्रदेश का दो वर्षों में सातवें से चौथे पायदान तक पहुंचना दर्शाता है कि राज्य के निर्यात-समर्थ अवसंरचना और नीतिगत सुधार पर केंद्रित प्रयास सफल रहे हैं। उत्तराखंड ने भी इस सूचकांक में छोटे राज्यों की श्रेणी में पहला स्थान प्राप्त किया है, यह दर्शाता है कि सीमित भौगोलिक और संसाधन बाधाओं के बावजूद नीति-प्रेरित सुधार और बेहतर व्यापार वातावरण से कैसे सफलता पाई जा सकती है। हिमालयी राज्य ने निर्यात के लिए अनुकूल नीतियों तथा स्थानीय स्किलिंग पर ध्यान देकर यह सफलता हासिल की है। यह बेहद महत्वपूर्ण है कि उत्तर प्रदेश लैंडलॉक्ड राज्य होते हुए भी चौथे स्थान पर पहुंचा है।

पारंपरिक तटीय राज्यों की तुलना में यहां निर्यात-लॉजिस्टिक्स खर्च अधिक होने की समस्या है, लेकिन बेहतर रोड-कनेक्टिविटी, ड्राई पोर्ट और कंटेनर बेस्ड लॉजिस्टिक्स हब तथा लॉजिस्टिक्स सुधारों ने निर्यातकों को महत्वपूर्ण समर्थन दिया। बेशक यह सफलता उक्त प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के विजनरी नेतृत्व, नीति-निर्माण और सुशासन की क्षमता का परिणाम है। निर्यात सूचकांक में बेहतर रैंकिंग ने यह साफ किया है कि प्रदेश ने नीतिगत सुधारों, अवसंरचनात्मक निवेश तथा व्यापार-मैत्री वातावरण के निर्माण में उठाए महत्वपूर्ण कदम कारगर रहे और अब उत्तर प्रदेश देश के निर्यात मानचित्र पर 'ग्लोबल हब' के रूप में उभरने जा रहा है। प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट-वन उत्पाद, कॉमन फैसिलिटी सेंटर्स, माल भाड़ा व्यय प्रतिपूर्ति, गुणवत्ता प्रमाणीकरण सहायता तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्डिंग ने उत्पादकों और निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लायक बनाया, तो उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो जैसी पहल ने स्थानीय उत्पादकों को सीधे विदेशी खरीदारों से जोड़ने का अवसर दिया। पारंपरिक हस्तशिल्प, फार्मा, खाद्य प्रसंस्करण तथा कृषि वस्तुओं के निर्यात आदेशों में अपेक्षित वृद्धि दर्ज की गई। इन प्रयासों ने न केवल उत्पादों के निर्यात में मदद की, बल्कि प्रदेश के ब्रांड वैल्यू को भी वैश्विक स्तर पर मजबूती देने के साथ ही सूचकांक में सूचकांक के बिजनेस इकोसिस्टम, निर्यात अवसंरचना जैसे अवयवों में बेहतर स्कोर दिलाया। निर्यात राज्यों की अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन होता है। इससे विदेशी मुद्रा का संचय होने के अलावा व्यापार घाटा भी कम होता है और बाहरी निवेश आकर्षित होता है। हालांकि यह सूचकांक संबंधी उपलब्धि एकाकी प्रमाण नहीं है, पर यह संकेत अवश्य देता है कि नीति, अवसंरचना, तथा व्यापार सुविधाओं में सुधर स्पष्ट है और निर्यात वातावरण अधिक प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है, जिसके चलते निर्यात प्रदर्शन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स, सर्विस एक्सपोर्ट्स, टेक्नोलॉजी-आधारित उत्पादन तथा वैश्विक बाजारों में विविधीकरण पर निरंतर ध्यान आवश्यक है। उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड के बेहतर प्रदर्शन से इन राज्यों में औद्योगिक निवेश एवं रोजगार अवसरों के बढ़ने की संभावना बनी है, जिससे राजस्व में वृद्धि होगी तो सामाजिक एवं बुनियादी सुविधाओं पर अधिक व्यय संभव होगा।

प्रसंगवश

दूषित जल स्रोतों से कैसे पहुंचेगा घरों में स्वच्छ जल

इंदौर के एक मुहल्ले भागीरथपुर में लगातार हो रही मौतों की संख्या बढ़कर 23 हो गई, तो उधर गुजरात की राजधानी गांधी नगर के कुछ इलाकों और आदिवाड़ा क्षेत्रों में दूषित पानी पीने से कई सौ लोगों को पीलिया और टाइफाइड होने के बाद कोहराम है। अधिकांश बीमार बच्चे हैं और अस्पताल में हैं। इसी दौरान अब देशभर से घर में आ रहे नल के जल के असुरक्षित होने के समाचारों का अंबार है। दुर्भाग्य है कि केंद्र सरकार की 2015 में शुरू की गई अटल मिशन या अमृत-1 योजना में पाइप डालने और टंकी खड़े करने पर सन 2021 तक 72,656 करोड़ रुपये खर्च हुए और उसके बाद अमृत-2 में भी भारी भरकम व्यय हो रहा है, लेकिन तैयार संरचनाओं के रखरखाव, गुणवत्ता निर्धारण पर सभी जगह बेपरवाही देखी गई। केंद्र सरकार के बजट से योजनाएं तो तैयार हो गईं, लेकिन स्थानीय निकाय उनके निर्धारित मानक पर काम नहीं कर पा रहे। देश की राजधानी दिल्ली में ही अमृत-1.0 के तहत जल आपूर्ति, सीवरेज और शहरी बुनियादी ढांचे पर कुल 266 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए। इनमें 215 करोड़ रुपये जल आपूर्ति पर खर्च हुए। इसके बावजूद दिल्ली की कोई 10 प्रतिशत आबादी के घर तक नल नहीं पहुंच पाए। दिल्ली जल बोर्ड के दिसंबर 2025 के सैंपल टेस्ट में 33 नमूने फेल हुए, जिसमें भलस्वा, जनकपुरी, अशोक नगर के साथ गांधी नगर जैसे क्षेत्रों में गंदा पानी पाया गया। यमुना प्रदूषण, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन और अनुपचारित सीवेज मिश्रण से टीडीएस, कैल्शियम व सल्फेट स्तर मानक से अधिक है। समझना होगा कि दिल्ली में जल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा भू-जल है। भलस्वा, गाजीपुर और ओखला के साथ ही बवाना में इंजीनियर सैनिटरी लैंडफिल के पास का भूजल दूषित बना हुआ है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) की 76 वीं रिपोर्ट बताती है कि देश में 82 करोड़ लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक पानी मिल नहीं पा रहा है। देश के महज 21.4 फीसदी लोगों को ही घर तक सुरक्षित जल उपलब्ध है। सबसे दुखद है कि नदी-तालाब जैसे भूतल जल का 70 प्रतिशत बुरी तरह प्रदूषित है। सरकार भी स्वीकार रही है कि 78 फीसदी ग्रामीण और 59 प्रतिशत शहरी घरों तक स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं हैं। सारे देश के शहरी इलाकों में नल से आ रहे पानी के दूषित होने के लगभग एक जैसे कारण हैं। पहले से दूषित स्रोत से घर तक पानी के पहुंचने के रास्ते में सबसे बड़े पड़ाव 'बड़ी पानी की टंकी' या फिर 'जलाशय' खुद बीमार रहते हैं।

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

पर्यावरण मंत्रालय और केंद्रीय एजेंसी 'एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली' (आईएमआईएस) द्वारा सन 2018 में पानी की गुणवत्ता पर करवाए गए सर्वे के मुताबिक राजस्थान में सबसे ज्यादा 19,657 बस्तियां और यहां रहने वाले 77.70 लाख लोग दूषित जल पीने से प्रभावित हैं। आईएमआईएस के मुताबिक पूरे देश में 70,736 बस्तियां फ्लोराइड, आर्सेनिक, लौह तत्व और नाइट्रेट सहित अन्य लवण एवं भारी धातुओं के मिश्रण वाले दूषित जल से प्रभावित हैं। इस पानी की उपलब्धता के दायरे में 47.41 करोड़ आबादी आ गई है। यह कड़वा सच है कि भारत इस समय तेजी से शहरीकरण की तरफ भाग रहा हैं और अधिकांश अनियोजित शहरीकरण। शहरी नियोजन का प्राथमिक सिद्धांत कहता है कि पीने के पानी और सीवर की लाइनें कभी भी एक-दूसरे के इतने करीब नहीं होनी चाहिए कि एक का रिसाव दूसरे को 'जहर' बना दे। बहुत से शहरों में स्मार्ट सिटी के नाम पर भी कई करोड़ खर्च हो चुके हैं। हाल की घटनाओं ने सारे देश को चेतावनी दे दी है कि जब तक 'जमीन के ऊपर' की सफाई 'जमीन के नीचे' की सुरक्षा के साथ कदम से कदम मिलाकर नहीं चलेगी, तब तक 'स्वच्छता या स्मार्ट' के ये पदक अधूरे ही रहेंगे।

भारत के लिए चिंता का विषय ईरान का संकट

विवेक सक्सेना
अयोध्या

दिसंबर 2025 के अंत में ईरान में आर्थिक संकट के खिलाफ शुरू हुआ व्यापक विरोध-प्रदर्शन न सिर्फ राजनीतिक परिवर्तन की मांग में तब्दील हो गया है, बल्कि इसने इस इस्लामिक गणराज्य के समक्ष हाल के वर्षों की सबसे गंभीर आंतरिक चुनौती खड़ी कर दी है। हालात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) के अनुसार हिंसक झड़पों में अब तक 2,572 लोगों की मौत हो जाने और 10 हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लेने का दावा किया जा रहा है।

सुरक्षा की स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि भारत ने ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों से बुधवार को देश छोड़ने के लिए कह दिया है। विदेश मंत्रालय ने पांच जनवरी को जारी पिछले परामर्श में अपने नागरिकों से ईरान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने का आग्रह किया था। साथ ही ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) से सावधानी बरतने और प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में जाने से बचने को कहा था। वहीं ईरान के प्रधान न्यायाधीश ने सरकार विरोधी राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई और फांसी की सजा देने की बात कही है। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई खुद प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दे चुके हैं। ईरान में हो रहे प्रदर्शनों से पश्चिम एशिया में भी व्यापक तनाव पैदा हो गया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों पर क्रूर कार्रवाई के खिलाफ तेहरान को चेतावनी दी है।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि "मदद पहुंचने वाली है।" महंगाई, मुद्रा अवमूल्यन और आर्थिक कुप्रबंधन के खिलाफ दिसंबर 2025 में तेहरान में शुरू हुआ यह जनाक्रोश ईरान के सभी 31 प्रांतों में 300 से अधिक स्थानों पर फैलकर एक राजनीतिक संकट में बदल गया, जिसमें प्रदर्शनकारी खुलकर सत्ता परिवर्तन की मांग कर रहे हैं।

ईरान का मौजूदा संकट यही दर्शाता है कि आर्थिक कुप्रबंधन और राजनीतिक कठोरता के दीर्घकालिक रणनीतिक परिणाम होते हैं। प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाया जा रहा नारा 'न गाजा, न लेबनान, ईरान के लिए मेरी जान' यह इस बात का साफ संकेत देता है कि यहूदी विरोध की नीति यहूदी विरोधी को ही खत्म कर देती है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकियन ने संयम बरतने और हिंसा से बचने की अपील की है, वहीं न्यायपालिका, सुरक्षा तंत्र और सर्वोच्च नेतृत्व का रुख कहीं अधिक सख्त है। यह संकट से निपटने में शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर असहमति को भी दर्शाता है। यूरोपीय देशों, आस्ट्रेलिया और कनाडा ने भी बल प्रयोग, मनमानी गिरफ्तारियों और इंटरनेट बंदी की निंदा की है। इसके जवाब में तेहरान ने अमेरिका और इजरायल पर विरोध भड़काने का आरोप लगाया है और समूचे घटनाक्रम को विदेशी साजिश बताया है।

इस पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत के लिए भी यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। ईरान में अस्थिरता से भारत के रणनीतिक और कुछ हद तक आर्थिक हित भी प्रभावित हो सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ईरान भारतीय बासमती चावल का सबसे बड़ा खरीदार है और वर्तमान अशांति से इसके निर्यात पर भी कुछ असर पड़ रहा है। इसके साथ ही ऐसी ही एक चिंता ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ से जुड़ी है। इससे भी बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना को लेकर है, जिसमें भारत ने करीब 50 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। यह बंदरगाह भारत के लिए पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक पहुंच प्रदान करता है। यह 'कनेक्ट सेंट्रल एशिया' नीति का अहम स्तंभ और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे यानी आइएनएसटीसी का प्रमुख हिस्सा है, जिससे परिवहन समय और लागत में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। ईरान में लंबे समय तक चलने वाली अस्थिरता इस परियोजना की समयसीमा, निरंतरता और रणनीतिक मूल्य को प्रभावित कर सकती है। चाबहार को पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह में चीन की मौजूदगी के संतुलन के रूप में भी देखा जाता रहा है। यदि ईरान में अस्थिरता लंबे समय तक बनी रहती है, तो बीजिंग को वहां अपने प्रभाव विस्तार का अवसर मिल सकता है।

भारत के ऊर्जा हित भी इस परिदृश्य से जुड़े हैं। प्रतिबंधों के कारण भले ही हाल के वर्षों में ईरान से ऊर्जा आयात सीमित रहा हो, लेकिन क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों में ईरान की भूमिका अहम बनी हुई है। राजनीतिक अस्थिरता भविष्य के ऊर्जा सहयोग को और जटिल बना सकती है। इन परिस्थितियों में भारत की कूटनीतिक रणनीति संतुलित और व्यावहारिक रही है। जनवरी के मध्य में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची की संभावित भारत यात्रा इसी दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिसमें चाबहार, क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार और पश्चिम एशिया के व्यापक मुद्दों पर चर्चा की संभावना है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है 'ग्लोबल साउथ' की एक प्रमुख आवाज होने के नाते भी इस मामले में उसकी भूमिका अहम हो जाती है। इसमें भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे और वह भी ईरान के आंतरिक संघर्षों या महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में उलझे बिना।

> इस पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत के लिए भी यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

आमने

हमने ब्राह्मण समाज को हमेशा सम्मान और प्रतिनिधित्व दिया है। ब्राह्मण समाज को किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए और न ही किसी तरह के प्रलोभन में फंसना चाहिए। मौजूदा राजनीतिक माहौल में सतर्क रहने की जरूरत है और अपने हितों की रक्षा के लिए सही राजनीतिक विकल्प चुनना चाहिए।

– **मायावती**, बसपा प्रमुख

सामने

भाजपा ने हमेशा हर वर्ग को साथ लेकर चलने का काम किया है। हमें यह साबित करने के लिए बसपा या किसी और पार्टी के प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है कि हम ब्राह्मण समाज का सम्मान करते हैं। भाजपा की सरकारों में ब्राह्मण समाज को न केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिला है, बल्कि प्रशासनिक और संगठनात्मक स्तर पर भी उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं।

– **पंकज चौधरी**, अध्यक्ष भाजपा उप्र

बाघों के संरक्षण की सफलता या संघर्ष की शुरुआत

डॉ .जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारत में बाघों की स्थिति आज एक गहरे और असहज विरोधाभास से गुजर रही है। एक ओर हम गर्व के साथ यह कहते नहीं थकते कि दुनिया में सबसे अधिक बाघ भारत में हैं, वहीं दूसरी ओर जमीन पर घट रही घटनाएं इस दावे की खोखली सच्चाई को उजागर कर रही हैं। हाल ही में गुजरात में 36 बाघों की खाल का बरामद होना और पिछले वर्ष देशभर में 166 बाघों का मृत पाया जाना, जिसमें से 55 तो टाइगर राज्य का दर्जा प्राप्त मध्य प्रदेश से ही हैं। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि चेतावनी हैं, एक ऐसी चेतावनी, जिसे अगर अब भी नजरअंदाज किया गया, तो आने वाले वर्षों में बाघ संरक्षण की पूरी कहानी ही सवालों के घेरे में आ जाएगी।

आज जब दुनिया के कई देशों से बाघ लगभग विलुप्त हो चुके हैं, तब भारत यह दावा करता है कि उसके पास विश्व की सबसे बड़ी बाघ आबादी है, लेकिन इसी सफलता के बीच एक डरावना प्रश्न खड़ा हो गया है, क्या यह सचमुच संरक्षण की जीत है या गहरे संघर्ष की शुरुआत? पिछले वर्ष देश में 166 बाघों की मौत इस प्रश्न को और तीखा बना देती है। गुजरात में 36 बाघों की खाल का मिलना केवल एक राज्य या एक गिरोह का मामला नहीं है। यह अंतर्राष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी नेटवर्क, कमजोर निगरानी व्यवस्था और संरक्षण तंत्र की गंभीर चूक की ओर इशारा करता है। बाघ की खाल, हड्डियां और अन्य अंग आज भी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में महंगे दामों पर बिकते हैं। खालों की बरामदगी यह भी बताती है कि संरक्षण केवल जंगलों तक सीमित नहीं रह सकता। यह एक कानून-व्यवस्था, सीमा सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का मुद्दा भी है। जब तक तस्करी के पूरे नेटवर्क को जड़ से नहीं उखाड़ा जाएगा, तब तक केवल निचले स्तर के अपराधियों को पकड़ने से कोई ठोस परिणाम नहीं निकलेगा। बाघ के अंगों की तस्करी आज भी एक बड़ा संगठित अपराध है, जिसे अक्सर उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता, जितनी जरूरत है। सवाल यह है कि यह सब हमारी आंखों के सामने कैसे चलता रहा?

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि भारत में बाघों की संख्या बढ़ी है। आरंभिक वर्षों में जहां बाघों की संख्या सिमटकर कुछ हजारों तक आ गई थी, वहीं आज यह संख्या चार हजार के आसपास बताई जाती है। इस उपलब्धि को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सराहा गया। संरक्षित वन क्षेत्र बढ़े, टाइगर रिजर्व बनाए गए, शिकार पर कड़े कानून लागू हुए और बाघ संरक्षण को राष्ट्रीय गौरव का विषय बनाया गया, लेकिन इसी के समानांतर जो सच्चाई उभर रही है, वह बेहद चिंताजनक है- बाघों की मौतें, मानव-वन्यजीव संघर्ष, आक्रामकता के बढ़ते मामले और जंगलों से बाहर भटकते बाघ। पिछले साल 166 बाघों की मौत कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है, जो राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के द्वारा जारी किया गया है। यह संख्या कई सवाल खड़े करती है। क्या ये मौतें प्राकृतिक थीं? क्या बीमारी, आपसी संघर्ष और वृद्धावस्था इसके कारण थे? या फिर यह आंकड़ा उस व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है, जो संरक्षण के नाम पर केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित रह गई है?

वास्तविकता यह है कि इन मौतों में शिकार, जहर, ट्रेन और सड़क दुर्घटनाएं, अवैध विद्युत तार, मानव-बाघ संघर्ष और कुप्रबंधन जैसे कारण शामिल हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम बाघ को बचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय समुदायों को संरक्षण का भागीदार नहीं बना पाते। जब तक गांव, वनवासी और किसान यह महसूस नहीं करेंगे कि बाघ उनके लिए बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा है, तब तक यह संघर्ष चलता रहेगा। बाघों की बढ़ती आक्रामकता पर अक्सर सनसनीखेज बहस होती है, लेकिन बहुत कम लोग यह सवाल उठाते हैं कि क्या आक्रामकता वास्तव में बाघ में बढ़ रही है या हम उसके प्राकृतिक व्यवहार को असामान्य परिस्थितियों में देख रहे हैं? भूखा बाघ, घायल बाघ या अपने क्षेत्र से विस्थापित बाघ स्वाभाविक रूप से जोखिम भरा हो सकता है। यह उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी मजबूरी है।

संरक्षण की सफलता का सही पैमाना केवल बाघों की संख्या नहीं हो सकती। यदि संख्या बढ़ने के साथ मौतें भी बढ़ें, संघर्ष भी बढ़े और जंगल भी सिकुड़ें, तो यह सफलता अधूरी है। पिछले साल 166 बाघों की मौत हमें चेतावनी देती है कि हम एक खतरनाक मोड़ पर खड़े हैं। यदि समय रहते नीतियों में बदलाव नहीं किया गया, तो यह संघर्ष और गहराएगा। समाधान आसान नहीं हैं, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, बाघों के प्राकृतिक गलियारों को सुरक्षित करना होगा ताकि वे एक जंगल से दूसरे जंगल तक सुरक्षित आवागमन कर सकें। सड़क और रेल परियोजनाओं में वन्यजीव अनुकूल ढांचों को अनिवार्य बनाना होगा। स्थानीय समुदायों को संरक्षण का साझेदार बनाना होगा।

संरक्षण को केवल वन विभाग की जिम्मेदारी मानने के बजाय, इसे सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। स्कूलों से लेकर पंचायतों तक यह समझ विकसित करनी होगी कि बाघ बचेगा तो जंगल बचेगा और जंगल बचेगा तो जीवन बचेगा। बाघ आज भी हमारे जंगलों का राजा है, लेकिन राजा तभी सुरक्षित रहता है जब उसका राज्य सुरक्षित हो। यदि जंगल सुरक्षित नहीं होंगे, तो बाघ भी नहीं बचेगा। अब समय आ गया है कि हम संरक्षण को दिखावे से निकालकर संवेदनशील, वैज्ञानिक और मानवीय दृष्टिकोण के साथ लागू करें। तभी यह कहा जा सकेगा कि बाघों का संरक्षण वास्तव में सफलता की कहानी है, न कि संघर्ष की शुरुआत।

> आज जब दुनिया के कई देशों से बाघ लगभग विलुप्त हो चुके हैं, तब भारत यह दावा करता है कि उसके पास विश्व की सबसे बड़ी बाघ आबादी है, लेकिन इसी सफलता के बीच एक डरावना प्रश्न खड़ा हो गया है, क्या यह सचमुच संरक्षण की जीत है या गहरे संघर्ष की शुरुआत?

सोशल फोरम

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी आवश्यक

आखिर कौन हैं सीमा आनंद, जो मुख्यतः सेक्स, कामुकता और कामसूत्र आदि गंभीर विषयों पर खुलेतौर पर बात करती हैं। सीमा लंदन में रहती हैं, वे एक लेखिका, माइथोलॉजिस्ट , सेक्स एजुकेटर हैं। वे सेक्स को अश्लील नहीं मानती, बल्कि इसे प्राकृतिक और ऊर्जा के रूप में समझने की बात करती हैं।

निशा सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

वे सोशल मीडिया में आजकल इसलिए चर्चा में हैं, क्योंकि हाल ही में एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में उनके बयानों पर काफी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। उन्होंने बताया कि 15 साल के लड़के ने उन्हें आकर्षक बताया, जो चर्चा का विषय बना हुआ है, साथ ही उन्होंने कामसूत्र पर भी खुलकर चर्चा की। कुछ लोग उनकी बातों का समर्थन कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग आलोचना। यह कहना कि वे सौ फीसदी सही हैं या गलत हैं ठीक नहीं होगा, क्योंकि यह ज्यादातर व्यक्तिगत दृष्टिकोण और संस्कृति पर निर्भर करता है। वे सेक्स संबंधों पर खुलकर बात करने को बढ़ावा देती है ताकि लोग डर व शर्म महसूस न करें। यह एक सकारात्मक मानसिकता के लिए सही हो सकता है, लेकिन भारत जैसे देश में जहां सेक्स और कामुकता आज भी पर्दे में है। वहां ऐसी प्रतिक्रियाएं और आलोचना आना स्वाभाविक है।

माना कि सेक्स एजुकेशन जरूरी है, लेकिन जब उदाहरण नाबालिग से जुड़ता है, तो सावधानी बरतनी चाहिए। सीमा जैसे प्रभावशाली लोगों को समझना चाहिए कि उनके शब्दों का असर कहां तक जाएगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी आवश्यक है। पश्चिमी समाज और भारतीय समाज की संवेदनाएं अलग-अलग हैं, इसलिए भारत में इस तरह के विचार रखते समय सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक प्रभाव को नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सेक्स एजुकेशन जागरूकता के लिए हो, न कि सनसनी फैलाने के लिए होनी चाहिए। आधुनिकता के नाम पर हर बात सही नहीं हो जाती। संवाद के साथ मर्यादा का भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

साइबर फ्रॉड : जब खतरा बन जाए तकनीक

तकनीक ने हमारी जिंदगी को नई गति दी है। ऑनलाइन बैंकिंग, ई-कॉमर्स, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाएं अब एक क्लिक पर उपलब्ध हैं, लेकिन इसी डिजिटल क्रांति की छाया में एक बड़ा जोखिम भी मजबूत हुआ है। साइबर फ्रॉड, जहां अपराधी तकनीक का इस्तेमाल कर भारत के नागरिकों को नकदी, डेटा और भरोसे से वंचित कर रहे हैं। 2024-25 के ताजा आंकड़े इस खतरे की गंभीरता को स्पष्ट करते हैं। 2024 में देशभर में लगभग 36.37 लाख साइबर फ्रॉड की घटनाएं दर्ज की गईं और लोगों ने लगभग 22,845.73 करोड़ का नुकसान रिपोर्ट किया, जो 2023 की तुलना में 206 प्रतिशत की वृद्धि है। यह जानकारी गृह मंत्रालय ने संसद में दी, जिसमें बताया गया कि एनसीआरपी और सीएफआरएमस जैसे पोर्टल्स पर बड़े पैमाने पर शिकायतें दर्ज हुईं। इन प्रणालीगत डेटा के अनुसार वित्तीय धोखाधड़ी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और अब यह केवल शहरों तक सीमित नहीं रह गया है। साइबर फ्रॉड के स्वरूप भी पहले से अधिक जटिल हो गए हैं।

डॉ सुनिधि मिश्रा
स्वतंत्र लेखिका

राज्यवार आंकड़े बताते हैं कि साइबर फ्रॉड की गतिविधियां देश के लगभग हर हिस्से में फैली हैं, लेकिन कुछ राज्यों में घटनाओं की संख्या विशेष रूप से उच्च है। भारत में 2024 में महाराष्ट्र ने लगभग 3,03,000 शिकायतों के साथ सबसे ज्यादा साइबर फ्रॉड मामले रिपोर्ट किए, जबकि उत्तर प्रदेश में लगभग 3,01,000, कर्नाटक में लगभग 1,69,000, गुजरात में लगभग 1,68,000 और दिल्ली में लगभग 1,53,000 मामले दर्ज किए गए। इन आंकड़ों से पता चलता है कि बड़े आबादी वाले राज्य और आर्थिक केंद्र साइबर अपराध के अधिक प्रभावित क्षेत्र हैं। इन राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों के साथ ही 2025 में भी साइबर फ्रॉड की घटनाएं हुईं। उदाहरण के लिए तेलंगाना पुलिस ने 547 करोड़ के बड़े अंतर्राष्ट्रीय साइबर फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश किया, जिसमें बहु-राज्यीय खाते उपयोग किए गए थे और आरोपियों ने फर्जी नौकरी के ऑफर तथा क्रिप्टो सहित अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया था। 2025 के दौरान हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराधों के खिलाफ प्रभावी रोकथाम और बचाव के कार्यक्रम के तहत लगभग 36 प्रतिशत ठगे गए धन को रोक दिया, जिससे लगभग 350 करोड़ बचाए गए। पुलिस ने 1,41,685 शिकायतें प्राप्त कीं और 8000 से अधिक साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। यह डेटा दिखाता है कि तकनीक-समर्थित और समन्वित प्रयासों से नुकसान को कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार साइबर अपराध में वृद्धि के पीछे कई कारक हैं। डिजिटल पेमेन्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता, सोशल इंजीनियरिंग तकनीक का विकास, फर्जी वेबसाइट और ऐप्स का प्रसार और अपराधियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का निर्माण। उदाहरण के लिए साइबर फ्रॉड से जुड़े नेटवर्कों में अक्सर क्रिप्टो करेंसी का उपयोग और वैश्विक सिमबॉक्स तकनीक शामिल होती है, जिससे ट्रांजैक्शन्स को छुपाया जाता है। साइबर फ्रॉड का आर्थिक असर भी बढ़ता जा रहा है, लेकिन साइबर फ्रॉड केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है, यह भरोसा और मानसिक स्थिति पर भी असर डालता है। ऐसे मामलों में लोग अक्सर शर्म, डर या असहाय महसूस करते हैं, जिसके कारण वे देरी से शिकायत दर्ज कराते हैं या पुलिस से संपर्क नहीं करते। इससे अपराधियों को अधिक अवसर मिलता है। इस खतरे से निपटने के लिए सरकार ने कई पहल की हैं। राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और सीएफ़आरएमस जैसे प्लेटफॉर्म नागरिकों को सीधे शिकायत दर्ज करने की सुविधा देते हैं। पुलिस बलों ने साइबर सेल, विशेष इकाइयों और प्रौद्योगिकी-आधारित मॉड्यूल को लांच किया है, जिससे फ्रॉड को रोकने और मामलों की जांच में मदद मिलती है। फिर भी, केवल कानूनी उपाय ही पर्याप्त नहीं हैं। साइबर फ्रॉड केवल एक तकनीकी समस्या नहीं है। यह जागरूकता, सामूहिक सुरक्षा और सतर्कता की जरूरत है ताकि डिजिटल भविष्य आशा का कारण रहे, डर का नहीं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

यूरेका

खोज

पंखे की खोज

दुनिया का पहला बिजली पंखा अमेरिकी इंजीनियर और आविष्कारक शूयलर स्काट व्हीलर ने 1886 में बनाया था। 1882 में व्हीलर को बिजली की क्षमता का अहसास हुआ। उनके द्वारा विकसित पहले बिजली के पंखे में केवल दो ब्लेड थे, इसमें एक बेहद खतरनाक खुली मोटर का उपयोग किया गया था। ये पंखा तब डायरेक्ट करंट (डीसी) से चलता था। इसे पीतल का बनाया गया था। इसे तब "बज फैन" के नाम से जाना जाता था। संयुक्त राज्य अमेरिका पेटेंट कार्यालय ने 1885-86 को आधिकारिक तौर पर उनके आविष्कार को मंजूरी दी थी।

स्काट व्हीलर का ये पंखा बहुत तेजी से लोकप्रिय हुआ था। जल्द ही अमेरिकी इलेक्ट्रिक मोटर कंपनी क्रॉकर एंड कर्टिस इसे बेचने लगी थी। इसी तकनीक के आधार पर फिर सीलिंग फैन और कई तरह के फैन बनाए गए थे। वहीं काफी हद तक एयर कंडीशनर का आविष्कार भी इसी पंखे को आधार बनाकर किया गया था। बता दें कि 1890 के दशक में डीसी बिजली सप्लाई की जगह एसी बिजली की सप्लाई घरों में पहुंचने लगी थी। तब ये बिजली के पंखे और कॉमन हो गए थे। 1800 के दशक के अंत से पहले बहुत अधिक गर्म होना एक रोजमर्रा की समस्या थी।

वैज्ञानिक परिचय

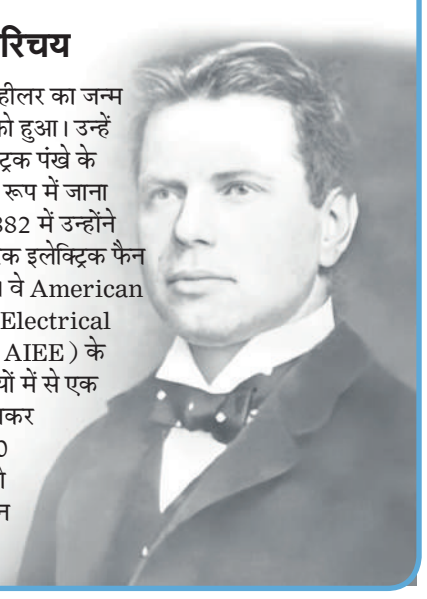

शूयलर स्कॉट व्हीलर का जन्म 17 मई 1860 को हुआ। उन्हें आधुनिक इलेक्ट्रिक पंखे के आविष्कारक के रूप में जाना जाता है। वर्ष 1882 में उन्होंने पहला व्यावहारिक इलेक्ट्रिक फैन विकसित किया। वे American Institute of Electrical Engineers (AIEE) के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, जो आगे चलकर IEEE बना। 20 अप्रैल 1923 को व्हीलर का निधन हो गया।

पृथ्वी अपनी रक्षा कैसे करती है और कैसे जीवन के बने रहने के लिए उपर्युक्त अध्ययन बहुत जरूरी हैं, यह हमें मालूम होता है इन अध्ययनों के डाटा का विश्लेषण करने से. आमजन को विज्ञान की इन गूढ़ बातों से मतलब नहीं कि आकाशगंगा में हमारी पृथ्वी को क्या झेलना पड़ता है और कैसे यह अपनी रक्षा करती है। पृथ्वी पर दूरसंचार रेडियो तरंगों से होता है और इसमें पृथ्वी के निकट अंतरिक्ष में घूमने वाले उन्नत उपग्रह लगातार ऐसी घटनाओं पर नजर रखते हैं, जिनके अत्यधिक गतिविधि से यह प्रभावित होकर जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकता है। पृथ्वी के सेहत पर नजर रखने के जो भी उपकरण और सेटेलाइट टेक्नोलॉजी निर्मित की जाती है, उस पर अत्यधिक निवेश की जरूरत होती है। इसके लिए उन्नत देशों ने अनेक अंतरिक्ष निगरानी संगठन बनाए हुए हुए हैं। डाटा भी शेयर होता है।

सूर्यास्त के बाद धरती से निकलता है रहस्यमय विकिरण

रशियन एकेडमी ऑफ़ साइंसेज के हायर स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड स्पेस रिसर्च के रिसर्चर्स ने अरासे सैटेलाइट से सात साल तक डेटा का एनालिसिस किया और पहली बार पृथ्वी के नए रेडियो एमिशन हेक्टोमीटर कॉन्टिनम के बारे में डिटेल में बताया, जिसे 2017 में खोजा गया था। अरासे, जिसे पहले एक्सप्लोरेशन ऑफ़ एनर्जाइज़ेशन एंड रेडिएशन इन जियोस्पेस के नाम से जाना जाता था, वैन एलन बेल्ट्स की स्टडी करने वाला एक साइंटिफिक सैटेलाइट है। इसे जेएएक्सए या जाक्सा के इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एंड एस्ट्रोनॉटिकल साइंस ने डेवलप किया था। पता चला कि यह रेडिएशन सूरज डूबने के कुछ घंटे बाद होता है और सूरज उगने के एक से तीन घंटे बाद गायब हो जाता है। ज्यादातर यह गर्मियों के महीनों में रिकॉर्ड किया गया था, बसंत और पतझड़ में कम। हालांकि, 2022 के बीच तक, जब सूरज बढ़ी हुई एक्टिविटी के फेज में गया, तो रेडिएशन पूरी तरह से गायब हो गया, लेकिन साइंटिस्ट्स का कहना है कि सिग्नल वापस आ सकता है। यह स्टडी जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्चः स्पेस फिजिक्स में पब्लिश हुई है। पृथ्वी लगातार रेडियो तरंगें निकाल रही है, जो नैचुरल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल हैं जो पृथ्वी के पास के स्पेस से निकलते हैं। उनके एनालिसिस से यह समझने में मदद मिलती है कि सूरज मैग्नेटोस्फीयर पर कैसे असर डालता है - पृथ्वी के चारों ओर का वह एरिया जहां मैग्नेटिक फील्ड इसे बाहरी असर से बचाता है। इस रीजन या क्षेत्र में अलग-अलग तरह के रेडियो एमिशन बनते हैं, और उनमें से एक है हेक्टोमीटर कॉन्टिनम। यह 600 से 1700 किलोहर्ट्ज़ की रेंज में कमजोर नैचुरल रेडिएशन है, जो आम रेडियो स्टेशनों की ब्रॉडकास्टिंग फ्रीक्वेंसी से काफी कम है। रेडिएशन के सोर्स ग्रह के काफी करीब हैं - लगभग एक या दो पृथ्वी रेडियस की ऊंचाई पर, जहां मैग्नेटिक फील्ड अभी भी चार्ज्ड पार्टिकल्स की मूवमेंट को कंट्रोल करता है। पृथ्वी पर, ऐसी तरंगों का पता नहीं लगाया जा सकता क्योंकि आयनोस्फीयर की घनी परतें उन्हें पूरी तरह से सोख लेती हैं, इसलिए माइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स को सिर्फ़ स्पेसक्राफ्ट की मदद से ही देखा जा सकता है।

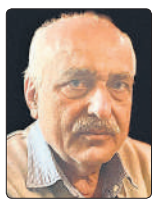

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

इस बारे में, हेक्टोमीटर कॉन्टिनम की खोज काफी हाल ही में, 2017 में, जापानी सैटेलाइट अरासे की वजह से हुई थी। उस समय से, सिग्नल कभी-कभी रिकॉर्ड किया गया है, और इसके व्यवहार की कोई पूरी तस्वीर नहीं थी। माइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स की प्रॉपर्टीज को बताने और इसके शुरू होने के मैकेनिज्म को समझाने के लिए, रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज के स्पेस रिसर्च इंस्टीट्यूट और हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के फिजिक्स फैकल्टी के रिसर्चर्स ने सैटेलाइट से सारा उपलब्ध डेटा इकट्ठा किया और ट्रैक किया कि यह रेडिएशन समय के साथ कैसे बदलता है। ऐसा करने के लिए, उन्होंने सात साल, 2017-2023 के लिए, माइनिंग और मेटलर्जी कंपनियों के रजिस्ट्रेशन के लगभग एक हजार एपिसोड का एनालिसिस किया। नतीजों से पता चला कि सिग्नल का दिखना नियर-अर्थ प्लाज्मा में होने वाले प्रोसेस से जुड़ा है - यह एक ऐसा क्षेत्र है जो चार्ज्ड पार्टिकल्स से भरा होता है जो पृथ्वी के मैग्नेटिक फील्ड और सोलर विंड के असर में चलते हैं। लेखकों के अनुसार, हेक्टोमीटर कंटिन्यूअम डबल प्लाज्मा रेजोनेंस के कारण होता है, यह एक ऐसी घटना है जिसमें प्लाज्मा में दो तरह के ऑसिलेशन एक साथ होते हैंः प्लाज्मा का नेचुरल ऑसिलेशन और पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड लाइनों के चारों ओर इलेक्ट्रॉनों का घूमना। यह को-इंसिडेंस अस्थिरता पैदा करता है, जिसके कारण प्लाज्मा रेडियो वेव्स निकालता है। इसके लिए खास हालात की जरूरत होती है, जैसे एक खास प्लाज्मा डेंसिटी और ज्यादा एनर्जी वाले गर्म इलेक्ट्रॉन की मौजूदगी। पता चला कि रेडिएशन सिर्फ़ रात में होता है और सूरज उगने के एक से तीन घंटे बाद गायब हो जाता है।

साइंटिस्ट इसे इस बात से समझाते हैं कि सूरज का सुबह का रेडिएशन प्लाज्मा की डेंसिटी बढ़ाता है और रेडियो वेव बनने के लिए ज़रूरी हालात को खत्म कर देता है। सूरज डूबने के बाद, सिग्नल भी तुरंत नहीं दिखता, बल्कि कुछ घंटों बाद दिखता है, जब आयनोस्फीयर को ठंडा होने औरमाइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स के एक्साइटेशन के लिए जरूरी पैरामीटर को ठीक करने का समय मिल जाता है। रोजाना के साइकिल के अलावा, रेडिएशन में मौसमी खासियतें भी होती हैंः यह गर्मियों में ज्यादा रिकॉर्ड होता था, पतझड़ और बसंत में कम। 2022 के बीच से, सिग्नल गायब हो गया है। साइंटिस्ट इसका कारण सूरज का ज्यादा एक्टिव फेज में बदलना मानते हैंः इन महीनों में, इसकी सतह पर ज़्यादा धब्बे थे, 10.7 सेंटीमीटर की वेवलेंथ पर रेडियो एमिशन बढ़ा और अल्ट्रावॉयलेट लेवल बढ़ा। इस वजह से, प्लाज्मा का स्ट्रक्चर बदल गया, और कंटीन्यूअम बनने के हालात गायब हो गए। जाक्सा, या जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी, जापान की सरकारी एजेंसी है जो रिसर्च, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट और सैटेलाइट को ऑर्बिट में लॉन्च करने के लिए ज़िम्मेदार है।

सन 2003 में बनी जाक्सा को जापान के स्पेस प्रोग्राम को आसान बनाने के लिए तीन अलग-अलग ऑर्गनाइज़ेशन को मिलाकर बनाया गया था। यह कई बड़े प्रोजेक्ट्स में शामिल रही है, जिसमें इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए मॉड्यूल बनाना और चांद और एस्टेरॉयड की स्टडी के लिए मिशन चलाना शामिल है। ज़्यादा जानकारी के लिए, आप जाक्सा की ऑफिशियल वेबसाइट पर जा सकते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

ठंड में मुंह से क्यों निकलती है भाप

सर्दियों में जैसे ही तापमान गिरता है, लोगों के मुंह से धुएं जैसी भाप निकलती दिखाई देने लगती है। बचपन में हममें से कई लोग यह देखने की होड़ लगाते थे कि कौन ज्यादा 'धुआं' निकाल सकता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह भाप आखिर आती कहां से है और गर्मियों में यह बिल्कुल क्यों नहीं दिखती? आइए आज आपको बताते हैं कि आखिर यह प्रोसेस क्यों होता है?

हमारे शरीर का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना होता है और हमारे फेफड़ों (लंग्स) में जो हवा होती है, वह नमी यानी वॉटर वेपर से भरी होती है। यह हवा हमारे शरीर के तापमान के बराबर गर्म होती है। गर्म हवा ठंडी हवा की तुलना में ज्यादा नमी अपने अंदर रोक सकती है। यही कारण है कि जब सर्दियों में हम सांस बाहर छोड़ते हैं, तो बाहर की ठंडी हवा उस गर्म और नम सांस का तापमान बहुत तेजी से गिरा देती है। जैसे ही यह सांस ओसांक (Dew Point) तक पहुंचती है, उसमें मौजूद वॉटर वेपर गैस से तरल अवस्था में बदल जाता है। इस प्रक्रिया को कंडेन्सेशन (Condensation) कहते हैं। इस दौरान बेहद छोटे-छोटे पानी के कण बनते हैं, जो हमें धुएं या कोहरे (फॉग) की तरह दिखाई देते हैं। असल में यह धुआं नहीं, बल्कि पानी की सूक्ष्म बूंदें होती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, जब तापमान शून्य डिग्री या उससे नीचे चला जाता है, तो यही भाप जमकर बर्फ के कणों में भी बदल सकती है।

गर्मियों में क्यों नहीं दिखती भाप ?

गर्मियों में वातावरण का तापमान अधिक होता है। ऐसी स्थिति में जब हम सांस छोड़ते हैं, तो बाहर की हवा पहले से ही गर्म होती है और अधिक नमी धारण कर सकती है। इसलिए सांस में मौजूद वॉटर वेपर गैस की अवस्था में ही रहता है और कंडेन्सेशन नहीं होता। इसी वजह से गर्मियों में मुंह से भाप दिखाई नहीं देती।

रोचक किस्सा

समुद्र की नीली रंगत का रहस्य

भारत के महान वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन (सी. वी. रमन) से जुड़ा एक रोचक और प्रेरक किस्सा उनकी खोजी प्रवृत्ति को बखूबी दर्शाता है। यह किस्सा उस खोज की शुरुआत है, जिसने आगे चलकर उन्हें नोबेल पुरस्कार तक पहुंचाया।

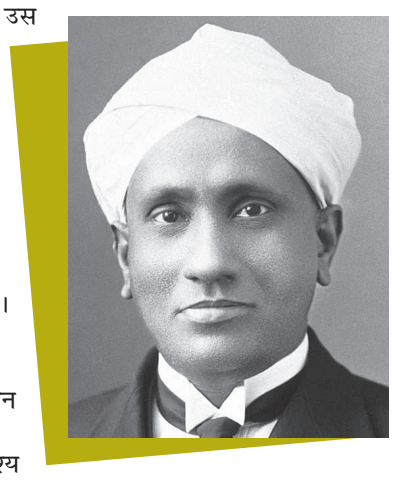

1904 में लॉर्ड रेले को फिजिक्स का नोबेल मिला था। उन्होंने बताया था कि आसमान नीला क्यों दिखता है और समुद्र का नीला रंग आसमान के प्रतिबिंब के कारण है। सन् 1921 में सी. वी. रमन ब्रिटेन समुद्री मार्ग से जा रहे थे। जहाज जब गहरे समुद्र में आगे बढ़ रहा था, तो उन्होंने देखा कि समुद्र का पानी गहरा नीला दिखाई दे रहा है, लेकिन रमन को रेले का तर्क संतोषजनक नहीं लगा। उनका वैज्ञानिक मन इस साधारण से दृश्य में भी प्रश्न खोजने लगा कि यदि समुद्र का रंग केवल आकाश का प्रतिबिंब है, तो बादलों के दिनों में भी वह नीला क्यों दिखता है?

यही सवाल उनके मन में बस गया। भारत लौटने के बाद उन्होंने साधारण उपकरणों से प्रकाश और तरल पदार्थों पर प्रयोग शुरू किए। उनके पास अत्याधुनिक प्रयोगशाला नहीं थी, फिर भी उन्होंने कांच की बोतलों, सूरज की रोशनी और साधारण स्पेक्ट्रोस्कोप की मदद से गहन अध्ययन किया। इन प्रयोगों से उन्होंने सिद्ध किया कि जब प्रकाश किसी पारदर्शी पदार्थ से गुजरता है, तो उसका कुछ हिस्सा विखरित होकर अपना तरंगदैर्घ्य बदल लेता है।

यही खोज आगे चलकर 'रमन प्रभाव' के नाम से प्रसिद्ध हुई। इस प्रभाव ने यह स्पष्ट कर दिया कि समुद्र का नीला रंग आकाश का प्रतिबिंब नहीं, बल्कि प्रकाश के प्रकीर्णन का परिणाम है। इस खोज के लिए सी. वी. रमन को 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला। यह किसी भारतीय वैज्ञानिक को मिला पहला नोबेल पुरस्कार था। यह किस्सा हमें सिखाता है कि वैज्ञानिक दृष्टि केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं होती। एक जिज्ञासु नजर और सवाल पूछने की आदत भी महान खोजों की नींव रखती है।

वैज्ञानिकों के आकर्षण का केंद्र होगा धूमकेतु-3 आई एटलस

इस पूरे वर्ष बहुचर्चित धूमकेतु-3 आई एटलस वैज्ञानिकों के आकर्षण के केंद्र में रहेगा। दूसरी दुनिया से आए इस धूमकेतु की कौमा जैसी पूंछ का रंग अब हरा हो चला है। चौड़ाई में आकार 6 किमी तक है। यह एक असामान्य सक्रिय धूमकेतु है, जिसकी सतह पर संभवत: बर्फ के ज्वालामुखी विस्फोट हो रहे हैं। यह जानकारी नासा की हबल अंतरिक्ष दूरबीन के जरिए सामने आई है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

अंतरिक्ष में धूमकेतुओं का अपना अलग रोमांच है और वह धूमकेतु तब और भी रोमांच पैदा कर देता है, जब वह हमारे सौर मंडल का न होकर किसी दूसरी दुनिया से आया हो। यही वह मौका है, जो किसी दूसरे सौर मंडल के रहस्यों को उजागर कर सकता है। जिस कारण नासा और ईसा जैसी प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियां गंभीरता से इसके ऑब्जर्वेशन में जुटी हुई हैं। अभी तक हुए अध्ययन के बाद इस धूमकेतु के बारे में कुछ नई जानकारियां सामने आ सकी हैं, जिससे पता चलता है कि इसका धूल भरा कौमा यानी पूंछ अब लाल रंग से हरे रंग में तब्दील हो चुकी है। चौड़ाई में इसका आकार 440 मीटर से 6 किमी के बीच होने का अनुमान वैज्ञानिकों ने जताया है।

बहरहाल इसके आकार की सही जानकारी मिलनी अभी बाकी है। इसके रंग बदलने का कारण द्विपरमाण्विक कार्बन का उत्सर्जन माना जा रहा है। इस धूमकेतु की सतह में हलचल यानी सक्रियता अधिक हो रही हैं, जिस कारण इसे असामान्य माना जा रहा है। इसकी सतह पर बर्फ के ज्वालामुखी विस्फोट हो रहे हैं, इसके संकेत वैज्ञानिकों को मिले हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह धूमकेतु इस वर्ष जून तक जमीनी दूरबीनों से देखा जा सकेगा।

इसके बाद साल के अंत में पुनः पृथ्वी पर मौजूद दूरबीनों से देखा जा सकता है। इस बीच अंतरिक्ष दूरबीन जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप और हबल से इस पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा बृहस्पति ग्रह पर मौजूद दूरबीन जूसी भी इसकी निगरानी करेगा और इसकी तस्वीरें हम तक भेजेगा। वर्तमान में यह धुंधला ही नजर आ रहा है। जिस कारण साधारण दूरबीनों से देख पाना आसान नहीं है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस धूमकेतु के अध्ययन के लिए पूरा साल है, जो किसी दूसरी दुनिया के सौर मंडल की जानकारी दे जाएगा।

धूमकेतुओं से पता चलता है सौर मंडल की वास्तविकता

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार धूमकेतुओं से सौर मंडल के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है। यह किसी भी सौर मंडल के निर्माण के अवशेष होते हैं। जिस कारण सौर मंडल की आयु और वहां मौजूद पिंडों का पता लगाया जा सकता है, जिससे धूमकेतु-3 आई एटलस का महत्व बढ़ जाता है, जो किसी दूसरे सौर मंडल के बारे में जानकारी दे सकता है।

जंगल की दुनिया

पर्पल फ्रॉग (बैंगनी मेढक) धरती का रहस्यमय जीव

पर्पल फ्रॉग, जिसे हिंदी में बैंगनी मेढक कहा जाता है, प्रकृति के सबसे अद्भुत और रहस्यमय जीवों में से एक है। इसका वैज्ञानिक नाम नासिकाबत्रेकस सह्याद्रेंसिस (Nasikabatrachus sahyadrensis) है। यह दुर्लभ प्रजाति केवल भारत के पश्चिमी घाट क्षेत्र में पाई जाती है, जो अपनी जैव-विविधता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

बैंगनी मेढक का शरीर अन्य मेढकों से बिल्कुल अलग होता है। इसका रंग गहरा बैंगनी, शरीर गोल-मटोल और थूथन सूअर की नाक जैसा दिखाई देता है। इसकी आंखें छोटी होती हैं और मुंह संकरा, जिससे यह जमीन के नीचे रहने के लिए पूरी तरह अनुकूलित है। यह मेढक अपने जीवन का अधिकांश समय भूमिगत बिताता है और आमतौर पर इंसानों की नजरों से दूर रहता है।

पर्पल फ्रॉग की सबसे अनोखी विशेषता इसका जीवन-चक्र है। यह साल में केवल मानसून के कुछ ही दिनों के लिए जमीन के ऊपर आता है। इसी दौरान यह प्रजनन करता है। नर मेढक की आवाज तेज और अनोखी होती है, जो जमीन के नीचे से भी सुनाई देती है। इसके टैडपोल चट्टानों से चिपककर बहते पानी में विकसित होते हैं, जो इसे अन्य प्रजातियों से अलग बनाता है। इसका मुख्य भोजन दीमक और छोटे कीड़े होते हैं, जिन्हें यह अपनी लंबी, चिपचिपी जीभ से पकड़ता है। जंगलों में रहने वाली इडुकी इन्हें कई पीढ़ियों से जानते और समझते हैं। माना जाता है कि इन जीवों का प्राचीन वंश लगभग 12 करोड़ वर्षों से स्वतंत्र रूप से विकसित हो रहा है, और इन्होंने नए महाद्वीपों के निर्माण, महान डायनासोर के विनाश, हिमयुग और मनुष्यों के प्रमुख प्रजाति बनने जैसी घटनाओं को जीवित रहते हुए देखा है। वैज्ञानिकों के लिए यह गोंडवानालैंड नामक महाद्वीप के अस्तित्व का एक महत्वपूर्ण जैविक प्रमाण हैं।

आज पर्पल फ्रॉग संकटग्रस्त (Endangered) प्रजातियों की सूची में शामिल है। जंगलों की कटाई, सड़क निर्माण और मानवीय गतिविधियों के कारण इसका प्राकृतिक आवास तेजी से नष्ट हो रहा है। ऐसे में इस अनोखे जीव का संरक्षण न केवल पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक है, बल्कि हमारी प्राकृतिक धरोहर को बचाने की जिम्मेदारी भी है।

आरएम ड्रिप लगाएगा नया विनिर्माण संयंत्र

नई दिल्ली। आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स के निदेशक मंडल ने महाराष्ट्र के नासिक में 12,000 टन प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता वाली नई विनिर्माण इकाई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि नई इकाई की स्थापना प्रस्तावित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ब्रह्मानंद पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से सिन्नर में होगी। इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में 50% की वृद्धि होगी।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1860, फ़ॉर्चून कि. 2330, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13 किग्रा 2050, जय जवान 2050, सचिन 2045, सूरज 2065, अवसर 1885, उजाला 1975, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

बिजनेस ब्रीफ

भाडला परियोजना से वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू

नई दिल्ली। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने राजस्थान में अपनी 500 मेगावाट की भाडला सौर परियोजना से 13 जनवरी से 300 मेगावाट बिजली की वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू कर दी। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी, सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी की अनुषंगी की अनुषंगी कंपनी है। एनटीपीसी ने शेयर बाजार को बताया कि एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित एवं व्यावसायिक क्षमता क्रमशः 87,287 मेगावाट और 86,207 मेगावाट हो गई।

साउथ इंडियन बैंक का लाभ 9% बढ़ा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के साउथ इंडियन बैंक का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 9.3% बढ़कर 374 करोड़ रुपये हो गया जबकि एक साल पहले यह 342 करोड़ रुपये था। केरल स्थित बैंक ने गुरुवार को शेयर बाजार को इसकी सूचना दी। कंपनी ने बताया कि दिसंबर तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 3,003 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले 2,780 करोड़ रुपये थी। आलोच्य तिमाही में बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 2,518 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वित्त वर्ष 2,379 करोड़ रुपये थी।

सोनी का राजस्व 2.4% बढ़कर 7,851 करोड़ पर

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माता कंपनी सोनी इंडिया की परिचालन आय 2024-25 में 2.44% बढ़कर 7,851.08 करोड़ हो गई। 2024-25 में उसका लाभ 6% घटकर 157.03 करोड़ रुपये रहा। टोफ्लर के माध्यम से हासिल वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए इसकी कुल आय 2.45% बढ़कर 7,917.54 करोड़ रुपये हो गई। बाजार विशेषज्ञ कंपनी टोफ्लर व्यवसायों के वित्तीय, जोखिम एवं कॉरपोरेट का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करती है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के करीब

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल बोले- दोनों देशों के वार्ताकार सभी लंबित मुद्दों पर कर रहे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं और दोनों पक्षों के तैयार होने पर इसकी घोषणा कर दी जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि दोनों देशों के वार्ताकार दल व्यापार समझौते के लगभग सभी लंबित मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। यह पूरा होने के करीब है, लेकिन हम कोई समय-सीमा नहीं दे सकते हैं। यह तब होगा जब दोनों पक्ष तैयार होंगे और यह महसूस करेंगे कि घोषणा का सही समय है।

अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि भारत और अमेरिका के बीच बातचीत कभी नहीं टूटी थी और दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। सितंबर में भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में 50% तक का भारी शुल्क लगाने के बाद व्यापार समझौते पर बातचीत कुछ समय के लिए सुस्त पड़ गई थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिसंबर के अंतिम सप्ताह में

- **बोले- भारत-अमेरिका में बातचीत कभी नहीं टूटी और दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे से जुड़े रहे**

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीयर के साथ ऑनलाइन बैठक की थी। यह बैठक 10-11 दिसंबर को अमेरिका के उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्ज़र के नेतृत्व में आए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के दौरे के बाद हुई। भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने 12 जनवरी को कहा था कि दोनों पक्ष सक्रिय रूप से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में लगे हैं।

गोर ने कहा था, असली मित्रों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन आखिर में हमेशा उन्हें सुलझा लेते हैं। साथ ही अग्रवाल ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार की सकारात्मक वृद्धि पर संतोष जताया। व्यापार समझौता संपन्न न हो पाने की किसी संभावना पर उन्होंने कहा कि हम सभी व्यापार वार्ताओं में सकारात्मक और आशावादी दृष्टिकोण रखते हैं।

दोनों पक्ष जुड़े हुए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इसे अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। दोनों देशों ने पिछले साल की शुरुआत में द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू की थी। इस दौरान कई दौर की वार्ताएं भी हुईं। हालांकि कृषि एवं डेयरी क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को लेकर गतिरोध की स्थिति रही।

भारत, यूरोपीय संघ एफटीए पर बातचीत पूरी करने के नजदीक

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत पूरी करने के बहुत करीब हैं। कुछ बचे मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत जारी है ताकि इस महीने के आखिर में शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय समझौता, घोषणा के लिए तैयार हो सके। वाणिज्य सचिव, राजेश अग्रवाल ने कहा कि संवेदनशील कृषि से जुड़े मुद्दों को भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के दायरे से बाहर रखा गया है। हमने 24 में से 20 अध्याय पूरी तरह से बंद कर दिए हैं। कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिन पर बातचीत चल रही है। हम डिजिटल रूप से जुड़े हुए हैं और हम यह कोशिश कर रहे हैं कि हमारे नेताओं की बैठक से पहले इस काम को कैसा पूरा किया जा सकता है। जिन मुद्दों को सुलझाने की जरूरत है उनमें यूरोपीय संघ का कार्बन कर भी शामिल है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष, उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष, एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और 25-27 जनवरी तक भारत की सरकारी यात्रा पर रहेंगे। वे 77वें गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि हैं। इस यात्रा के समय, यह नेतृत्व 27 जनवरी को 16वें इंडिया-यूरोपीय संघ सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। सम्मेलन के दौरान समझौते के लिए बातचीत खत्म होने की घोषणा की जा सकती है और इस पर दस्तखत बाद में तय तारीख पर हो सकती है। अग्रवाल ने कहा कि यह बातचीत खत्म होने की घोषणा करने का एक अच्छा मौका होगा। हम इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। बातचीत को गति देने के लिए, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल 8-9 जनवरी को यूरोपीय संघ व्यापार आयुक्त, मारोस सेफ्कोविक के साथ बैठक के लिए ब्रसेल्स गए थे। वित्तवर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर था (75.85 अरब डॉलर का निर्यात और 60.68 अरब अरब डॉलर का आयात), जिससे यह सामानों का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार बन गया। यूरोपीय संघ बाजार का भारत के कुल निर्यात में लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं भारत को यूरोपीय संघ का निर्यात उसके कुल विदेशी निर्यात का नौ प्रतिशत है।

बेरोजगारी दर 4.8% शहरी क्षेत्रों में बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पीएलएफएस के मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों में 3.9% पर स्थिर, शहरी क्षेत्रों में 6.5 से बढ़कर 6.7% हुई**

देश में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी दर दिसंबर में मामूली रूप से बढ़कर 4.8% पर पहुंच गई, जबकि नवंबर में यह 4.7% थी। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय से जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 3.9 प्रतिशत पर स्थिर रही जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण पुरुषों में बेरोजगारी दर 4.1% पर स्थिर रही, जबकि शहरी महिलाओं में यह 9.3% से घटकर 9.1% पर आ गई। दिसंबर में देश के कुल श्रमबल में हल्की बढ़त देखी गई और कुल कार्यशील जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 53.2 से बढ़कर 53.4% हो गया। ग्रामीण पुरुषों का डब्ल्यूपीआर 75.4 से बढ़कर 76% रहा, जबकि शहरी पुरुषों में यह 70.9 से 70.4% पर आ गया। ग्रामीण महिलाओं का डब्ल्यूपीआर 38.4 से बढ़कर 38.6% हो गया जबकि शहरी महिलाओं का कार्यशील जनसंख्या अनुपात 23% पर स्थिर रहा।

आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 55.8 से बढ़कर 56.1% हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 58.6 से बढ़कर 59% और शहरी क्षेत्रों में 50.4 से घटकर 50.2% रही। महिलाओं की एलएफपीआर कुल 35.1 से बढ़कर 35.3% रही। इसमें ग्रामीण महिलाएं 39.7 से बढ़कर 40.1% पर पहुंच गईं जबकि शहरी महिलाएं 25.5 से घटकर 25.3% पर आ गईं। इन आंकड़ों का आधार 3,73,990 लोगों के बीच किए गए सर्वेक्षण से मिली सूचना है। पीएलएफएस की नई गणना-पद्धति जनवरी, 2025 से लागू की गई है, जिससे श्रमबल संकेतकों का व्यापक और अधिक सटीक आकलन संभव हो पाया है।

देश का निर्यात 1.87% बढ़ा व्यापार घाटा में मामूली तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश का निर्यात दिसंबर में 1.87% बढ़कर 38.5 अरब डॉलर हो गया, लेकिन आयात में तेज वृद्धि से व्यापार घाटा मामूली रूप से बढ़कर 25 अरब डॉलर हो गया। गुरुवार को सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

दिसंबर में देश का आयात 8.7% बढ़कर 63.55 अरब डॉलर रहा। साथ ही आयात और निर्यात का अंतर यानी व्यापार घाटा मामूली रूप से बढ़कर 25.04 अरब डॉलर हो गया। यह नवंबर 2025 में 24.53 अरब डॉलर जबकि दिसंबर 2024 में 22 अरब डॉलर था। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में देश का कुल वस्तु निर्यात 2.44% बढ़कर 330.29 अरब डॉलर हो गया। मुख्य निर्यात क्षेत्रों में शामिल पेट्रोलियम उत्पाद, आभूषण, चावल, प्लास्टिक और चमड़ा की वृद्धि की रफ्तार धीमी रही। अमेरिका द्वारा अगस्त से लगाए 50% शुल्क ने खासकर परिधान जैसे श्रम-बहुल क्षेत्रों के निर्यात पर असर डाला। इस दौरान कुल आयात 5.9% बढ़कर 578.61 अरब डॉलर हो गया। इस तरह वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल व्यापार घाटा 248.32 अरब डॉलर दर्ज किया गया।

व्यापार आंकड़ों पर वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का निर्यात सकारात्मक रुझान दिखा रहा है। चालू वित्त वर्ष में कुल निर्यात (वस्तु और सेवाएं) 850 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर सकता है। गत माह निर्यात में तेजी की अगुवाई इंजीनियरिंग उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स, समुद्री उत्पाद और दवा जैसे क्षेत्रों ने की। अमेरिका, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को भारत का निर्यात स्थिर गति से बढ़ रहा है। अग्रवाल ने कहा कि कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को अंतिम रूप दिए जाने, निर्यात संवर्धन अभियान और नए बाजारों में विविधीकरण से निर्यातकों को मदद मिल रही है। दिसंबर में चीन, रूस और पश्चिम एशिया को होने वाले निर्यात में स्वस्थ वृद्धि दर्ज की गई। आयात के मोर्चे पर तेल आयात में 6% की बढ़ोतरी रही जबकि चांदी के आयात में 80% की वृद्धि रही। सोने का आयात 12% घटकर 4.13 अरब डॉलर रहा।

- **कुल वस्तु निर्यात 2.44% बढ़कर 330.29 अरब डॉलर और कुल आयात 5.9% बढ़कर 578.61 अरब डॉलर रहा**

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद जुझारू रहा उद्योग

परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के चेयरमैन ए. शक्तिवेल ने कहा कि रेडीमेड कपड़ा क्षेत्र में निर्यात का 2.89% की दर से बढ़ना यह दर्शाता है कि उद्योग वैश्विक चुनौतियों के बावजूद जुझारू और अनुकूलनशील बना है। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा कि निर्यात में बढ़ोतरी भारतीय निर्यातकों की मजबूती और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की क्षमता को उजागर करती है। भारतीय निर्यातक वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अवसरों का लाभ उठा रहे हैं और नीतिगत समर्थन से उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी बढ़ रही है।

अमेरिका को निर्यात 1.83% घटकर 6.88 अरब डॉलर पर

ऊंचे शुल्क से भारत का अमेरिका को वस्तु निर्यात दिसंबर में 1.83% घटकर 6.88 अरब डॉलर रह गया। अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर 50% तक शुल्क लगाने के बाद पिछले वर्ष सितंबर और अक्टूबर में भी निर्यात घटा था। हालांकि, नवंबर में इसमें 22.61% की वृद्धि आई थी। अमेरिका को निर्यात दिसंबर 2024 में 7.01 अरब डॉलर रहा था। गत माह अमेरिका से आयात 7.57% बढ़कर 4.03 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान अमेरिका को निर्यात 9.75% बढ़कर 65.87 अरब डॉलर जबकि आयात 12.85% बढ़कर 39.43 अरब डॉलर रहा।

चीन को भारत का निर्यात 67.35% बढ़ा

इलेक्ट्रॉनिक्स और समुद्री उत्पादों जैसी विभिन्न वस्तुओं के निर्यात में उछाल से दिसंबर में चीन को होने वाला भारतीय निर्यात 67.35% बढ़कर 2.04 अरब डॉलर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, निर्यात में यह तेजी मुख्य रूप से तेल खली, समुद्री उत्पाद, दूरसंचार उपकरण और मसालों जैसे उत्पादों से रही। आलोच्य माह के दौरान चीन से आयात भी 20% बढ़कर 11.7 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में चीन को होने वाला निर्यात 36.7% बढ़कर 14.24 अरब डॉलर रहा, जबकि पहले नौ महीनों के दौरान आयात 13.46% बढ़कर 95.95 अरब डॉलर हो गया। व्यापार घाटा 81.71 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह स्वागत योग्य वृद्धि है।

बाजार की ताकत को उजागर करती लॉग ग्रीन व रेड कैंडल

शेयर बाजार में कैंडलस्टिक पैटर्न तकनीकी विश्लेषण का एक अहम हिस्सा माने जाते हैं। इन्हीं पैटर्न्स में लॉग ग्रीन कैंडल और लॉग रेड कैंडल निवेशकों और ट्रेडर्स को बाजार की दिशा समझने में मदद करती हैं। ये कैंडल्स यह दर्शाती हैं कि किसी विशेष समयावधि में खरीदार या विक्रेता किस हद तक हावी रहे। जब कीमतें तेज़ी से ऊपर या नीचे जाती हैं और कैंडल का बॉडी बड़ा होता है, तब उसे लॉग कैंडल कहा जाता है। इन कैंडल्स का सही विश्लेषण ट्रेड में प्रवेश (एंट्री), निकास (एग्ज़िट) और ट्रेंड पहचानने में बेहद उपयोगी होता है। ये कैंडल्स बाजार की ताकत और मनोविज्ञान को उजागर करती हैं।

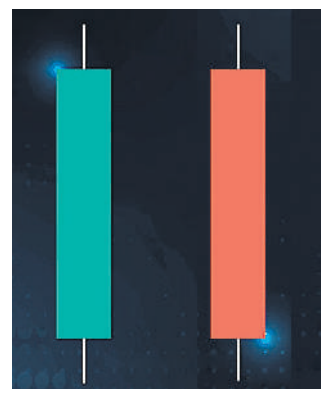

क्या है लॉग ग्रीन कैंडल

लॉग ग्रीन कैंडल वह कैंडल होती है जिसमें ओपन प्राइस नीचे और क्लोज प्राइस ऊपर होता है, साथ ही कैंडल का बॉडी काफी बड़ा होता है। इसका मतलब यह है कि पूरे सत्र के दौरान खरीदार हावी रहे और कीमतों को मजबूती से ऊपर की ओर ले गए। यह आमतौर पर यह तेजी का संकेत देती है।

क्या है लॉग रेड कैंडल

लॉग रेड कैंडल में ओपन प्राइस ऊपर और क्लोज प्राइस नीचे होता है तथा बॉडी लंबी होती है। यह दर्शाता है कि उस समयावधि में विक्रेताओं का दबदबा रहा और उन्होंने कीमतों को नीचे धकेल दिया। यह कैंडल अक्सर मंदी का संकेत मानी जाती है।

बाज़ार की मानसिकता

लॉग ग्रीन कैंडल	लॉग रेड कैंडल
मजबूत खरीदारी	भारी बिकवाली
निवेशकों का आत्मविश्वास	डर या मुनाफावसूली
आगे और तेजी की संभावना	आगे गिरावट की आशंका

ट्रेडिंग में उपयोग

- **ब्रेकआउट की पुष्टि :** सपोर्ट या रेजिस्टेंस के पास बनी लॉग ग्रीन/रेड कैंडल मजबूत संकेत देती है।
- **ट्रेंड कंटिन्यूएशन :** लॉग कैंडल उसी दिशा में मजबूती दिखाती है।
- **स्टॉप लॉस में मदद :** लॉग कैंडल का लो या हाई एक अच्छा स्टॉप लॉस स्तर बन सकता है।

सावधानियां

सिर्फ एक लॉग कैंडल के आधार पर निर्णय लेना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए वॉल्यूम का विश्लेषण जरूरी है। आरएसआई, मूविंग एवरेज जैसे इंडिकेटर्स के साथ पुष्टि जरूर करें।

भारतीय स्टार्टअप के लिए गूगल का बाजार पहुंच कार्यक्रम शुरू

नई दिल्ली। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने गुरुवार को भारतीय स्टार्टअप फर्मों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद देने के लिए बाजार पहुंच कार्यक्रम की शुरुआत की। साथ ही कंपनी ने अपने मुक्त-स्रोत मॉडल के समूह जेम्मा में नए एआई मॉडल जोड़ने की भी घोषणा की। गूगल ने कहा कि यह पहल भारत में कृत्रिम मेधा (एआई) संबंधी ढांचे से जुड़े उसके निवेश को आगे बढ़ाती है। कंपनी पहले ही आंध्र प्रदेश में एआई बुनियादी ढांचा केंद्र के लिए 15 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा कर चुकी है।

- **कंपनी पहले ही एआई बुनियादी ढांचा केंद्र के लिए 15 अरब डॉलर के निवेश की कर चुकी है घोषणा**

विशाखापत्तनम में स्थापित वैश्विक एआई केंद्र को हरित ऊर्जा से संचालित किया जा रहा है और इसमें गूगल के उन्नत एआई चिप का इस्तेमाल होगा, जिससे भारतीय स्टार्टअप फर्मों को उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग सुविधाएं मिल सकेंगी। गूगल ने कहा कि बाजार पहुंच कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप फर्मों को स्थानीय स्तर पर किए गए प्रयोगों से सीधे वैश्विक स्तर पर विस्तार करने में मदद करना है। यह कार्यक्रम उन एआई-आधारित स्टार्टअप फर्मों के लिए है जो शुरुआती चरण से आगे बढ़ चुके हैं और अब बड़े स्तर पर काम करना चाहते हैं। गूगल ने जेम्मा एआई मॉडल परिवार के तहत मेडजेम्मा 1.5 और फंक्शनजेम्मा जैसे नए मॉडल भी पेश किए।

स्वच्छ ईंधन में 100 अरब डॉलर का वार्षिक निवेश बहुत जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **विश्व आर्थिक मंच की दावोस में होने वाली वार्षिक बैठक से पहले जारी हुई रिपोर्ट**
- **पारंपरिक की तुलना में स्वच्छ ईंधन क्षेत्र दो से तीन गुना ज्यादा नौकरियां करेगा पैदा**

स्वच्छ ईंधन से जुड़े वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वर्ष 2030 तक निवेश को चार गुना कर सालाना 100 अरब डॉलर पर ले जाने की जरूरत होगी। गुरुवार को अध्ययन रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की अगले हफ्ते दावोस में शुरू होने वाली वार्षिक बैठक से पहले जारी यह रिपोर्ट कहती है कि स्वच्छ ईंधन ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन में भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। पारंपरिक ईंधन की तुलना में स्वच्छ ईंधन क्षेत्र दो से तीन गुना ज्यादा नौकरियां पैदा कर सकता है और देशों की ऊर्जा आपूर्ति को अधिक विविध बना सकता है। स्वच्छ ईंधन के तहत जैव ईंधन, हाइड्रोजन आधारित ईंधन और कम कार्बन वाले जीवाश्म ईंधन शामिल हैं। ये ईंधन परिवहन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में उत्सर्जन घटाने में मददगार हैं। फिलहाल तरल और गैसीय ईंधन दुनिया की कुल ऊर्जा जरूरतों का 56% हिस्सा पूरा करते हैं। हालांकि अभी स्वच्छ ईंधन में निवेश का अनुपात स्वच्छ ऊर्जा निवेश के एक प्रतिशत से थोड़ा ही अधिक है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई कि अगर निवेश की रफ्तार नहीं बढ़ी, तो तय लक्ष्य पूरे नहीं हो पाएंगे। इस समय दुनिया भर में स्वच्छ ईंधन क्षेत्र में सालाना 25 अरब डॉलर का निवेश हो रहा है। स्वच्छ ईंधन के लिए मजबूत संभावनाएं हैं, लेकिन बड़े लक्ष्यों को जमीन पर उतारने के लिए हकीकत को समझते हुए ठोस और निवेश-योग्य परियोजनाएं बनानी होंगी। वैश्विक स्वच्छ ईंधन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए 2030 तक कम-से-कम 100 अरब डॉलर सालाना निवेश जरूरी होगा।

एमएसएमई के लिए योजनाओं को जोड़ें

नई दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की दक्षता बढ़ाने को गुरुवार को सरकार की विभिन्न योजनाओं को एक साथ जोड़ने की सिफारिश की। आयोग ने रिपोर्ट में कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के लिए केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल बनाया जाए और विकास योजनाओं एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का बेहतर समन्वय भी स्थापित किया जाए।

रिपोर्ट में एमएसएमई इकाइयों का बाजार के साथ सहयोग मजबूत करने के लिए विशेष मार्केटिंग प्रकोष्ठ बनाने का सुझाव भी दिया गया है। इस प्रकोष्ठ की घरेलू विपणन इकाई व्यापार मेलों, प्रदर्शनी और खरीदार-विक्रेता बैठकों में उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाएगी, जबकि विदेशी विपणन इकाई वैश्विक बाजार तक पहुंच और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में समर्थन देगी। साथ ही नीति आयोग ने ग्रामीण और कृषि-आधारित

- **नीति आयोग ने केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल बनाने और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रखी बात**

छोटे उद्योगों को उन्नत प्रशिक्षण और नवाचार तक पहुंच दिलाने के लिए मौजूदा योजनाओं को विशेष श्रेणी में शामिल करने की सिफारिश की है।

आयोग ने ग्रामीण और कृषि आधारित छोटे उद्योगों के लिए संचालित एस्पायर योजना को एमएसएमई नवाचार योजना में शामिल करने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे इन उद्यमों को उन्नत प्रशिक्षण, नवाचार और समर्थन मिल सकेगा।

रिपोर्ट में सुझाए गए दो-स्तरीय तरीके

नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी की रिपोर्ट में सरकारी योजनाओं को मिलाने के लिए सूचना का समन्वय और प्रक्रिया का समन्वय के दो-स्तरीय तरीके सुझाए गए हैं। इससे केंद्र और राज्य सरकारों के डेटा को जोड़कर योजनाओं में बेहतर तालमेल, निर्णय क्षमता और सेवाओं की पहुंच बढ़ाई जा सकेगी। आयोग ने इस समय संचालित 18 सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन करने के बाद कहा कि योजनाओं का अलग-अलग और कभी-कभी पारस्परिक संघर्ष वाला संचालन लाभार्थियों तक पहुंच और असर को सीमित कर देता है। इन योजनाओं का समान और संयोजित क्रियान्वयन एमएसएमई क्षेत्र में संसाधनों का उपयोग, आसान पहुंच और व्यापक विकास को सुनिश्चित करेगा।

बजट पूर्व आग्रह | पेट्रोलियम उद्योग ने कहा- घरेलू उत्पादन और परियोजनाओं की व्यवहार्यता पर पड़ रहा प्रतिकूल असर

कच्चे तेल पर लागू ओआईडी उपकर को हटाए सरकार

- **एफआईपीआई ने वित्त मंत्रालय से बजट से पहले किया आग्रह**

नई दिल्ली, एजेंसी

तेल एवं गैस उद्योग ने वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट में कच्चे तेल पर लगने वाले तेल उद्योग विकास (ओआईडी) उपकर को समाप्त करने या इसकी समीक्षा करने की मांग करते हुए कहा है कि इसका घरेलू उत्पादन और परियोजनाओं की व्यवहार्यता पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

भारतीय पेट्रोलियम उद्योग महासंघ (एफआईपीआई) ने वित्त मंत्रालय को बजट को लेकर भेजे सुझाव में कहा कि ओआईडी उपकर अब पेट्रोलियम उद्योग के लिए अत्यधिक बोझ बन गया है।

ऐतिहासिक रूप से यह उपकर कच्चे तेल की कीमत का केवल 8-10% रहा है। तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974 के तहत लगाने वाले ओआईडी उपकर को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट के बाद 1 मार्च, 2016 से विशिष्ट दर के बजाय 20% मूल्य-आधारित शुल्क में बदल दिया गया था। यह उपकर केवल उन्हीं तेल ब्लॉक पर लागू होता है जिनमें खोज एवं उत्पादन का अधिकार सरकार पहले ही नामित कंपनियों को दे चुकी थी या जो 1997 से पहले की पुरानी लाइसेंसिंग नीति (प्री-एनईएलपी) के तहत आए हैं।

उत्पादन बनाए रखने को अधिक निवेश की जरूरत

एफआईपीआई ने कहा कि असल में ये ब्लॉक अधिकांशतः पुराने और उत्पादन में गिरावट की स्थिति वाले हैं लिहाजा इनमें उत्पादन बनाए रखने के लिए अधिक निवेश की जरूरत होती है। इसके उलट, नवीन खोज लाइसेंस नीति (एनईएलपी), मुक्त क्षेत्र लाइसेंस नीति (ओएएलपी) और खोजे गए छोटे क्षेत्र (डीएसएफ) ब्लॉकों पर यह उपकर लागू नहीं है। उद्योग निकाय ने कहा कि मुंबई हाई और बेसिन जैसे ओएनजीसी के बड़े क्षेत्र नामित ब्लॉक हैं, जबकि वेदांता केयर्न का राजस्थान क्षेत्र एनईएलपी-पूर्व ब्लॉक है। संगठन ने कहा कि ओआईडी उपकर केवल घरेलू कच्चे तेल पर लगने से स्थानीय उत्पादक आयातित तेल की तुलना में नुकसान में रहते हैं और यह 'मेक इन इंडिया' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्यों के विपरीत है।

चरणबद्ध उपकर लागू करने का सुझाव

उद्योग निकाय ने इस उपकर को पूरी तरह खत्म करने की जगह कच्चे तेल की कीमत से जुड़ा चरणबद्ध उपकर लागू करने का सुझाव दिया है। इसके तहत 25 डॉलर प्रति बैरल तक शून्य उपकर, 25-50 डॉलर पर पांच प्रतिशत, 50-70 डॉलर पर 10 प्रतिशत और 70 डॉलर से ऊपर 20 प्रतिशत उपकर लगाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, एफआईपीआई ने घरेलू कच्चे तेल पर लगने वाले ''राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क'' (एनसीसीडी) और ''बुनियादी उत्पाद शुल्क'' को भी हटाने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इन करों को हटाने से नियामकीय बोझ कम होगा और कारोबारी सुगमता को बढ़ावा मिलेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

थाईलैंड में अब हाईवे पर गिरी क्रेन, दो की मौत, पांच घायल

बैंकॉक। मध्य थाइलैंड के एक व्यस्त राजमार्ग पर एक निर्माण क्रेन के हिस्से गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि बैंकॉक से 17 मील दूर समुत सखोन प्रांत में किंग रामा द्वितीय राजमार्ग पर एक एलिवेटेड टोल रोड परियोजना पर काम कर रही एक निर्माण क्रेन के कुछ हिस्से सड़क पर गिर गए, जिससे वहां से गुजर रही दो कारें टकरा गईं। राजा राम द्वितीय राजमार्ग पर निर्माण सामग्री के सड़क पर गिरने की घटनाएं पहले भी हुई हैं, जिससे लोग हताहत हुए हैं। इससे पहले 14 जनवरी को थाई प्रांत नाखोन रत्चासिमा में पटरियों पर गिरी एक निर्माण क्रेन से यात्री ट्रेन टकराने से 32 लोगों की मौत हो गई थी और 64 घायल हो गए थे। तीन लोग लापता हैं।

न्यू जर्सी: अपने दो बेटों की हत्या की आरोपी भारतीय महिला गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। न्यू जर्सी में भारतीय मूल की 35 वर्षीय महिला को अपने दो नाबालिग बेटों की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सोमरसेट काउंटी के अभियोजक जॉन मैकडोनाल्ड ने बताया कि 13 जनवरी को शाम लगभग 6 .45 बजे एक व्यक्ति ने आपातकालीन नंबर 911 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। इस व्यक्ति को बच्चों का पिता माना जा रहा है। उसने बताया कि काम से घर लौटने पर उसने अपने पांच और सात वर्षीय दो बेटों को बेहोश पाया। उसने कहा, मेरी पत्नी ने उनके साथ कुछ किया है। मौके पर पहुंचने पर पुलिस अधिकारियों ने घर के एक कमरे में दोनों बच्चे मृत अवस्था में मिले। नटराजन को हत्या और गैरकानूनी उद्देश्य के लिए हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिका ने कैरेबियन सागर में एक और तेल टैंकर को जब्त किया

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में एक और तेल टैंकर को जब्त कर लिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इस टैंकर का संबंध वेनेजुएला से है। माना जा रहा है कि यह लातिन अमेरिकी देश के तेल भंडार पर नियंत्रण हासिल करने के लिए अमेरिका द्वारा की जा रही कोशिशों का हिस्सा है। अमेरिका की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, मोटर टैंकर वेरोनिका पहले वेनेजुएला के जलक्षेत्र से गुजर चुका था, और वह कैरेबियन में प्रतिबंधित जहाजों के लिए राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा निर्धारित क्षेत्र का उल्लंघन कर रहा था।

पर्यटन और अस्थाई वीजा पर रोक नहीं लगाएगा अमेरिका

- उच्चजोखिम वाले 75 देशों पर सिर्फ प्रवासी वीजा पर रहेगी पाबंदी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत उच्च-जोखिम वाले 75 देशों के लोगों के लिए प्रवासी वीजा पर लगाई गई ताजा रोक पर्यटक या वर्क वीजा पर लागू नहीं होगी और इसका असर उन लोगों पर पड़ेगा जो अमेरिका में स्थाई रूप से रहना चाहते हैं।

अमेरिका ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, ईरान, इराक और रूस सहित 75 देशों के नागरिकों के लिए प्रवासी वीजा जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की बुधवार को घोषणा की थी। उसने कहा कि इन देशों से आने वाले प्रवासी अमेरिकी लोगों की कल्याणकारी योजनाओं का अस्वीकार्य दरों पर लाभ लेते हैं। प्रवासियों पर ट्रंप प्रशासन की सख्ती के तहत उठाया गया यह ताजा कदम उन विदेशियों के प्रवेश पर अंकुश लगाने के लिए है जिनके अमेरिका में रहते हुए सार्वजनिक लाभों पर निर्भर रहने की आशंका है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रवासियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना चाहिए और अमेरिकियों पर बोझ नहीं बनना चाहिए। विदेश मंत्रालय सभी नीतियों, विनियमों की पूर्ण समीक्षा कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उच्च-जोखिम वाले इन देशों से आने वाले प्रवासी अमेरिका में कल्याणकारी योजनाओं का उपयोग न करें।

ट्रंप की मनमानी से बदले हालात

नाटो सदस्य देशों में दरार

डेनमार्क के स्वामित्व वाले ग्रीनलैंड पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कब्जा करने की घोषणा ने नाटो के भीतर गंभीर तनाव पैदा कर दिया है। नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन यानी नाटो एक सैन्य गठबंधन है जिसकी स्थापना 1949 में हुई थी। इसमें 32 सदस्य देश शामिल हैं जो एक-दूसरे की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। नाटो में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे शक्तिशाली देश शामिल हैं। अमेरिका इसका सबसे बड़ा वित्तीय और सैन्य योगदानकर्ता है। इस संगठन का मुख्य सिद्धांत सामूहिक रक्षा है। यानी यदि किसी एक सदस्य देश पर हमला होता है तो उसे पूरे समूह पर हमला माना जाता है और सभी सदस्य देश मिलकर उसका मुकाबला करते हैं। अब नाटो देशों की एकता खतरे में पड़ गई है। ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए अत्यावश्यक बताया है।

ट्रंप की घोषणा पर प्रतिक्रिया

- नाटो सदस्य डेनमार्क ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका जबरन ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोशिश करता है तो यह नाटो का अंत हो सकता है।
- जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और नॉर्वे जैसे नाटो सदस्यों ने डेनमार्क के समर्थन में ग्रीनलैंड में अपने सैनिक और सैन्य अभ्यास भेजने का फैसला किया है।
- नाटो के इतिहास में यह पहली बार होने जा रहा है जब उसके सदस्य देशों ने ही एक-दूसरे के खिलाफ खड़े होने की तैयारी शुरू कर दी है।
- ट्रंप का तर्क है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण से नाटो और शक्तिशाली बनेगा, लेकिन इसे मित्र देश की संप्रभुता पर हमला माना जा रहा है।

नाटो देशों का आपसी सहयोग

- बजट और संसाधन साझा करना प्रमुख है, नाटो सदस्यों ने 2026 के लिए 2 .42 बिलियन यूरो के साझा सैन्य बजट और 528 .2 मिलियन यूरो के नागरिक बजट पर सहमति जताई है।
- आधुनिक खतरों से निपटने के लिए एक डेटा-केंद्रित संगठन बनने की रणनीति अपनाई है। 2026 में साइबर लचीलापन बढ़ाने और साझा डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर साथ काम कर रहे हैं।
- सामूहिक रक्षा और अनुच्छेद 5 नाटो सदस्य देशों के बीच सहयोग का सबसे बड़ा आधार है, जिसके तहत किसी एक सदस्य पर हमला सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है।
- नाटो देशों ने रूस से यूक्रेन की रक्षा के लिए अभूतपूर्व सहयोग दिखाया है। वर्ष 2026 के लिए यूक्रेन को 45 से 60 बिलियन डॉलर तक की सैन्य सहायता देने का संकल्प लिया है।

क्या हैं आशंकाएं

- यूरोपीय देश स्वतंत्र सैन्य शक्ति और रक्षा प्रणाली बनाने पर जोर देंगे। नाटो के बजाय यूरोपीय सेना का विचार जन्म ले रहा है।
- अमेरिका का यूरोप व अटलांटिक क्षेत्र पर नियंत्रण कम होगा, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में चीन-रूस अपनी भूमिका बढ़ा सकते हैं।
- नाटो कमजोर होने से देश द्विपक्षीय या छोटे क्षेत्रीय गुटों की ओर बढ़ सकते हैं। वैश्विक सुरक्षा ढांचा जटिल व अस्थिर हो जाएगा।
- कई यूरोपीय देश परमाणु हथियार विकसित करने पर विचार कर सकते हैं, जो वैश्विक अप्रसार प्रयासों के लिए बड़ा झटका होगा।

रूस-चीन के लिए अवसर

- नाटो की एकता कम होने से रूस को पूर्वी यूरोप में प्रभाव बढ़ाने का मौका मिलेगा, यूक्रेन और बाल्टिक देशों के लिए सुरक्षा जोखिम बढ़ जाएगा।
- चीन आर्थिक और कूटनीतिक रूप से यूरोपीय देशों को आकर्षित करने की कोशिश करेगा, ताकि अमेरिका को अलग-थलग किया जा सके।
- ट्रंप का दावा है कि अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड नहीं लिया तो रूस या चीन उस पर कब्जा कर लेंगे। डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने इसे खारिज कर दिया है।

ट्रंप का रुख बदला, अब बोले- ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुकीं

एक दिन पहले ही प्रदर्शनकारियों को दिलाया था मदद भेजने का भरोसा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख में बुधवार को तब अचानक बदलाव नजर आया जब उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वसनीय सूत्रों ने बताया है कि ईरान में फांसी की सजा की योजना को रोक दिया गया है। इसके उलट तेहरान ने प्रदर्शनकारियों पर अपनी कार्रवाई में त्वरित सुनवाई और फांसी देने के संकेत दिए हैं। ज्यादा जानकारी दिए बगैर अमेरिकी राष्ट्रपति का यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब एक दिन पहले ही उन्होंने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया था कि मदद आ रही है और उनका प्रशासन इस्लामिक गणराज्य की घातक कार्रवाई के जवाब में उचित कार्रवाई करेगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 24 घंटे के भीतर कई ऐसे बयान दिए हैं जिनसे यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि ईरान के खिलाफ अमेरिका यदि कोई कार्रवाई करेगा तो वह क्या होगी। बुधवार को उनकी टिप्पणियों से संकेत मिला कि वे कार्रवाई को टाल देंगे। 'व्हाइट हाउस' में शासकीय आदेशों और कानूनों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, हमें बताया गया है कि ईरान में हत्याएं रुक रही हैं। वे अब ऐसा कुछ नहीं करने जा रहे हैं। फांसी की कोई योजना नहीं है, न ही किसी को फांसी दी जाएगी। मुझे यह विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उन्हें यह जानकारी कहां से मिली, लेकिन उन्होंने इसे दूसरी तरफ के बहुत महत्वपूर्ण सूत्रों से मिली जानकारी बताया।

बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान में सड़कों पर मौजूद प्रदर्शनकारी।

सप्ताह भर तक कार्रवाई ईरान में धीमे हुए प्रदर्शन

दुबई। ईरान की इस्लामिक सत्ता को चुनौती देने वाले देशव्यापी विरोध प्रदर्शन बृहस्पतिवार को धीरे-धीरे शांत होते नजर आए। एक सप्ताह पहले ही अधिकारियों ने देश को दुनिया से अलग-थलग कर दमनकारी कार्रवाई को तेज किया था। इस कार्रवाई में लगभग 2,615 लोग मारे गए। ईरान की राजधानी तेहरान में प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पिछले एक-दो दिन से सुबह के समय रात के दौरान जलाई गई आग के कोई निशान या सड़कों पर किसी प्रकार का कोई मलबा नहीं दिखा। कई रातों से जारी गोलीबारी की तेज आवाज अब मंद पड़ गई है। इस बीच, ईरान के सरकारी मीडिया ने एक के बाद एक की जा रही गिरफ्तारियों की घोषणा की।

सवालों के दिए गोलमोल जवाब, कहा- नजर रखेंगे और देखेंगे

ट्रंप ने कहा कि यह जानकारी सच है या नहीं, इसकी पड़ताल वह बाद में करेंगे। यह भी खुलासा नहीं किया कि इसकी पड़ताल वह कैसे करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह सच है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह ईरानी सरकार के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे तो उन्होंने कहा, कौन जानता है। ट्रंप ने कहा, हम इस पर नजर रखेंगे और देखेंगे कि प्रक्रिया क्या है। मंगलवार को राष्ट्रपति ने पत्रकारों से कहा था कि उन्होंने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से अगले कदमों के बारे में परामर्श किया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और 'व्हाइट हाउस' की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख अधिकारियों ने ट्रंप के लिए राजनयिक दृष्टिकोण से लेकर सैन्य हमलों तक के विकल्पों पर विचार-विमर्श को लेकर पिछले शुक्रवार को बैठक शुरू की थी।

रूस ने जासूसी कर रहे ब्रिटिश राजनयिक को निष्कासित किया

- ब्रिटिश खुफिया एजेंसी से संबंध स्थापित होने के बाद उठाया कदम

मॉस्को। रूस ने जासूसी के आरोपों की वजह से मॉस्को स्थित ब्रिटिश दूतावास में कार्यरत एक राजनयिक को बृहस्पतिवार को निष्कासित कर दिया। रूस की ओर से यह कदम रूसी खुफिया एजेंसी एफएसबी की ओर से दूतावास में कार्यरत इस अधिकारी का संबंध ब्रिटिश खुफिया एजेंसी से स्थापित करने के बाद उठाया गया।

संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने कहा कि मॉस्को स्थित ब्रिटिश दूतावास में सचिव के पद पर कार्यरत गैरेथ सैमुअल डेविस ब्रिटेन की गुप्त सेवाओं के लिए काम कर रहे हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने ब्रिटिश दूतावास की प्रभारी डेने ढोलकिया को औपचारिक विरोध दर्ज कराने और संदिग्ध जासूस को दो सप्ताह के भीतर देश छोड़ने के आदेश से अवगत कराने के लिए तलब किया था।

रूस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, मॉस्को रूसी धरती पर ब्रिटिश विशेष सेवाओं के अघोषित एजेंटों की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगा। कहा गया है कि रूसी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में 'कतई बर्दाश्त नहीं' की नीति अपनाती है।

ग्रोक पर रोक, अब नहीं बनाएगा अश्लील तस्वीरें

नई दिल्ली,एजेंसी

अश्लील डीपफेक तस्वीरों को लेकर भारी विरोध के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' ने अपने एआई चैटबॉट ग्रोक को अवैध रूप से आपत्तिजनक कपड़ों में लोगों की तस्वीरें बनाने से रोकने के लिए प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए हैं। 'एक्स' ने कहा है कि यह प्रतिबंध पेड सब्सक्राइबर (सशुल्क ग्राहक) समेत सभी यूजर्स पर लागू होता है। इसके अलावा 'एक्स' पर ग्रोक खाते के जरिए तस्वीर बनाने और उन्हें एडिट करने की सुविधा अब सिर्फ पेड सब्सक्राइबर्स के लिए ही उपलब्ध होगी।

कंपनी का कहना है कि इससे सुरक्षा तंत्र और मजबूत होगा और यह सुनिश्चित होगा कि जो लोग ग्रोक खाते का दुरुपयोग करके कानून या उसकी नीतियों का उल्लंघन करते हैं, उनकी जवाबदेही तय हो। 'एक्स' ने कहा कि अब हम उन सभी क्षेत्रों में ग्रोक खाते और ग्रोक इन एक्स में बिकनी, अंतःवस्त्र और ऐसे और परिधानों में लोगों की तस्वीरें बनाने की क्षमता को भौगोलिक रूप से अवरुद्ध कर रहे हैं, जहां यह अवैध है। ग्रोक खाते को बिकनी जैसे आपत्तिजनक कपड़ों में वास्तविक लोगों की तस्वीरों को संपादित करने से रोकने के लिए उसने प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए हैं।

Grok

- एक्स ने प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए, सभी यूजर्स आएंगे दायरे में

सभी के लिए सुरक्षित मंच बनाने का वादा

'एक्स' ने स्पष्ट किया कि इससे उसके मौजूदा सुरक्षा नियमों में कोई बदलाव नहीं आएगा जिसके तहत 'एक्स' पर पोस्ट किए गए सभी 'एआई प्रॉम्प्ट' और 'जेनरेटेड कंटेंट' को उसके निर्धारित नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। कंटेंट चाहे जिस तरह तैयार किया जाए, यूजर सशुल्क ग्राहक हो या मुफ्त सेवा लेने वाला, हमारा सुरक्षा दल अवैध सामग्री को हटाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने, जरूरत पड़ने पर खातों को स्थाई रूप से निलंबित करने और स्थानीय सरकारों तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। वह सभी के लिए सुरक्षित मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाल यौन शोषण, बिना सहमति के नग्नता एवं अवांछित यौन सामग्री को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अंतरिक्ष यात्री के बीमार पड़ने से अधूरा खत्म हुआ मिशन

केप केनवरल, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से एक बीमार अंतरिक्ष यात्री बृहस्पतिवार को तीन और साथियों के साथ पृथ्वी पर लौट आया। अंतरिक्ष स्टेशन का इन लोगों का मिशन एक महीने से अधिक समय पहले ही खत्म हो गया। स्वास्थ्य कारणों को लेकर अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष स्टेशन से वापस धरती पर लाने का नासा का यह पहला अभियान था।

इन अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर निकलने के 11 घंटे बाद स्पेसएक्स ने कैप्सूल को सैन डिएगो के पास प्रशांत महासागर में आधी रात को सफलतापूर्वक उतारा। अगस्त में शुरू हुए इस मिशन का यह अप्रत्याशित अंत था, जिसके बाद आईएसएस में केवल एक अमेरिकी और दो रूसी ही शेष रह गए हैं। नासा और स्पेसएक्स ने कहा कि वे चार सदस्यीय नए दल को अंतरिक्ष में भेजने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। नासा की जेना कार्डमैन और माइक फिंके के साथ जापान के किमिया युई और रूस के ओलेग प्लाटोनोव भी वापस आए। अधिकारियों ने गोपनीयता का हवाला देते हुए बीमार अंतरिक्ष यात्री की पहचान या घटना के बारे में विस्तार से बताने से इन्कार कर दिया। कक्षा में अंतरिक्ष यात्री की हालत स्थिर थी लेकिन नासा उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए पृथ्वी पर वापस लाना चाहता था।

- अपनी तरह के पहले मामले में नासा की टीम ने पृथ्वी पर की आपात वापसी

डेनमार्क के विदेशमंत्री ने कहा- ग्रीनलैंड के मुद्दे पर हम अमेरिका से असहमत

वाशिंगटन। डेनमार्क के विदेश मंत्री ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ बातचीत के बाद भी ग्रीनलैंड को लेकर बुनियादी असहमति बनी हुई है। हालांकि दोनों पक्ष मतभेदों को दूर करने के तरीकों पर चर्चाकरने के लिए एक कार्यसमूह बनाने पर सहमत हो गए हैं।

ट्रंप लगातार डेनमार्क के आर्कटिक क्षेत्र ग्रीनलैंड को कब्ज़े में लेने की बात कह रहे हैं। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने वेंस और रुबियो के साथ चर्चा के बाद कहा, ग्रीनलैंड के आसपास की मौजूदा स्थिति पर हमारा दृष्टिकोण अमेरिका के सार्वजनिक बयानों से भिन्न है, लेकिन दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में हम चिंताओं को साझा करते हैं। मौलिक मतभेदों के बावजूद डेनमार्क और ग्रीनलैंड अमेरिका से संवाद जारी रखेंगे। रासमुसेन ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने एक उच्च स्तरीय कार्य समूह बनाने का फैसला किया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या हम आगे बढ़ने का एक साझा रास्ता खोज सकते हैं।

वेनेजुएला पर और हमले से ट्रंप को रोकने को लाया गया विधेयक गिरा

वाशिंगटन, एजेंसी

वेनेजुएला पर और हमले करने की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की क्षमता को सीमित करने वाले युद्ध अपराध से संबंधित एक प्रस्ताव को रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने बुधवार को सीनेट में खारिज करने के पक्ष में मतदान किया, जबकि पार्टी के दो सांसदों ने इस विधेयक के समर्थन से अपना रुख पलट लिया।

ट्रंप ने उन पांच रिपब्लिकन सीनेटरों पर भारी दबाव डाला था जिन्होंने पिछले सप्ताह डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों के साथ मिलकर प्रस्ताव को आगे बढ़ाया और अंततः वह विधेयक को पारित होने से रोकने में सफल रहे। इन पांच रिपब्लिकन सीनेटरों में से दो मिसौरी के सीनेटर जोश हॉली और इंडियाना के सीनेटर टॉड यंग ने दबाव में आकर अपना पक्ष बदल लिया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को सीनेट में विधेयक को खारिज करने के रिपब्लिकन प्रस्ताव पर 50 के मुकाबले 50 के वोट पर निर्णायक वोट करना पड़ा।

इस हाईप्रोफाइल चुनाव के परिणाम ने यह प्रदर्शित किया कि ट्रंप अब भी रिपब्लिकन पार्टी के अधिकतर हिस्से पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं, लेकिन बेहद कम अंतर से हुए मतदान ने राष्ट्रपति की आक्रामक विदेश नीति की महत्वाकांक्षाओं को लेकर कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद परिसर) में बढ़ती चिंता को भी उजागर किया। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को अचानक रात में गिरफ्तार किए जाने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने इस बहस को आगे बढ़ाया।

ट्रंप ने मंगलवार को मिशिगन में अपने संबोधन में कहा, हमारे सामने यह अब तक के सबसे सफल हमलों में से एक है और वे इसके खिलाफ जाने का रास्ता ढूंढ लेते हैं। यह वाकई चौंकाने वाला है। यह शर्मनाक है। उन्होंने इस विधेयक को आगे बढ़ाने वाले कई रिपब्लिकन सांसदों को भी निशाना बनाया।

- पक्ष-विपक्ष में पड़े 50-50 मत, वेंस को डालना पड़ा निर्णायक वोट

यूक्रेन में ऊर्जा क्षेत्र में आपातकाल लागू

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोडिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों और खराब मौसम की वजह से देश के ऊर्जा क्षेत्र सेक्टर में आपातकाल लागू करने की घोषणा की है।

जेलेंस्की ने बुधवार को टेलीग्राम पर कहा कि इस कदम का मकसद बैकअप पावर इक्विपमेंट को बिजली नेटवर्क से जोड़ने से जुड़ी औपचारिक प्रक्रियाओं को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बिजली आयात बढ़ाने का निर्देश दिया है। इसके अलावा सरकार बहुत ज्यादा ठंड में निषेधाज्ञा नियमों की समीक्षा करेगी और शिक्षा प्रक्रिया के तरीकों पर विचार करेगी। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की राजधानी कीव, ओडेसा और मध्य यूक्रेन के निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में ऊर्जा की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 20 .21 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

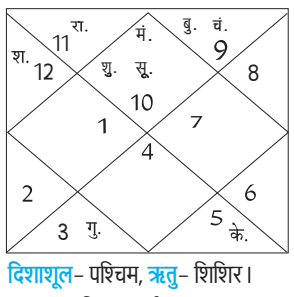

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल पूर्ण रात्रि तक।

मेष — आज विदेश में रहने वाले परिजनों की चिंता हो सकती है। शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। प्रेम संबंधों में परस्पर विश्वास में कमी होने की आशंका है, लेकिन साथ में समय बिताने से मन हल्का होगा।

वृष — आज उच्च शिक्षा में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। अटका हुआ धन वापस मिलने में कठिनाई होगी। मेहनत का उत्तम परिणाम नहीं मिलेगा। स्वयं की गलतियों पर पर्दा न डालें। आपका मन किसी कारण अप्रसन्न हो सकता है।

मिथुन — आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो सकती है। जॉब में आपका प्रभाव बढ़ेगा। बुद्धिमान लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। पारिवारिक संबंधों की कटुता दूर होगी। पार्टनरशिप में किए गए व्यवसाय से आपको लाभ होगा।

कर्क — आज मांगलिक कार्यक्रमों की योजना बना सकते हैं। परिवार के लोगों का विरोध करने से बचें। नए रोजगार की प्राप्ति हो सकती है। अधूरे कार्यों को पूर्ण करने का दबाव रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे परिणाम मिलेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — आज अपने निर्णयों को बार-बार न बदलें। संतान की गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। मन में नए काम को लेकर थोड़ी शंका रहेगी। आपको अपने स्वाभिमान की चिंता हो सकती है। घरेलू कार्यों में फंसे रहेंगे। शुभ कार्यों में धन खर्च होगा।

कन्या — आज योजनाबद्ध तरीके से काम करना लाभकारी होगा। दिखावे पर अधिक खर्च करना उचित नहीं है। कानूनी विवादों को लेकर सावधानी रखें। परिवार में किसी बात को लेकर कलह हो सकती है। अपने चरित्र को अच्छा रखें।

तुला — आज छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। मनोरंजन के साधनों पर धन खर्च करेंगे। नई जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। रूढ़िवादी विचारों से बचें। नए व्यंजनों का सेवन कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा।

वृश्चिक — आज धन के मामले में भाग्यशाली रहेंगे। बच्चों की सेहत की चिंता हो सकती है। जिम्मेदारियों के बीच स्वयं के लिए समय अवश्य निकालें। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। बोलचाल के दौरान सभ्य भाषाशैली का प्रयोग करें।

धनु — आज अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। व्यवसाय में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने में लगे रहेंगे। विद्वान लोगों के साथ आपके संपर्क मजबूत होंगे। परिवार को लेकर आप कुछ योजना बना सकते हैं। घर में मेहमानों का आना-जाना लगा रहेगा।

मकर — आज व्यवसाय में प्रलोभनों से बचें। भूतकाल की बातों को लेकर थोड़ा चिंतित रहेंगे। अपने विचारों को सकारात्मक बनाए रखें। बुरी संगत के कारण आपको नुकसान हो सकता है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपने संबंध अच्छे रखें।

कुंभ — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर आप धन खर्च करेंगे। युवा प्रेम संबंधों को लेकर अत्यंत भावुक हो सकते हैं। कारोबार में वृद्धि होने की संभावना है। परिजनों के प्रति थोड़ा चिंतित रहेंगे।

मीन — आज सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके मस्तिष्क में नए रचनात्मक विचार उत्पन्न होंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान मिलेगा। विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। परिवार में किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा होगी।

सुडोकू-33

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2		7	5			4
			1			8		
9			3	8		5		6
		6		2			3	
	4		8		1		7	
	5			9		1		
6		1		5	8			9
		7			4			
4			7	3		2		

सुडोकू - 32 का हल

8	7	4	9	5	1	6	3	2
6	5	2	4	3	8	9	1	7
3	9	1	6	7	2	8	4	5
5	1	7	8	4	9	2	6	3
9	8	3	5	2	6	4	7	1
4	2	6	3	1	7	5	8	9
7	4	8	1	9	5	3	2	6
2	6	5	7	8	3	1	9	4
1	3	9	2	6	4	7	5	8

मेरी कप्तानी के अंदाज में एक चीज जो मैं कभी नहीं बदलना चाहती, वह है मैदान पर आक्रामकता। क्योंकि मुझे लगता है कि यह मेरे अंदर से सबसे अच्छा निकलता है। मैदान के बाहर मुझे गुस्सा नहीं आता।
–हरमनप्रीत कौर, मुंबई इंडियंस की कप्तान

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

कर्नाटक को हराकर विदर्भ विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में

बेंगलुरु। दर्शन नालकंडे (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद अमन मोखाड़े (138) की शतकीय तथा रविकुमार समर्थ (नाबाद 76) रनों अर्धशतकीय पारी की बदौलत विदर्भ ने गुरुवार को कर्नाटक को 22 गेंदें शेष रहत छह विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। 281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विदर्भ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में अर्थव तायडे (छह) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद अमन मोखाड़े और ध्रुव शौरी की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 98 रन जोड़े। 24वें ओवर में अभिलाष शेट्टी ने ध्रुव शौरी (47) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद रविकुमार समर्थ के साथ अमन मोखाड़े ने तीसरे विकेट के लिए 147 रन जोड़े। इस दौरान मोखाड़े ने अपना शतक भी पूरा किया। 42वें ओवर में तीसरे विकेट के रूप अमन मोखाड़े को विद्याधर ने आउट किया।

स्टार्क और वोल्वार्ट प्लेयर ऑफ द मंथ बने

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज़ मिशेल स्टार्क और दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने पुरुषों और महिलाओं के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ़ द मंथ का अवॉर्ड जीता है, शानदार प्रदर्शन की एक सीरीज़ के बाद जिसमें उन्होंने कड़ी टक्कर को पीछे छोड़ा। स्टार्क, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया की 4-1 से एशेज जीत में प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया था, ने दिसंबर में 21.25 की औसत से 16 विकेट लिए, साथ ही महीने के दौरान तीन टेस्ट में 139 रन भी बनाए। सबसे शानदार प्रदर्शन ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट में प्लेयर ऑफ़ द मैच का था, जहां उन्होंने आठ विकेट लिए और महत्वपूर्ण 77 रन बनाए।

एमेलिया वाल्वरडे महिला टीम से जुड़ेंगी

कोलकाता। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सूत्रों के अनुसार कोस्टा रिका की पूर्व विश्व कप कोच एमेलिया वाल्वरडे आगामी एएफसी महिला एशियाई कप के लिए भारतीय महिला फुटबॉल टीम में मेंटोर के तौर पर जुड़ने वाली हैं। एआईएफएफ 39 वर्षीय वाल्वरडे के साथ अनुबंध को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। वह 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में कोस्टा रिका की मुख्य कोच थीं।

न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत गया, इस पर हैरानी हुई : गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि उन्हें इस बात पर काफी हैरानी हुई कि राजकोट में दूसरे एकदिवसीय में न्यूजीलैंड ने भारत को इतनी आसानी से कैसे हरा दिया। इसके साथ ही रविवार को तीसरे और आखिरी मैच में मेजबान टीम को अपने संयोजन के साथ प्रयोग करने की आजादी नहीं होगी। डेरिल मिचेल की नाबाद 131 रन की पारी से न्यूजीलैंड ने राजकोट में दूसरे एकदिवसीय में 285 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट की जीत के साथ श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। श्रृंखला का निर्णायक मैच इंदौर में खेला जाएगा।

गावस्कर ने कहा मुझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत गया क्योंकि उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिच की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा। उन्होंने कहा सिर्फ स्पिनरों ने ही नहीं बल्कि उनके (न्यूजीलैंड के) सभी गेंदबाजों ने पिच की धीमी गति का अच्छी तरह से इस्तेमाल किया। ऐसा लगा कि भारत न्यूजीलैंड को लगभग 260 या 270 रन पर रोक पाएगा। मुझे लगा था कि यह भारत के लिए एक आसान जीत होगी। गावस्कर ने मिचेल की भी सराहना की जिन्होंने विल यंग (87) के साथ 162 रन की साझेदारी करके मेहमान टीम की जीत सुनिश्चित की। गावस्कर ने कहा कि श्रृंखला के निर्णायक मैच में भारत पर दबाव होगा और टीम के पास यशस्वी जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को आजमाने की गुंजाइश नहीं है जिन्हें राजकोट में श्रृंखला जीतने की स्थिति में इंदौर में मौका दिया जा सकता था।

उन्होंने कहा अगर वे (भारत) यह मैच जीत जाते तो उन्हें थोड़ा प्रयोग करने की आजादी होती। शायद उन खिलाड़ियों को मौका देते जो अब तक नहीं खेले हैं। जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को भी थोड़ा मौका मिल सकता था। गावस्कर ने कहा यह सब संभव हो सकता था लेकिन अब वे कोई जोखिम नहीं ले सकते। उन्हें अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश के साथ खेलना होगा। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी साइमन डूल ने मिचेल की पारी और उन्होंने जिस तरह से कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा की भारतीय स्पिन जोड़ी का सामना किया उसकी तारीफ की। कुलदीप ने अपने 10 ओवर में 82 रन दिए और सिर्फ एक विकेट ले पाए तो वहीं जडेजा ने आठ ओवर में बिना कोई विकेट लिए 44 रन दिए। डूल ने कहा मिचेल के भारत के खिलाफ बहुत अच्छे आंकड़े हैं... हम इसे बार-बार देखते हैं, रिवर्स स्वीप, अपने पैरों का इस्तेमाल करना। कुलदीप के खिलाफ बहुत जल्द वह आगे बढ़कर खेले और पहले ही ओवर में उन पर दबाव डाला। उस पल से कुलदीप ने अपनी लय खो दी जो अक्सर नहीं होता है।

धूल भरी पिचों पर तैयारी करने से मुझे रणनीति बनाने में मदद मिली : मिचेल

राजकोट। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने कहा कि लिंकन में न्यूजीलैंड क्रिकेट की खास तौर पर तैयार की गई धूल भरी पिच में तैयारी करने से उन्हें उपमहाद्वीप की स्पिन की अनुकूल पिचों पर खेलने में महारत हासिल करने में मदद मिली। एकदिवसीय बल्लेबाजों की आईसीसी रैंकिंग में बल्लेबाज विराट कोहली से सिर्फ एक रेटिंग अंक पीछे चल रहे मिचेल ने भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर शानदार बल्लेबाजी करते हुए पिछले चार मैच में 130, 134, 84 और नाबाद 131 रन बनाए हैं। चौंतीस साल के मिचेल ने बुधवार को यहां 117 गेंद में नाबाद 131 रन बनाकर न्यूजीलैंड की सात विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई जिससे टीम ने तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

अंडर-19 विश्व कप में हेनिल पटेल ने भारत को दिलाई विजयी शुरुआत

बारिश से प्रभावित मैच में अमेरिका को छह विकेट से हराया

हेनिल पटेल।

बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी

हेनिल पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए जिससे भारत ने बृहस्पतिवार को यहां बारिश से प्रभावित आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के अपने पहले मैच में अमेरिका को डकवर्थ लुईस पद्धति से छह विकेट से हरा दिया। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल ने सात ओवर में एक मेडन के साथ 16 रन देकर पांच विकेट झटके। भारत ने बादलों भरे मौसम में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और फिर हेनिल की शानदार गेंदबाजी से मध्यक्रम को तहस-नहस करते हुए अमेरिका को 35.2 ओवर में महज 107 रन पर ढेर कर दिया।

बारिश की बाधा के बाद लक्ष्य 37 ओवर में 96 रन कर दिया गया। जब बारिश आई तब भारतीय टीम ने चार ओवर में एक विकेट पर 21 रन बना लिए थे। इसके बाद अभिज्ञान कुंडू (41 गेंद में नाबाद 42 रन) ने 118 गेंद रहते टीम को डकवर्थ लुईस पद्धति से जीत दिलाई। बारिश के कारण खेल देर से शुरू हुआ। 14 साल के बल्लेबाजी वैभव सूर्यवंशी (02) सस्ते में आउट हो गए। उन्हें तीसरे ओवर में ऋत्विक अप्पिडी (पांच ओवर में 24 रन देकर दो विकेट) ने बोल्ड कर दिया।

- धुरंधर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी महज दो रन बनाकर हुए आउट

अप्पिडी की लेंथ गेंद पर सूर्यवंशी विकेट से आगे आए और गेंद बल्ले के अंदरूनी किनार से लगकर स्टंप्स पर जा लगी। कप्तान आयुष म्हात्रे दो चौके लगाकर आत्मविश्वास से भरे दिख रहे थे लेकिन तभी बारिश ने एक और रुकावट डाल दी। इस समय भारत को 46 ओवर में सिर्फ 87 रन चाहिए थे। लेकिन लंबे समय तक खेल रुकने के बाद जब फिर शुरू हुआ तो डकवर्थ लुईस पद्धति के अनुसार समीकरण बदल गया। खेल शुरू होने पर भारत ने म्हात्रे (19) और वेदांत त्रिवेदी (02) के विकेट जल्दी जल्दी गंवा दिए। फिर उप-कप्तान विहान मल्होत्रा 18 रन पर आउट हो गए।

इससे पहले हेनिल ने अपने पहले ही ओवर में अमरिंदर गिल को स्लिप में विहान मल्होत्रा के हाथों कैच करवाकर पहला विकेट लिया जिसके बाद तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन ने साहिल गर्ग (16) को थर्ड मैन पर हेनिल के हाथों कैच करवाकर अमेरिका का स्कोर नौ ओवर में दो विकेट पर 29 रन कर दिया। इसके बाद हेनिल ने लगातार दो विकेट लेकर पारी पर नियंत्रण कर लिया। उन्होंने कप्तान उत्कर्ष श्रीवास्तव को खाता भी नहीं खोलने दिया जो पांच गेंद खेलकर पवेलियन लौट गए। हेनिल ने इसी ओवर में विकेटकीपर अर्जुन महेश (16) को भी आउट कर दिया जिससे अमेरिका का स्कोर चार विकेट पर 35 रन हो गया। अमेरिका इन झटकों से उबर नहीं पाया। लेग स्पिनर खिलन पटेल ने आते ही विकेट झटक लिया, उन्होंने अमोघ अरेपल्ली को आउट किया जिससे अमेरिका ने 16वें ओवर में 39 रन पर अपना पांचवां विकेट गंवाया। नीतीश सुदिनी हालांकि कुछ देर टिककर खेले, उन्होंने 52 गेंद में 36 रन बनाए जिसमें चार चौके शामिल थे। उन्होंने अदनीत झाम (18) के साथ छठे विकेट के लिए 30 रन जोड़े जिससे अमेरिका का स्कोर 50 रन के पार पहुंचा। हेनिल ने फिर पुछल्ले बल्लेबाजों को समेटा। उन्होंने सबरीश प्रसाद (07) और ऋषभ शिंपी (00) को आउट करके अपने पांच विकेट पूरे किए। अमेरिका की टीम 35.2 ओवर में ऑल आउट हो गई। भारत ग्रुप बी में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड है।

शॉट लगातीं यूपी की बल्लेबाज हरलीन देओल। एजेंसी

यूपी वॉरियर्ज ने सत्र में पहली जीत दर्ज की

महिला प्रीमियर लीग

- मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया, हरलीन देओल ने खेली शानदार पारी

नवी मुंबई, एजेंसी

यूपी वॉरियर्स ने हरलीन देओल (नाबाद 64 रन) के नाबाद अर्धशतक की मदद से बृहस्पतिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को 11 गेंद रहते सात विकेट से हराकर इस सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की।

नटाली साइवर ब्रंट (65 रन, दो विकेट) ने अपने चिर परिचित अंदाज में खेलते हुए तेज अर्धशतक जड़ा जिसकी मदद से मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाए। हरलीन बुधवार को अच्छी बल्लेबाजी के बावजूद रिटायर्ड आउट हो गई थीं, उन्होंने 39 गेंद की पारी में 12 चौके जड़े और क्लो ट्रायोन (नाबाद 27 रन) के साथ मिलकर टीम को 18.1 ओवर में तीन विकेट पर 162 रन तक पहुंचाया जिससे यूपी वॉरियर्स की टीम लगातार तीन हार के बाद चौथे मैच में पहली जीत दर्ज करने में कामयाब रही। वहीं मुंबई इंडियंस की चार मैच में यह दूसरी हार थी। हरलीन ने इच्छानुसार शॉट लगाए जिसमें शबनीम इस्माइल के एक ओवर में तीन चौके भी शामिल थे। इस भारतीय बल्लेबाज ने 15वें ओवर में ऑफ स्पिनर संस्कृति गुप्ता पर स्वीप शॉट से एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। हरलीन ने इसी ओवर में दो चौके और जड़े जिससे टीम को 24 गेंद में 29 रन की दरकार थी।

हरलीन ने ट्रायोन के साथ मिलकर बिना किसी परेशानी के जीत सुनिश्चित की। हालांकि यूपी वॉरियर्स के लिए शीर्ष क्रम में परेशानी जारी रही जिसमें कप्तान मेग लैनिंग (25 रन) और किरण नवगिरे (10 रन) तेज शुरूआत नहीं करा सकीं। इससे सात ओवर में यूपी वॉरियर्स का स्कोर दो विकेट पर 50 रन था। लेकिन लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था जिससे हरलीन ने टिककर खेलते हुए टीम को पहली जीत का स्वाद चखाया।

लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत व प्रणय बाहर

लक्ष्य सेन। एजेंसी

इंडिया ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन ने अपने मजबूत डिफेंस और तेज खेल की बदौलत जापान के केंटा निशिमोटो को हराया, जबकि किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय का शानदार प्रदर्शन योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 के दूसरे राउंड में काफी नहीं रहा।

यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। सेन ने निशिमोटो को 21-19, 21-11 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि श्रीकांत फ्रांस के वर्ल्ड टूर फाइनल्स विजेता क्रिस्टो पोपोव से 21-14, 17-21, 21-17 से हार गए, और प्रणय सिंगापुर के आठवें वरीयता प्राप्त लोह कीन यू से 18-21, 21-19, 21-14 से हार गए। महिला सिंगल्स में भी भारत की चुनौती खत्म हो गई, जब चीनी पांचवीं वरीयता प्राप्त हान यू ने मालविका बंसोड़ को 21-18, 21-15 से हरा दिया। निशिमोटो के खिलाफ पहले गेम के शुरुआती चरणों में सेन के लिए भी राह मुश्किल थी, क्योंकि भारतीय खिलाड़ी अपनी लय और स्ट्रोक की लंबाई खोजने में संघर्ष कर रहा था। इंडियन ऑयल के कर्मचारी पहले गेम में जापानी खिलाड़ी से 11-16 और फिर 14-18 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को लंबी रैलियों में उलझाए रखा और रोकने के लिए कुछ शानदार डिफेंसिव स्ट्रोक लगाए।

चीन की ली यी जिंग और लुओ जू मिन के खिलाफ शॉट लगातीं भारत की गायत्री गोपीचंद (बाएं) और त्रीसा जॉली। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियन ओपन | रविवार से शुरू हो रहा वर्ष का पहला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट, इतिहास में दर्ज हो सकता है दोनों का मुकाबला

कोको गॉफ और वीनस विलियम्स भिड़ सकतीं दूसरे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

कोको गॉफ और वीनस विलियम्स रविवार से शुरु हो रहे टेनिस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में आमने-सामने हो सकती हैं और यह मुकाबला फिर इतिहास में दर्ज हो सकता है।

पंद्रह साल की गॉफ ने जब ग्रैंड स्लैम में पदार्पण किया था तो उन्होंने विंबलडन में सात बार की मेजर विजेता वीनस को हरा दिया था। गॉफ ने 2019 में ऑल इंग्लैंड क्लब में उस जीत के बाद वीनस को अपने करियर के लिए बड़ी प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद दिया था और कहा था अगर वह नहीं होतीं तो मैं यहां नहीं होती। इसके बाद गॉफ ने 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहले दौर में जीत हासिल की। अब वह तीसरी वरीय हैं। वहीं 45 साल की वीनस को ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला और वह पांच साल बाद इसमें खेल रही हैं।

मेलबर्न पार्क में शुरू होने वाले ग्रैंडस्लैम का बृहस्पतिवार को ड्रॉ निकाला गया जिसमें गॉफ का मुकाबला 91वीं रैंकिंग की कामिला रखिमोवा से होगा जबकि 576 रैंकिंग की वीनस (1998 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में पदार्पण करने वाली और दो बार फाइनल में पहुंचने वाली) का मुकाबला पहले दौर में 68 रैंकिंग की ओल्गा डैनिलोविच से होगा। वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनने वाली हैं और वह जापान की किमिको डेट का रिकॉर्ड तोड़ देंगी जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 साल की थीं। गॉफ को फिर से वीनस से भिड़ने के लिए पहले दौर में जीत हासिल करनी होगी। पिछले दो हफ्तों में वीनस न्यूजीलैंड और होबार्ट में हुए टूर्नामेंट में खेलीं लेकिन दोनों में ही पहले दौर में हार गईं।

गॉफ और वीनस ड्रॉ के उसी हाफ में हैं जिसमें शीर्ष रैंकिंग वाली एरीना सबालेंका हैं, जो पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से हारने से पहले लगातार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत चुकी थीं। सबालेंका ने पिछले हफ्ते ब्रिस्बेन में खिताब जीतकर अपने सत्र की शुरुआत की थी और तीसरे दौर में उनका सामना 2021 अमेरिकी ओपन विजेता एमा राडुकानु से हो सकता है।? गत चैंपियन कीज को छठे नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला और चौथे नंबर की खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा के साथ उसी क्वार्टर में रखा गया है।

वहीं दूसरी रैंकिंग की इगा स्वियातेक मेलबर्न पार्क में अपना पहला खिताब जीतकर करियर ग्रैंडस्लैम हासिल करना चाहती हैं। वह चौथे दौर में चार बार की मेजर विजेता नाओमी ओसाका से भिड़ सकती हैं। वहीं यानिक सिनर और नोवाक जोकोविच भी ड्रॉ के एक ही हाफ में हैं जिससे गत चैंपियन और 24 बार के मेजर विजेता के बीच संभावित सेमीफाइनल देखने को मिल सकता है। जोकोविच ने 10 ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीते हैं, लेकिन 2023 के बाद से मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

स्लोएन स्टीफंस ने क्वालीफाई किया

मेलबर्न। स्लोएन स्टीफंस ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए क्वालीफाई कर लिया है जो एक साल पहले मेलबर्न पार्क में शीर्ष रैंक वाली एरिना सबालेंका से पहले दौर में हारने के बाद उनका पहला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट है। अमेरिकी ओपन 2017 चैंपियन स्लोएन ने बाएं पैर की चोट से उबरने के बाद सत्र की पहली ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिता के क्वालीफाइंग दौर में 1,097वीं रैंकिंग के साथ प्रवेश किया था। उन्होंने मेलबर्न पार्क में क्वालीफाइंग में लगातार तीन जीत हासिल की और बृहस्पतिवार को तीसरे दौर में इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-1, 7-5 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह पक्की की। इस 32 साल की अमेरिकी खिलाड़ी ने करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग हासिल की थी। इसे वह अपने करियर के लिए बड़ी उपलब्धि मानती हैं।

खिलाड़ियों के विद्रोह से बीपीएल अधर में, नजमुल पर हुई कार्रवाई

ढाका, एजेंसी

संकट से जूझ रहे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) पर उसकी शीर्ष टी20 लीग के रुकने का खतरा मंडरा रहा था जब सीनियर राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने निदेशक नजमुल इस्लाम को अपमानजनक टिप्पणियों के लिए बर्खास्त नहीं करने पर बोर्ड के खिलाफ विद्रोह कर दिया। बीसीबी ने हालांकि उन्हें अपनी वित्त समिति के प्रमुख के पद से हटा दिया।

बीसीबी के अहम पद से नजमुल को हटाए जाने के बावजूद बृहस्पतिवार को होने वाले बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दो मैच स्थगित कर दिए गए और खिलाड़ियों के कड़े रुख के कारण टूर्नामेंट अनिश्चितताओं से घिर गया है। बीपीएल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी बीसीबी निदेशक के पद से नजमुल को तुरंत हटाने की अपनी मांग पर एकजुट थे। खिलाड़ियों और जनता के दबाव में बीसीबी को कार्रवाई करनी पड़ी और नजमुल को बोर्ड की वित्त समिति के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। नजमुल हालांकि बोर्ड के निदेशक बने हुए हैं और अनुशासनात्मक कारणों से उन्हें इस पद से हटाया जा सकता है। यह हंगामा तब शुरू हुआ जब नजमुल ने 'सुरक्षा चिंताओं' के कारण अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत जाने से बांग्लादेश के इनकार को दोहराते हुए देश के टूर्नामेंट से हटने पर खिलाड़ियों की पारिश्रमिक से जुड़ी चिंताओं को खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को मुआवजा नहीं दिया जाएगा क्योंकि उन्होंने अब तक मिले समर्थन को सही साबित नहीं किया है और एक भी आईसीसी प्रतियोगिता नहीं जीत पाए हैं। इस बयान से काफी हंगामा हुआ और सीडब्ल्यूएबी ने उन्हें तुरंत हटाने की मांग की। बीसीबी ने नजमुल को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया। बीसीबी ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड बोर्ड के एक सदस्य द्वारा हाल ही में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों पर अपना खेद फिर दोहराता है। बीसीबी इन टिप्पणियों से हुई चिंता को स्वीकार करता है और क्रिकेटरों के प्रति सम्मान के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराता है।

> बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यह सूचित करना चाहता है कि हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा के बाद और संगठन के सर्वोत्तम हित में बीसीबी अध्यक्ष ने नजमुल इस्लाम को वित्त समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी जिम्मेदारियों से तत्काल प्रभाव से मुक्त करने का फैसला किया है। अगले आदेश तक बीसीबी अध्यक्ष वित्त समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष का पद संभालेंगे। बीसीबी दोहराता है कि क्रिकेटरों के हित उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। बोर्ड अपने अधिकार क्षेत्र के तहत खिलाड़ियों के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।
> –बीसीबी